WWW. bntonline.in | eBNT PAPER epaper.bntonline.in | Breaking News Today | bntnewschannel | breaking.news.today | BNTNews_2008

RNI NO.DELBIL/2008/24327

16 साल बेमिसाल

Breaking News Today

हम सबकी खबर लें, हम सबको खबर दें!

Vol. No. XVI & Issue No. 08 | 26 April 2024 | Fortnightly | Pages 16 | ₹ 5

पर्ची मिलान वाली सभी याचिकाएं खारिज

■ बीएनटी न्यूज

वीवीपैट ईवीएम के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल करके डाले गए वोटों के पूर्ण क्रास-सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज कर दिया गया है।

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्मस (एडीआर) संस्था और कुछ अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से 100 प्रतिशत मिलान की मांग की थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने इस संबंध में दायर कई जनहित याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया है। एसोसिएशन फार डेमेक्रेटिक रिफार्मस (एडीआर) संस्था और कुछ अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से 100 प्रतिशत मिलान की मांग की थी। चुनाव आयोग ने पीठ के समक्ष कहा था कि ईवीएम और

● भारतीय निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की तीनों इकाइयों (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट) का अपना-अपना माइक्रोकंट्रोलर होता है।

वीवीपैट में किसी तरह की छेड़छाड़ संभव नहीं है। आयोग ने मशीनों की सुरक्षा, उन्हें सील करने और उनकी प्रोग्रामिंग के बारे में भी शीर्ष कोर्ट को अवगत कराया था।

कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के माध्यम से डाले गये वोट का वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल के साथ मिलान कराने का अनुरोध करने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और कहा कि तंत्र के किसी भी पहलू पर आंख मूंद कर अविश्वास करना बिना वजह संदेह पैदा कर सकता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मामले में सहमति वाले दो फैसले सुनाये और इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दीं जिनमें दोबारा मतपत्रों से चुनाव कराने की प्रकिया पुनः अपनाने का अनुरोध करने वाली याचिका भी शामिल है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि लोकतंत्र का अर्थ सद्भाव और सभी संस्थाओं में भरोसा बनाए रखने का प्रयास करना है। न्यायालय ने दो निर्देश जारी किये। न्यायमूर्ति खन्ना ने अपने फैसले में निर्वाचन आयोग को मतदान के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में चिह्न लोड करने वाली स्टोर यूनिट्स को 45 दिनों के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित करने के निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने ईवीएम निमार्ताओं के इंजीनियरों को यह अनुमति दी कि वे परिणाम घोषित होने के बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के अनुरोध पर

शेष पृष्ठ 2 पर

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी ने झूठ बोलने में पीएचडी कर रखी है

हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा 9 उम्मीदवारों की सूची देरी से जारी किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची जारी किए जाने में हुई देरी ने कांग्रेस के अंतर्कलह को सामने ला दिया है कि पार्टी में नेता आपस में उलझे हुए हैं। विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा, राहुल झूठ बोलने में माहिर हैं। राहुल ने झूठ बोलने में पीएचडी कर रखी है। दरअसल, राहुल ने बीते दिनों एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान कहा था कि बीजेपी ने अपने राज में चुनिंदा 25 लोगों ही अरबपति बनाया है, लेकिन अगर इस बार हमारी सरकार आती है, तो 25 करोड़ लोगों को लखपति बनाया जाएगा। विज ने कहा, 'राहुल झूठ बोलने में माहिर हैं। वो 25 करोड़ लोगों को लखपति बनाने की बात कह रहे हैं। क्या यह 25 करोड़ तब देश में नहीं थे, जब कांग्रेस की सरकार थी?' विज ने आगे कहा, 'ना महज राहुल, बल्कि कांग्रेस के सभी नेता झूठ बोलने में माहिर हैं।'

हमें मुफ्त का राशन नहीं, बहन जी का शासन चाहिए : आकाश आनंद

■ बीएनटी न्यूज

बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए जय भीम का नारा भी लगाया। यूपी के कौशांबी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि हमें मुफ्त का राशन नहीं, बहन जी का शासन चाहिए। भाजपा के लोग आएं तो उनसे शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार पर सवाल करिए। भाजपा सरकार शिक्षा से खिलवाड़ कर रही है। इन लोगों ने स्कूलों का बुरा हाल कर दिया। बाबा साहब कहते थे कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पियेगा दहाड़ेगा।

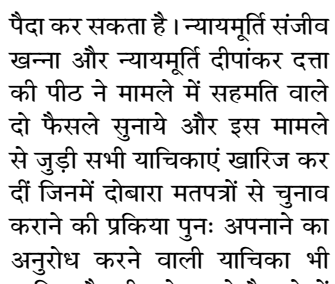

आकाश आनंद ने आगे कहा कि सरकार की मंशा रोजगार देने की नहीं है। पेपर लीक होने के बहाने यह रोजगार नहीं देना चाहते हैं। केंद्र में 50 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। यह चाहें तो एक झटके में इन्हें भरा जा सकता है। लेकिन, यह लोग नहीं चाहते कि बहुजन वर्ग अपने पैरों पर खड़ा हो। यह आपको जिंदगी भर कमजोर रखना चाहते हैं।

अंदर पढ़ें

खबरें	पृष्ठ
रामलला के दर पर आ सकते...	02
कांग्रेस की लूट जिंदगी के...	03
हमारी प्राथमिकताएं प्रकृति...	04
कन्नौज से चुनावी मैदान में...	05
मेरा नाम अरविंद केजरीवाल...	06
राहुल गांधी को मानहानि केस...	07
हरियाणा: सिरसा से सैलजा...	08
पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे...	09
मालदीव का घमंड टूटा...	10
एलन मस्क का भारत दौरा...	11
विकसित भारत एंबेसडर...	12
नेस्ले की बढ़ेगी परेशानी..	13
हमें खुद पर विश्वास करना...	14
सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने...	15
महारानी वेब सीरीज की कहानी...	16

नीतीश कुमार ने बीमा भारती पर कसा तंज, कहा- इनको तो बोलना ही नहीं आता

■ बीएनटी न्यूज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्णिया सीट से एनडीए प्रत्याशी संतोष कुमार कुशवाहा के समर्थन में भवानीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कुशवाहा को वोट देने की अपील की। इस बीच, उन्होंने पूर्णिया से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी बीमा भारती पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि बीमा भारती पहले हमारी पार्टी में थीं।

नीतीश कुमार ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे मंत्री बना दीजिए, लेकिन उन्हें तो बोलना ही नहीं आता था। अब वो उस तरफ (इंडिया गठबंधन) चली गई हैं। हमने उनको बोलना सिखाया। उन्हें राजनीति के दांव-पेंच सिखाए, लेकिन अब वो वहां चली गईं। लिहाजा, आप लोगों से यही अपील करना चाहूंगा कि आप लोग ऐसे लोगों पर भरोसा मत कीजिए।'

इस बीच, उन्होंने सभा को संबोधित करने के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियों से भी जनता को अवगत कराया और लोगों से कहा कि अगर आप हमें मौका देते हैं, तो एक बार फिर से चौतरफा विकास की बयार बहेगी।

पूर्णिया के बाद मुख्यमंत्री किशनगंज में जेडीयू उम्मीदवार मुजाहिद आलम के समर्थन में चुनावी सभा करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि बिहार में जो कुछ भी हुआ है, उसे हम लोगों ने ही पूरा किया है। 2020 तक हमने 8 लाख नौकरी दी और 2025 तक और दस लाख नौकरी देंगे।

यह मनुष्य का मन ही है जो उसके बंधन या स्वतंत्रता का कारण है।

\- चाणक्य

आवश्यकता है

वीडियो एडिटर, कंटेंट राइटर एवं वेब डेवलपर

संपर्क करें:

9990533306

इंदौर नगर निगम में मिट्टी घोटाला

निगम को करोड़ों रुपए का चूना लगाया

संपादक की कलम से...

राजेन्द्र कुमार गोयल
मुख्य संपादक
chiefeditor@bntonline.in

नो बगैर काम फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपये का भुगतान लेने वाली फर्मों का एक और घोटाला सामने आया है। इन फर्मों को बगैर काम ट्रेंचिंग ग्राउंड में मिट्टी डालने के नाम पर रु4 करोड़ का भुगतान निगम से हुआ है। कागजों पर यह काम 2019-20 में करना बताया गया जबकि बिल 2022 में लगाए गए। नगर निगम की जांच कमेटी ने इस फर्जीवाड़े को पकड़ा है। कमेटी को यह जानकारी भी हाथ लगी है कि फर्जीवाड़े का खेल सिर्फ ड्रेनेज विभाग में ही नहीं बल्कि निगम कई अन्य विभागों में भी चल रहा था। इसमें निगम के कई अधिकारियों की संलिप्तता भी सामने आई है। कमेटी ने रिपोर्ट तैयार कर मुख्य सचिव को भेज दी है। हालांकि इसके बुधवार तक जारी होने की बात कही जा रही है।

नगर निगम के रु28 करोड़ के घोटाले में अभी तक बड़े अफसरों पर तो गाज नहीं गिरी, लेकिन लेखा शाखा के दो कर्मचारियों को हटाकर ट्रेंचिंग ग्राउंड भेज दिया है। विभाग स्तर पर घोटाले की जांच हो रही है। उसकी रिपोर्ट अभी नहीं आई है, लेकिन दोनो कर्मचारियों को उससे पहले ही हटा दिया है।

आडिट विभाग ने आंख मूंदकर भुगतान के लिए आगे बढ़ा दी फाइलें

फर्जीवाड़े में आडिट शाखा और लेखा शाखा की भूमिका पर शुरू से ही सवाल उठ रहे थे। कमेटी की जांच में भी यह बात सामने आई कि ठेकेदारों ने नगर निगम में छोटे-छोटे काम कर पहले तो विश्वास जमाया और फिर बड़े-बड़े फजीर्वाड़ों को अंजाम दे दिया। आडिट शाखा में जूनियर आडिटर, सीनियर आडिटर, डिप्टी डायरेक्टर ने आंख मूंदकर इन फाइलों पर चेक्ड एंड ओके फार पेमेंट की टीप लगा कर इसे आगे बढ़ा दिया।

दो-ढाई वर्ष बाद लगाए बिल

फर्जीवाड़े में यह बात सभी फर्जी बिलों में एक जैसी है कि फजीर्वाडे को अंजाम देने वाले ठेकेदारों ने जिस समय का काम बताया उसके दो-ढाई वर्ष बाद फर्जी बिल प्रस्तुत किए। खास बात यह कि नगर निगम के किसी जिम्मेदार अधिकारी ने यह जानने की कोशिश ही नहीं कि कि करोड़ों रुपये के भुगतान के लिए ठेकेदार फर्म ढाई वर्ष तक इंतजार क्यों कर रही है। वर्तमान में भी नगर निगम के कुछ ठेकेदार हैं जो दो-ढाई वर्ष बाद बिल प्रस्तुत करते हैं। इसका फायदा यह होता है कि काम पुराना होने से उसकी जांच नहीं हो पाती और वास्तविकता सामने नहीं आ पाती।

हर ठेकेदार चाहता है ड्रेनेज विभाग का काम

नगर निगम के ड्रेनेज विभाग में काम करना हर ठेकेदार की पहली पसंद होती है। इसकी वजह है कि इस विभाग का ज्यादातर काम जमीन के भीतर होता है और इसकी वास्तविकता की जांच

कर पाना आसान नहीं होता। जमीन के भीतर ठेकेदार ने कितनी लाइन डाली है, किस गुणवत्ता के पाइप डाले हैं, चैंबर तय मापदंडों के मुताबिक बनाए हैं या नहीं, चैंबरों पर प्लास्टर किया है या नहीं, इन सबकी जांच की जिम्मेदारी इंजीनियरों की होती है लेकिन जब तक वे पहुंचते हैं तब तक ठेकेदार काम पूरा कर जमीन समतल कर चुका होता है। यह बात भी सामने आई है कि निगम के कई अधिकारियों ने खुद के ठेकेदार भी रख रखे हैं। निगम के बड़े काम इन्हीं ठेकेदारों को दिए जाते हैं।

दो साल तक छुपाए रखा अफसरों ने घोटाला

जिन कामों के बिल पांच फर्मों ने लगाए थे। उनका निर्माण कार्य दो साल पहले होना बताया गया था। ड्रेनेज विभाग के कुछ अफसरों को घोटाले की जानकारी पहले से थी, लेकिन उन्होंने उसे छुपाए रखा। लोकसभा चुनाव से पहले जनसुनवाई में इस मामले की शिकायत हुई थी तो तत्कालीन निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने इसकी जांच के निर्देश दिए थे। उनका तबादला होने के बाद जांच फिर ठंडे बस्ते में चली

शेष पृष्ठ 2 पर

राजीव गांधी ने अपनी संपत्ति बचाने के लिए विरासत कानून को किया खत्म : मोदी

■ बीएनटी न्यूज

'विरासत कर' मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी मां इंदिरा गांधी के निधन के बाद अंपनी संपत्ति बचाने के लिए विरासत कानून को खत्म किया था।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि वह देश के साथ एक 'दिलचस्प तथ्य' साझा करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जब श्रीमती इंदिरा गांधी का निधन हुआ, तो उनकी संपत्ति उनके बच्चों को मिलनी थी। अगर पिछला कानून होता तो सरकार इसका एक हिस्सा ले लेती। उस समय संपत्ति को बचाने के लिए उनके बेटे और तत्कालीन प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) ने विरासत कानून को खत्म कर दिया। जब उनके हित की बात आई, तो उन्होंने कानून को हटा दिया।'

उन्होंने कहा, 'आज एक बार फिर सत्ता के लालच में आकर ये लोग उसी कानून को दोबारा लागू करना चाहते हैं। पीढ़ियों तक बिना टैक्स के असीमित संपत्ति जमा करने के

बाद, अब वे आपकी विरासत पर टैक्स लगाना चाहते हैं। इसलिए देश कह रहा है कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी।

पीएम मोदी ने यूपी के आगरा और आंवला में भी रैलियों को संबोधित करते हुए इसे दोहराया कि कांग्रेस विरासत कर लागू कर एक 'खतरनाक मिसाल' स्थापित करेगी।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस-सपा और इंडिया गठबंधन ने आपकी विरासत पर 55 प्रतिशत कर लगाने की योजना बनाई है। इसका मतलब है कि आप अपने बच्चों के लिए, जो कुछ भी छोड़ेंगे, उसका एक बड़ा हिस्सा सरकार ले लेगी। यदि आप चार कमरों का घर बनाते हैं, तो केवल दो कमरे ही आपके बच्चों के पास रहेंगे, बाकी सब कांग्रेस-सपा हड़प लेगी।'

उन्होंने कहा, 'इसी तरह, यदि आपके पास 10 बीघे जमीन है, तो केवल पांच बीघे ही आपके बच्चों को विरासत में मिलेंगे, बाकी कांग्रेस-सपा जब्त कर लेगी। क्या आप अपनी संपत्ति उन्हें सौंपने के लिए तैयार हैं।'

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर 'गहरी साजिश' रचने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के एक नेता देश भर में लोगों की संपत्ति का एक्स-रे कराने की बात कर रहे हैं। आप जो भी कमाते हैं, हमारी माताओं और बहनों के पास जो मंगलसूत्र, सोना और चांदी है, कांग्रेस उसे जब्त करना चाहती है और अपने समर्थकों में बांटना चाहती है। आपके इस दुनिया से चले जाने के बाद बची हुई संपत्ति भी आपके बेटे-बेटियों के पास नहीं जाएगी। कांग्रेस आपकी आधी से ज्यादा कमाई छीनना चाहती है, इसके लिए कांग्रेस आप पर विरासत कर लगाना चाहती है।'

गौरतलब है कि पहले राजीव गांधी के साथ काम कर चुके हैं और अब राहुल गांधी के करीबी इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अमेरिका में विरासत कर पर टिप्पणी कर तूफान खड़ा कर दिया। इस बात पर जोर देते हुए कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1985 में विरासत कर को समाप्त कर दिया था, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी के 2024 के घोषणापत्र में इसका 'कोई उल्लेख नहीं' है।

रमेश ने कहा, मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं। हमारे घोषणापत्र में विरासत कर का कोई उल्लेख नहीं है, यह हमारा एजेंडा नहीं है। सच्चाई यह है कि 1985 में, प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विरासत कर को समाप्त कर दिया था।

जनसंख्या विस्फोट * बेरोजगारी * आत्महत्या करता किसान * दमघोंटू प्रदूषण * अनाज के लिए भंडारण की कमी * न्याय में देरी * भूख * शिक्षा, आदि अनेक मुद्दे...

Breaking News Today

339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.

रामलला के दर पर आ सकते हैं राहुल व प्रियंका, अयोध्या के संत समाज ने जताई प्रतिक्रिया

■ बीएनटी न्यूज

कांग्रेस नेताओं के अयोध्या आने की सुगबुगाहट से अयोध्या के संतो में बेचैनी बढ़ गयी है। संत समाज राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के अयोध्या दौरे को लेकर कटाक्ष करते नजर आ रहे हैं। संत समाज का कहना है कि अब राहुल और प्रियंका गांधी को अयोध्या आने की जरूरत नहीं हैं, क्योंकि जब उनको रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया था, तब उन्होंने ठुकरा दिया था।

अयोध्या के संतों का कहना है कि यही कांग्रेस और उनके नेता हैं, जो राम को काल्पनिक बताते थे। रामलला को इतने सालों तक इन्होंने टेंट में रखा। ये वहीं लोग हैं, जो संतों को आईएसआईएस और बोको हराम से जोड़ देते हैं, जो मंदिरों जाने वाले युवाओं पर अभद्र टिप्पणी करते हैं।

संतों ने कहा है कि अब राहुल गांधी को मथुरा जाना चाहिए। श्री कृष्ण जन्मभूमि पर दर्शन करें और यमुना जी का जल हाथ मे लेकर संकल्प लें कि जैसे अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है, वैसे ही मथुरा में शाही ईदगाह को हटाकर भक्त श्री कृष्ण के स्थान पर मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि राहुल और

प्रियंका अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या आने पर उनका स्वागत है, लेकिन अभी राहुल गांधी और प्रियंका को भगवान श्री कृष्ण की जन्म भूमि पर जाने की आवश्यकता है।

राजू दास ने आगे कहा कि यही कांग्रेस और कांग्रेस के नेता हैं, जिन्होंने रामलला को काल्पनिक बताया। इतने सालों तक राम को टेंट में रखा। संतो को आईएसआईएस और बोको हराम से जोड़ दिया। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि मोदी मजबूत होगा, तो सनातन मजबूत होगा।

राजू दास ने आगे कहा कि ऐसे शब्दों से कांग्रेस के नेता सनातनियों को नवाजते हैं। सनातन को टाइफाइड मलेरिया और डेंगू बताते हुए मिटाने की बात करते हैं।

राजू दास ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह के शब्द कांग्रेस के नेता बोलते हैं, लेकिन फिर भी आप लोग आते हैं, तो आपका स्वागत है। अगर आप वाकई में सनातनी हैं, तो पहले मथुरा जाएं और संकल्प लें कि जैसे अयोध्या में राम मंदिर बना, वैसे ही शाही ईदगाह को हटाकर श्री कृष्ण के जन्म स्थान पर मंदिर बनाएंगे। कृष्ण जन्मभूमि मंदिर का निर्माण राहुल गांधी कराएंगे, तब हम मानेंगे राहुल गांधी हिंदुस्तान के रहने वाले हैं और सनातनी हैं, नहीं तो हिंदू समझ जाएगा कि आप कालनेमि हैं और शुद्ध रूप से वोट की राजनीति कर रहे हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महत कमल नयन दास ने कहा कि राहुल गांधी को भारत से कुछ लेना ही देना नहीं हैं। राहुल गांधी के पूर्वजों ने देश को खूब ठगा और लूटा है। यह वहीं राहुल गांधी है, जो वीर सावरकर को गाली देते घूमते हैं। राहुल गांधी ने जो कुछ भी किया है उसके लिए भगवान उनको क्षमा नहीं करेंगे, राहुल गांधी के पूर्वज गद्दार थे, उन्होंने देश के साथ गद्दारी की है, इसका जीता जागता प्रमाण कश्मीर है। संकटमोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महान ज्ञान दास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने कहा कि भगवान रामलला सब की आस्था के केंद्र हैं। यहां हर कोई आकर आशीर्वाद ले सकता है। जब प्राण प्रतिष्ठा हुई थी, तब उनको आना चाहिए था। भगवान रामलला आस्था के केंद्र हैं। वह प्रेरणा के स्रोत हैं, जो उनके चरणों में नतमस्तक होगा उसके ऊपर प्रभु की कृपा होगी।

खरगे-राहुल ने की मतदाताओं से अपील

संविधान बचाने के लिए करें मतदान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के मतदाताओं से अपील की कि वे संविधान बचाने और समावेशी विकास के लिए अपने वोट का इस्तेमाल करें। राहुल गांधी ने लोगों से अपील की कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने घरों से 'संविधान के सिपाही' बनकर बाहर निकलें। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'हम, भारत के लोग'-भारत के संविधान की यह आत्मा मतदान के लिए बटन दबाने से पहले आपके दिल और दिमाग में गूंजनी चाहिए। यह मत भूलिए कि यह कोई सामान्य चुनाव नहीं है। यह लोकतंत्र को तानाशाही के चंगुल से बचाने का चुनाव है। उन्होंने मतदाताओं से कहा, '....किसी भी ध्यान भटकाने वाली रणनीति और झूठ से प्रभावित न हों।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अपने वोट को हमेशा महत्व दें, क्योंकि यह 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में बदलाव ला सकता है। खरगे ने कांग्रेस के पांच न्याय स्तंभों - युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय का उल्लेख करते हुए कहा, एक ऐसे भविष्य की कल्पना करें जहां न्याय, स्वतंत्रता, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी हो। एक ऐसा भविष्य जहां तीव्र समावेशी विकास और परिवर्तनकारी नीतियों की गारंटी हो। राहुल गांधी ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मेरे प्यारे देशवासियों! देश की तकदीर का फैसला करने जा रहे इस ऐतिहासिक चुनाव का आज दूसरा चरण है। आपका वोट तय करेगा कि अगली सरकार 'चंद अरबपतियों' की होगी या '140 करोड़ हिंदुस्तानियों' की। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह घर से बाहर निकले और 'संविधान का सिपाही' बन कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए वोट करे।

घटता मतदान: लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत

■ बीएनटी न्यूज

विश्व के सबसे बड़े और प्राचीन लोकतंत्री देश भारत की आजादी के पचहत्तर वर्ष बाद विश्वस्तर पर यह चिंता व्यक्त की जा रही है कि क्या भारत में लोकतंत्र के प्रति आस्था में कमी आती जा रही है? क्या देशवासी लोकतंत्र की कथित राजनीतिक तानाशाही से परेशान होकर अंग्रेज राज को याद कर रहे है?

क्या लोकतंत्र की रीढ़ चुनाव प्रणाली के प्रति आम रूचि कम हो रही है? ये कुछ ऐसे सवाल है, जो आज मानव के सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में उठाए जा रही है, इसका सबसे मुख्य उदाहरण हर चुनाव के समय मतदान प्रतिशत में स्पष्ट हो रही कमी है, इसका ताजा उदाहरण लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में हुआ मतदान है, जिसमें पूर्व चुनावों की तुलना में दस प्रतिशत से भी कम मतदान सामने आया है। इसलिए यदि लोकतंत्रीय नजरिये से देखा जाए तो यह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़े खतरे का संकेत है।

वैसे भी कांग्रेस सहित करीब-करीब सभी प्रतिपक्षी दल यह गंभीर आरोप लगा रहे है कि 2024 का लोकसभा

चुनाव हमारे लोकतंत्री देश का आखरी चुनाव होगा, अब प्रतिपक्ष किन संकेतों के आधार पर यह आशंका व्यक्त कर रहा है? यह तो वहीं जाने, किंतु वास्तविकता यह भी है कि आम भारतीय नागरिक की प्राथमिकताओं में मतदान प्राथमिकता नहीं रहा है, खासकर देश का भविष्य युवावर्ग तो इस लोकतंत्री प्रक्रिया से दिल दिमाग और देशभक्ति के साथ जुड़ने की कौशिश ही नही कर रहा है, देश का नौकरीपेशा मतदाता वर्ग जहां मतदान दिवस का अवकाश अपने परिवार के साथ मौजमस्ती के साथ मनाने को आतुर रहता है। वहीं युवा वर्ग की भी प्राथमिकता में मतदान नही है, उसकी सोच है कि अवकाश की मौजमस्ती में यदि समय मिला तो वोट डाल आएंगें और यदि वह इन क्षणों में मतदान केन्द्र पर जाता है और उसे वहां वोट डालने वालों की लम्बी लाईन नजर आती है तो वह बिना वोट डाले वापस अपनी मस्ती में शामिल हो जाता है, कुल मिलाकर मतलब यह कि मतदान अब युवाओं की प्राथमिकता नही रहा, और इस वर्ग के सदस्यों को परिवार के वृद्धजन कितना ही लोकतंत्री महत्व नागरिक कर्तव्य का ज्ञान दे, किंतु इस कथित अरूचिपूर्ण उपदेश को वह एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल बाहर करता है, मतदान प्रतिशत दिनों दिन कम होने का यह भी एक मुख्यकारण है।

भारत की इस अहम समस्या के पीछे दोषी युवा वोटर नहीं बल्कि हम सब है, जिन्होंने हमारी नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता व राष्ट्र-भक्ति का पाठ ही नही पढ़ाया, यदि उनकी प्रारंभिक घरेलु शिक्षा में इस विषय को भी शामिल कर लिया होता तो आज हमें यह दिन देखने को मजबूर नहीं होना पड़ता। वैसे यदि अपने दिल पर हाथ रखकर यदि हम यह आत्मचिंतन करें कि हम स्वयं कितने राष्ट्रभक्त व नागरिक कर्तव्यों व अधिकारों के सही उपयोगकर्ता है? तो हम स्वयं अपने से ही निराश होगें, क्योंकि हम भी पारिवारिक व सामाजिक आपाधापी में देश और अपने कर्तव्यों के बारे में आत्मचिंतन-मनन करने का वक्त ही कहां मिल पाता है?

....पर अभी भी वक्त है, हमें अपनी नीजि चिंताओं के साथ राष्ट्र की चिंता के साथ भी जुड़ना पड़ेगा और आज की राजनीति देश को किस दिशा में ले जा रही है, इस पर गंभीर देशहित में आत्मचिंतन करना पड़ेगा, वर्ना फिर हमें भी वही घीसी-पीटी कहावत अब पछतावत होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत, बार-बार दोहराना पड़ेगा, इसलिए चुनावी लोकतंत्र की इस अहम बेला में मेरा अनुरोध है कि पूरा देश इन संकेतों को गंभीरता से लेकर आत्मचिंतन कर देशहित में कुछ संकल्प लें।

गुजरात कांग्रेस ने नीलेश कुंभानी को छह साल के लिए किया पार्टी से सस्पेंड

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बीच गुजरात कांग्रेस ने सूरत से प्रत्याशी रहे नीलेश कुंभानी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने कुंभानी को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया है। इससे पहले, पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा था। लेकिन समय बीत जाने के बावजूद भी उन्होंने जवाब नहीं दिया।

नीलेश कुंभानी पर आरोप है कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर खुद के फॉर्म को रद्द कराया, जिसके चलते भाजपा के उम्मीदवार मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए।

कांग्रेस की अनुशासन समिति ने नीलेश कुंभानी को 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित करने की अनुशंसा की थी।

कांग्रेस से सस्पेंड होने पर खबर है कि वो अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

इंदौर नगर निगम में मिट्टी...

गई, लेकिन निगम के चीफ इंजीनियर की कार से घोटाले की फाइल चोरी होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

आरोपियों को पहले ही पता चल गया एफआइआर होने वाली है

चौकाने वाली बात यह है कि नगर निगम के इंजीनियर सुनील गुप्ता ने 16 अप्रैल को फर्जीवाड़े की एफआइआर एमजी रोड पुलिस थाने में की थी, लेकिन आरोपित फर्मों के कर्ताधर्ता को इसकी खबर तीन दिन पहले मिल चुकी थी। यही वजह है कि वे 13 अप्रैल 2024 को घरों पर ताला लगाकर शहर से बाहर जा चुके थे।

इस तरह के घोटालों से लोगों का विश्वास कानून व्यवस्था और तंत्र पर shake होता है। लोगों में यह भावना घर कर रही है कि घोटालेबाजों का कुछ नहीं होगा। यह एक आम धारणा है कि ये घोटालेबाज अपनी money power एवं contacts का इस्तेमाल कर बच निकलेंगे। घोटालेबाजों का राजनैतिक गठजोड़ भी एक बड़ी समस्या है। निष्पक्ष जांच नहीं हो पाती। Investigating Agencies पर political pressure डाला जाता है। घोटालेबाजों को कानून का कोई भय नहीं कानूनों को कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। जांच time-bound matter में की जानी चाहिए। इनका fast-track court में priority से निपटारा होना चाहिए। जरा सोचिए! फैसला आप खुद कीजिये।

यहां सिर्फ परिवार के लोगों को दी जाती है तवज्जो: कंगना

■ बीएनटी न्यूज

मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत ने पन्ना प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस एक परिवारवादी पार्टी है, जहां सिर्फ परिवार के लोगों को तरजीह दी जाती है। कांग्रेस में हमेशा से ही मेहनत करने वाले नेताओं को दरकिनार किया गया है, इसलिए आज इस पार्टी की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ परिवार के लोगों को देखती है, लेकिन हमारे यहां एक

साधारण कार्यकर्ता भी एक शीर्ष नेता बन सकता है।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे यह साफ हो चुका है कि इस बार पीएम मोदी को मातृ शक्ति का समर्थन मिलने जा रहा है, जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेता लगातार महिलाओं के संदर्भ में अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस एक घोटालेबाज पार्टी है। यह सिर्फ घोटाले करती है। इसने सत्ता में रहते हुए ना जाने कितने घोटाले किए, मगर अब तक बीजेपी पर एक भी घोटाले का आरोप नहीं लगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'बीजेपी सबका साथ और सबका विकास पर चलने वाली पार्टी है। हमारी पार्टी समाज के सभी वर्गों के विकास के बारे में सोचती है, जबकि कांग्रेस एक परिवार तक सिमट कर रह गई है। हम सभी लोगों को मिलकर कांग्रेस को कैंसर की तरह उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस पार्टी वोट हासिल करने के लिए खराब नीति की राह पर चल रही है।'

पृष्ठ 1 का शेष

पर्ची मिलान वाली सभी याचिकाएं खारिज

मशीन के माइक्रोकंट्रोलर को सत्यापित कर सकते हैं।

विपक्ष के तमाम नेता ईवीएम को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि वीवीपैट पर जिन याचिकाओं को आज उच्चतम न्यायालय ने खारिज किया, उनमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक पक्ष नहीं थी। हमने दो न्यायाधीशों की पीठ के फैसले पर विचार किया है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कहा कि लड़ाई जारी रहेगी। वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि हम लोगों का यह कहना था कि एश्ट में प्रोग्रामेबल मेमोरी होती है इसलिए इसमें हेराफेरी हो सकती है... सुप्रीम कोर्ट ने हमारी इन मांगों को ठुकरा दिया है और कहा है कि चुनाव आयोग इसका सत्यापन करे कि सारे बैलट पेपर पर अगर हम बारकोड डाल दे तो उसकी मशीन से गिनती हो सकती है या नहीं।

ईवीएम को लेकर पहली बार सवाल नहीं उठाया जा रहा है। 2014 से लगातार इसको लेकर सवाल विपक्षी ओर से उठाए जा रहे हैं। भाजपा के 400 पार के दाव पर विपक्ष लगातार कह रहा है कि सत्तारूढ़ दल ईवीएम के साथ छेड़छाड़ कर सकता है इसलिए उसे 400 पार का विश्वास है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि यह विपक्ष उस समय सवाल क्यों नहीं उठाता, जब उसके उम्मीदवार या उसकी पार्टी जीत जाती है। हाल में ही पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हुए थे। तेलंगाना में कांग्रेस को जबरदस्त जीत मिली। वहीं, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को लेकर कांग्रेस ईवीएम पर सवाल उठाने लगी लेकिन तेलंगाना को लेकर कांग्रेस ने कुछ नहीं कहा और सरकार भी बनाई। ऐसे में विपक्ष दो तरह की राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। जाहिर सी बात है कि जनता विपक्ष की इस राजनीति को देख रही होगी। दूसरी ओर भाजपा को सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने विपक्ष पर निशाना साधने का बड़ा मौका दे दिया है। भाजपा खुलेआम बता सकती है कि विपक्ष हार का बहाना ढूंढ रहा है।

राजस्थान राजनीतिक संकट के दौरान अशोक गहलोत ने रची थी फोन टैपिंग की साजिश पूर्व ओएसडी का दावा

■ बीएनटी न्यूज

कथित फोन टैपिंग मामला - जिसने 2020 में राजस्थान में राजनीतिक संकट के दौरान भारी हंगामा मचाया - ने उस समय एक नया मोड़ ले लिया, जब अशोक गहलोत के तत्कालीन ओएसडी लोकेश शर्मा ने फोन टैपिंग के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत ने कागज के एक टुकड़े के साथ खुद उन्हें एक पेन ड्राइव दी थी जिसमें तीन ऑडियो क्लिप थे।

शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'अशोक गहलोत द्वारा मुझे दी गई क्लिपिंग और कागजात उनके निर्देश पर मीडिया के साथ साझा किए गए थे।'

उन्होंने दावा किया, 'न्यूज फ्लैश होने के बाद मुझे पेन ड्राइव में मौजूद सामग्री के बारे में पता चला।'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पर अपने राजनीतिक करियर को बरकरार रखने के लिए उन्हें एक 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए शर्मा ने कहा, 'अब तक, मैं कह रहा था कि मुझे ये ऑडियो क्लिप और पेपर सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुए, लेकिन वास्तविकता यह है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुझे ये दिये थे।'

उन्होंने कहा, 'अशोक गहलोत ने मुझे राज्य में कथित खरीद-फरोख्त से संबंधित ऑडियो क्लिप के साथ-साथ इसी विषय पर एक लिखित सामग्री की एक पेन ड्राइव दी। साथ ही, मुझसे उस फोन को नष्ट करने के लिए कहा गया, जिस पर मैंने क्लिपिंग साझा की थी। उन्होंने मुझसे वह लैपटॉप भी किसी दूसरे राज्य में भेजने के लिए कहा जिस पर मैंने क्लिपिंग्स डाउनलोड की थी।'

शर्मा ने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बागी होने और मानेसर जाने के बाद पूरी योजना बनाई गई थी।

उस समय, पायलट ने कहा था कि सरकार में उनकी बात नहीं सुनी जा रही है और इसलिए वे यह सुनिश्चित करने के लिए मानेसर गए थे कि आलाकमान उनकी बात सुने।

शर्मा ने दावा किया, 'हालांकि, अशोक गहलोत यह आभास देना चाहते थे कि भाजपा के गजेंद्र सिंह शेखावत पायलट की मदद से सरकार गिराना चाहते थे, और इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री ने यह योजना बनाई। उन्होंने अपने सभी विधायकों के फोन सर्विलांस पर रख दिए। यहां तक कि उन विधायकों को भी निगरानी पर रखा गया था, जो होटल फेयरमोंट में डेरा डाले हुए थे।' उन्होंने कहा कि पूरी योजना भाजपा को बदनाम करने और ऐसी छवि बनाने के लिए रची गई थी कि विपक्षी दल सरकार को गिराना चाहता है।

शर्मा ने यह भी दावा किया कि केंद्रीय मंत्री शेखावत को यह दिखाने के लिए साजिश में जोड़ा गया था कि पायलट के साथ मिलकर भाजपा का उद्देश्य गहलोत की सरकार को गिराना था।

उन्होंने मीडिया को वह पेन ड्राइव भी दिखाई जो कथित तौर पर अशोक गहलोत ने उन्हें दी थी और

साथ ही वह लैपटॉप भी दिखाया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने क्लिपिंग डाउनलोड करने के लिए किया था, जिसे उन्होंने बाद में मीडिया के साथ साझा करने के लिए अपने फोन में स्थानांतरित कर लिया था।

याद दिला दें कि केंद्रीय मंत्री शेखावत द्वारा फोन टैपिंग का आरोप लगाने की शिकायत दर्ज कराने के बाद दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

शर्मा ने मामला दर्ज करने के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। उनकी याचिका अभी भी हाई कोर्ट में लंबित है। इस दौरान अपराध शाखा शर्मा से करीब आधा दर्जन बार पूछताछ कर चुकी है।

शर्मा ने कहा कि वह अब सच्चाई उजागर कर रहे हैं क्योंकि गहलोत ने उन्हें धोखा दिया है।

उन्होंने दावा किया, 'मुझसे वादा किया गया था कि मेरा ख्याल रखा जाएगा और मेरे मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाया जाएगा। लेकिन अब हर कोई चुप हो गया है, और मुझे अधर में छोड़ दिया गया है।'

शर्मा ने यह भी कहा कि गहलोत और उनकी टीम शेखावत के खिलाफ उनके आवास पर साजिश रचती रही। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने संजीवनी मामले से जुड़े लोगों को बुलाया और उनके वीडियो शूट किए और उन्हें जानबूझकर वायरल कर दिया।

शर्मा ने गहलोत पर उनके कार्यालय पर एसओजी की छापेमारी कराने का भी आरोप लगाया।

शर्मा ने दावा किया, 'उन्हें डर था कि कहीं मैंने फोन नष्ट न किया हो। इसलिए मेरे पूरे ऑफिस की तलाशी ली गई। यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था क्योंकि जिस व्यक्ति के प्रति मैंने खुद को समर्पित किया उसी ने मेरे ऑफिस की तलाशी ली। हालांकि, जब टीम को फोन नहीं मिला तो वे संतुष्ट होकर चले गए।'

उन्होंने आरईईटी पेपर लीक मामले में गहलोत का हाथ होने का भी आरोप लगाया।

शर्मा ने दावा किया, 'शुरूआत में, पूर्व सीएम यह मानने को तैयार नहीं थे कि आरईईटी पेपर लीक हो गया था। हालांकि, भारी दबाव में इसकी लेवल-2 परीक्षा रद्द कर दी गई। जब माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डीपी जारोली का नाम आरोपी के रूप में सामने आया, तो गहलोत और उनकी टीम भ्रमित हो गई कि उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'वह हमारा आदमी है'।'

शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि गहलोत ने कांग्रेस आलाकमान को भी नहीं बख्शा।

उन्होंने आरोप लगाया, 'जब मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन जैसे दिग्गज नेताओं को 25 सितंबर 2022 को एक उच्च स्तरीय बैठक के लिए दिल्ली भेजा गया था, तो मुझे गहलोत द्वारा मीडिया के साथ साझा करने के लिए कहा गया था कि जो विधायक शांति धारीवाल के घर पर एकत्र हुए थे, वे नहीं चाहते हैं कि पायलट को सीएम चुना जाए। मुझसे यह खबर फैलाने के लिए कहा गया कि विधायक कह रहे हैं कि वे किसी को भी सीएम बना सकते हैं, लेकिन पायलट को नहीं। इस तरह यह फिर से गहलोत द्वारा मनगढ़ंत बात कही गई।'

रायबरेली में गांधी बनाम गांधी!

प्रियंका के खिलाफ वरुण को उतारने की तैयारी में भाजपा- जारी है अटकलों का दौर

■ बीएनटी न्यूज

बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट पर अपनी चचेरी बहन प्रियंका गांधी के खिलाफ संभावित चुनाव लड़ने का विकल्प चुना है। इस बात की खूब चर्चा भी थी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा वरुण गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने की इच्छुक थी, जो 2004 से कांग्रेस का गढ़ रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने सुझाव दिया कि इस बात की प्रबल संभावना है कि प्रियंका गांधी इस सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। इस साल फरवरी में राज्यसभा के लिए चुने जाने से पहले उनकी मां और पूर्व कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी 2004 से रायबरेली सीट पर काबिज थीं।

सोनिया गांधी द्वारा 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद कांग्रेस द्वारा प्रियंका गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने की अटकलें तेज हो गईं। सूत्रों ने कहा कि ऐसी अटकलों के बीच, भाजपा ने अपने चचेरी बहन के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए वरुण गांधी से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने रायबरेली चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। भाजपा नेता के करीबी सूत्रों ने कहा कि वरुण गांधी उस तरह की सुर्खियों से दूर रहना चाहते हैं जो 'गांधी बनाम गांधी' मुकाबले को आकर्षित करेगी।

वरुण गांधी पीलीभीत से मौजूदा सांसद हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए, भाजपा ने उन्हें पीलीभीत चुनाव से हटाने का फैसला किया और इस सीट पर पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा। इसके बाद, वरुण गांधी ने पीलीभीत के लोगों को एक खुला पत्र लिखा और कहा कि वह इस भूमि के पुत्र बने रहेंगे। उनकी मां मेनका गांधी, जो लंबे समय तक सांसद रहीं, को भाजपा ने उत्तर प्रदेश की सुल्तानपुर सीट से फिर से मैदान में उतारा।

कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी : मोदी

■ बीएनटी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगरा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन का नया प्लान सामने आया है। याद रखना कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तय किया है कि 27 प्रतिशत जो ओबीसी का आरक्षण है, उसमें से कुछ चोरी कर लिया जाए और धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। कांग्रेस का इरादा कर्नाटक जैसा हाल यूपी में भी करने का है। देश में जहां-जहां मौका मिला, वह पिछले दरवाजे से चोरी-छिपे यही कर रही है। यहां कांग्रेस को सपा का पूरा साथ मिल रहा है। आप याद कीजिए 2012 में यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ऐसी ही कोशिश की थी। इन्होंने ओबीसी के आरक्षण का एक हिस्सा धर्म के आधार पर देने का फैसला किया था।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के संविधान में यह लिखा है कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से खेल खेलना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस ने ठान लिया है कि धर्म के आधार पर रिजर्वेशन लाकर रहेगी। इसलिए, उसने तरीका निकाला है। 27 प्रतिशत ओबीसी का कोटा है, क्योंकि मैं भी उसी समाज से आता हूं। मुझे इसकी पूरी जानकारी है। कांग्रेस ने तय किया है कि उसमें से कुछ चोरी कर लिया जाए। चुपचाप छिन लिया जाए। धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया जाए। क्या आपको यह मंजूर है?

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने युवाओं की क्षमताओं को बर्बाद किया है। हमारे पड़ोस राजस्थान में, वहां कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। वो कह रहे हैं कि राजस्थान में जो पेपर लीक हुआ, उसमें कांग्रेस की गहलोत सरकार खुद शामिल थी। इससे बड़ा धोखा क्या हो सकता है। राजस्थान में कांग्रेस का पेपर लीक हो गया है। ये ही कांग्रेस की सच्चाई है।

उन्होंने आगे कहा कि तुष्टीकरण को समाप्त करके संतुष्टीकरण की तरफ देश बढ़ रहा है। हमने तुष्टीकरण की राजनीति बहुत देखी है। मोदी तुष्टीकरण की नहीं, संतुष्टीकरण की राजनीति करता है। कांग्रेस के इस बार के मेनिफेस्टो पर शत-प्रतिशत मुस्लिम लीग का ठप्पा लगा है। कांग्रेस का मेनिफेस्टो वोट बैंक और हमारा मेनिफेस्टो देश को मजबूत कर रहा है। मोदी की गारंटी सबका साथ, सबका विकास की है। लेकिन, सपा-कांग्रेस के इंडी-गठबंधन के लिए अपना वोटबैंक ही खास है। पिछले 10 वर्षों में चार करोड़ पक्के घर बनाए हैं। इनमें से तीन करोड़ घर माताओं-बहनों को मिले हैं। बहनों के जनधन खाते खुलवाए, जिससे योजना का सीधा पैसा उनके खाते में जाए। अब वादा है कि तीन करोड़ दीदी को लखपति बनाया जाएगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, यूपी के पूर्व राज्यपाल राम नाइक, अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को पद्म पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू समेत विभिन्न हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। समारोह में तीन लोगों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 56 अन्य को पद्म श्री दिया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति को पद्म विभूषण से नवाजा गया। उनके अलावा तमिलनाडु की भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम और सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक (मरणोपरांत) को भी पद्म विभूषण दिया गया। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती, परोपकारी और उद्योगपति सीताराम जिंदल, डॉ. यंग-वे लियू, गायिका उषा उत्थुप, प्रो. (डॉ.) तेजस मधुसूदन पटेल, अभिनेता राजदत्त, डॉ. चंद्रेश्वर प्रसाद ठाकुर और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक को पद्म भूषण दिया गया। इनके अलावा 56 हस्तियों को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है, जिसकी घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है जबकि पुरस्कार बाद में प्रदान किये जाते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमसीसी उल्लंघन पर डीके शिवकुमार को अंतरिम राहत दी

■ बीएनटी न्यूज

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रहे उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अंतरिम राहत दी है।

न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित अधिकारियों को अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई करने से परहेज करने का निर्देश दिया। मामला 19 अप्रैल को भारतीय चुनाव आयोग में भाजपा की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने मतदाताओं को ब्लैकमेल

करने का प्रयास किया था। भाजपा ने दावा किया कि राजराजेश्वरी नगर में एक चुनावी भाषण के दौरान, अपने भाई और लोकसभा उम्मीदवार डीके सुरेश के लिए प्रचार करते हुए, शिवकुमार ने मतदाताओं से कांग्रेस को वोट देने के बदले में कावेरी जल आपूर्ति और अधिभोग प्रमाणपत्र देने का वादा किया था।

आपत्ति व्यक्त करते हुए, न्यायालय ने सवाल किया कि क्या शिवकुमार के नाम पर की गई टिप्पणी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 171बी (रिश्वतखोरी) और 171सी (चुनावों पर अनुचित प्रभाव) के तहत अपराध होगी। न्यायाधीश ने मामले पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया और जानना चाहा कि क्या शिवकुमार के बयान आरोपित धाराओं के मापदंडों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। हालाँकि, कोर्ट ने शिवकुमार के वकील से कहा कि वह अपने मुवक्किल को अपने भाषणों में अधिक सतर्क रहने की सलाह दें।

इसके अतिरिक्त, इसने शिवकुमार को भेजे गए नोटिस का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग द्वारा दिए गए समय के बारे में भी चिंता जताई। शिवकुमार को अंतरिम राहत देते हुए, न्यायालय ने चुनावी भाषणों के गिरते मानकों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि गुणवत्ता, सामग्री और प्रस्तुति 'बेहद कम' हो गई है। न्यायमूर्ति दीक्षित ने टिप्पणी की कि यह अनिश्चित है कि क्या ऐसे मानक और खराब हो सकते हैं। अदालत ने शिवकुमार के वकील का आश्वासन दर्ज किया कि कांग्रेस नेता को अपनी टिप्पणियों पर सावधानी बरतने की सलाह दी गई थी।

संजय सिंह ने सूरत सीट पर जीत को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने हाल ही में गुजरात के सूरत लोकसभा क्षेत्र में निर्विरोध जीत पर भाजपा पर हमला बोला। आप नेता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह जीत 'ऑपरेशन लोटस रणनीति का स्पष्ट प्रदर्शन' है जिसे भाजपा पिछले एक दशक से अपना रही है।'

उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ शुरूआती चरण है, जो भाजपा के राजनीतिक पैंतरेबाजी के बारे में उनकी आशंका को दशार्ता है।

संजय सिंह की टिप्पणी कई विपक्षी उम्मीदवारों के नामांकन वापस लेने और एक उम्मीदवार को अयोग्य ठहराने के बाद सूरत सीट पर भाजपा के विजयी होने के बाद आई है।

कर्नाटक: भाजपा ने बागी नेता ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया

कर्नाटक में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा के बागी नेता के.एस. ईश्वरप्पा को पार्टी से छह साल के लिए निलंबित कर दिया गया। हाई-प्रोफाइल शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन वापस नहीं लेने के ईश्वरप्पा के फैसले के बाद भाजपा की अनुशासन समिति द्वारा इस संबंध में एक आदेश जारी किया गया। इस सीट से भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा के बेटे बी. वाई. राघवेंद्र को टिकट दिया है। निलंबन पर प्रतिक्रिया देते हुए ईश्वरप्पा ने कहा, 'मैं चुनाव जीतूंगा और भाजपा में लौटूंगा। पिता-पुत्र की जोड़ी शुरू से ही झूठ फैला रही है। येदियुरप्पा ने दावा किया था कि मैं शिवमोग्गा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होऊंगा, जो मैंने नहीं किया। बाद में उन्होंने दावा किया कि मैं नामांकन दाखिल नहीं करूंगा, लेकिन मैं आगे बढ़ गया। मुझे कांग्रेस और जद-एस का समर्थन प्राप्त है।' दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री एस. बंगारप्पा की बेटी गीता शिवराजकुमार इस बार कांग्रेस के टिकट पर शिवमोग्गा से चुनाव लड़ रही हैं। वह राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा की बहन हैं, जबकि उनके पति कन्नड़ सुपरस्टार शिवराजकुमार हैं।

कांग्रेस सनातन विरोधी भी, संतान विरोधी भी : सम्राट चौधरी

■ बीएनटी न्यूज

बिहार भाजपा अध्यक्ष और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कांग्रेस पर सियासी हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सनातन विरोधी तो है ही, संतान विरोधी भी है।

उन्होंने कहा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस का छिपा हुआ एजेंडा बाहर आ गया है। देश की जनता कांग्रेस के मंसूबे को अब अच्छी तरह से पहचान गई है।

चौधरी ने कहा कि देश की विरासत पर कांग्रेस की कुदृष्टि है। पित्रोदा का बयान और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादे भविष्य में हार्ड करेंसी के बेस को ध्वस्त कर भारतीय अर्थव्यवस्था को चौपट करने का बड़ा राजनीतिक षडयंत्र है। कांग्रेस की साजिश देश के वेल्थ क्रियेटर का मनोबल तोड़ना, देशवासियों के संचित धन, सम्पत्ति को हथिया कर घुसपैठियों के बीच बांटना और तुष्टीकरण के जरिए वोट बैंक को साधना है।

बिहार के उप मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सैम पित्रोदा का बयान विदेशी शक्तियों से प्रेरित है। पित्रोदा ने अमेरिका के इनहेरिटेंस (उत्तराधिकार) टैक्स की चर्चा कर कांग्रेस के खतरनाक इरादे का संकेत दिया है। यानी अब कांग्रेस किसी को उसके माता-पिता से मिलने वाली सम्पत्ति पर भी टैक्स लगाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी के मेंटर सैम पित्रोदा ने दरअसल कांग्रेस के इस हिडेन एजेंडा को ही उजागर किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक कहा है कि 'कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी' जारी रहेगी। सैम पित्रोदा का बयान कांग्रेस की विदेशी मानसिकता और सनातन विरोध को दशार्ता है। कांग्रेस के इस तरह के खतरनाक इरादे से देशवासियों को सतर्क रहने की जरूरत है।

सैम पित्रोदा से कांग्रेस ने किया किनारा, कहा उनके विचार कांग्रेस के विचार नहीं

■ बीएनटी न्यूज

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स पर बयान दिया है। चुनावी मौसम में इस मुद्दे पर पहले ही विवाद हो रहा है। सैम के ताजा बयान पर चौतरफा हमला शुरू हो गया है। कांग्रेस ने सैम पित्रोदा से किनारा कर लिया है।

पार्टी का कहना है कि ऐसा नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दशार्ते हैं। कई बार उनके विचार कांग्रेस पार्टी के विचार नहीं होते हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले दिनों कहा था कि अगर उनकी सरकार आई तो वित्तीय और संस्थानिक सर्वे कराएंगे। हम ये पता लगाएंगे कि देश की दौलत किसके पास है। इसके बाद हम ऐतिहासिक कदम उठाएंगे। हम क्रांतिकारी कदम उठाते हुए ये सुनिश्चित करेंगे कि आपका अधिकार आपको मिले।

उनके इस बयान पर सैम पित्रोदा ने अमेरिका के विरासत टैक्स का जिक्र किया। पित्रोदा के मुताबिक अमेरिका में 55 फीसदी विरासत टैक्स लगता है। सरकार 55 फीसदी हिस्सा ले लेती है। उन्होंने कहा कि संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। अगर किसी व्यक्ति के पास 10 करोड़ डॉलर की

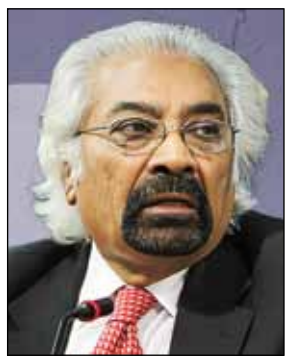

संपत्ति है तो उसके मरने के बाद 45 फीसदी संपत्ति उसके बच्चों को और 55 फीसदी पर सरकार का अधिकार होता है।

उन्होंने कहा कि भारत में ऐसा कानून नहीं है। ऐसे मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम ऐसी नीतियों की बात कर रहे हैं, जो लोगों के हित में हो न कि सिर्फ अमीरों के हित में। हालांकि इसके साथ ही सैम पित्रोदा ने कहा है कि राहुल या कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में अमीरों की संपत्ति बांटने की कोई भी बात नहीं कही है। यह कहा गया है कि कांग्रेस ऐसी पॉलिसी बनाएगी, जिससे संपत्ति का समान वितरण होगा।

सैम पित्रोदा के इस बयान से कांग्रेस ने अपने आप को अलग कर लिया है।

इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार को नहीं दशार्ते हैं। कई बार उनके जो विचार होते हैं वह कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं होते हैं।

रमेश ने कहा कि उनकी टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाना और उन्हें संदर्भ से बाहर करना भाजपा के दुर्भावनापूर्ण और शरारती चुनाव अभियान से ध्यान हटाने का जानबूझकर किया गया हताश प्रयास है। यह प्रयास केवल झूठ और अधिक झूठ पर आधारित है।

जयराम रमेश ने कहा कि सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर में कई लोगों के गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में असंख्य, स्थायी योगदान दिया है। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पित्रोदा उन मुद्दों पर खुलकर अपनी राय व्यक्त करते हैं जिनके बारे में वे दृढ़ता से महसूस करते हैं। निश्चित रूप से, लोकतंत्र में एक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत विचारों पर चर्चा करने, व्यक्त करने और बहस करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस का कहना है कि सैम पित्रोदा का हर विचार कांग्रेस का आधिकारिक विचार नहीं है।

पूर्णिया में कांटे की टक्कर, पप्पू यादव के तेवर ने गठबंधनों का समीकरण बिगाड़ा

■ बीएनटी न्यूज

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को बिहार के सीमांचल इलाके की सीट पूर्णिया के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपना जनप्रतिनिधि चुनेंगे। बिहार की अधिकांश सीटों पर महागठबंधन और एनडीए के बीच सीधा मुकाबला है, लेकिन पूर्णिया की स्थिति अलग है।

पूर्णिया में पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बतौर निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरकर दोनों गठबंधनों के समीकरण को बिगाड़ दिया है। यादव का दावा है कि उन्हें कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है।

गौर करने वाली बात है कि यहां के लोग भी एनडीए और महागठबंधन की जीत-हार के बदले यह जानने को उत्सुक हैं कि पप्पू यादव जीतेंगे या हारेंगे।

महागठबंधन ने यहां से राजद की नेता बीमा भारती को चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि एनडीए की ओर से निवर्तमान सांसद जदयू के नेता संतोष कुशवाहा चुनावी रण में ताल ठोक रहे हैं। पिछले चुनाव में संतोष कुशवाहा ने कांग्रेस के उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह को बड़े अंतर से हराया था। इस चुनाव के कुछ ही दिन पहले पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी के कांग्रेस में विलय कर यह साफ संकेत दे दिया था कि वे कांग्रेस के टिकट पर पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि बाद में यह सीट महागठबंधन में राजद के कोटे में चली गयी।

इसके बाद पप्पू यादव बतौर निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर गए। पप्पू दावा कहते हैं कि उन्हें न केवल कांग्रेस का बल्कि भाजपा और राजद के लोगों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि वे पूर्णिया के बेटे के तौर पर चुनावी मैदान में हैं। पप्पू यादव पूर्णिया में आम नागरिक की तरह चुनाव प्रचार में लगे हैं। कभी वे सड़कों पर मोटर साइकिल दौड़ाते नजर आ रहे हैं तो कभी किसी के घर भात खाते।

वैसे, राजद के नेता तेजस्वी यादव किसी हाल में एमवाई समीकरण में सेंधमारी को लेकर चौकन्ने हैं। दो दिनों से तेजस्वी पूर्णिया में जमकर प्रचार कर रहे हैं। नेपाल और बंगाल से सटे पूर्णिया में पप्पू यादव न केवल राजद के वोट बैंक में सेंधमारी को लेकर जुगत में हैं, बल्कि जदयू इस वोट बैंक की लड़ाई और मोदी की लहर को लेकर उत्साहित है। राजद किसी हाल में निर्दलीय पप्पू यादव को जीतना नहीं देखना चाहती। यही कारण है कि एक चुनावी सभा में तेजस्वी यादव ने लोगों को यह संकेत भी दे दिए। उन्होंने कहा कि आप इंडिया गठबंधन को चुनिए। अगर आप इंडिया गठबंधन की बीमा भारती को नहीं चुनते हैं, तो आप एनडीए उम्मीदवार को चुनिए।

तेजस्वी ने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि किसी के धोखे में नहीं रहना है। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति का चुनाव नहीं है। या तो इंडिया या एनडीए।

कहा तो यह भी जा रहा है कि राजद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की चुनावी सभा कराने को लेकर कांग्रेस पर दबाव बनाया था, लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं हुई।

बहरहाल, पूर्णिया में पप्पू यादव के मुकाबले में उतरने से मुकाबला त्रिकोणात्मक हो गया है। अब देखने वाली बात होगी कि पूर्णिया में मोदी की लहर चलती है महागठबंधन बाजी मारेगा या पप्पू की भावनात्मक अपील लोगों को पसंद आएगी। इसका पता तो चार जून को परिणाम के बाद ही चलेगा। वैसे, कहा यह भी जाता है कि चर्चा में बने रहना और चुनावी अखाड़े में परचम लहराने में काफी अंतर है।

15 अगस्त से पहले हर हाल में किसानों का कर्ज माफ करूंगा: रेवंत रेड्डी

■ बीएनटी न्यूज

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस नेता हरीश राव की चुनौती स्वीकार कर ली है। उन्होंने मेडक जिले में कांग्रेस प्रत्याशी नीलम मधु के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए स्पष्ट कर दिया कि वो हरीश राव की उस चुनौती को स्वीकार करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर मुख्यमंत्री आगामी 15 अगस्त से पहले किसानों के कर्ज माफ नहीं कर सके, तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना होगा। क्या मुख्यमंत्री मेरी इस चुनौती को स्वीकार करते हैं?

इस पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि मैं हरीश राव और केसीआर की इस चुनौती को स्वीकार करता हूं और अपने किसान भाइयों को यह विश्वास दिलाता हूं कि उनका कर्ज आगामी 15 अगस्त से पहले माफ कर दिया जाएगा।

बता दें, कथित तौर पर हरीश राव ने कहा था कि अगर मुख्यमंत्री स्वतंत्रता दिवस से पहले अगर किसानों का कर्जा माफ नहीं कर पाए, तो क्या वो अपने पद से इस्तीफा दे देंगे?

रेवंत रेड्डी ने अब हरीश राव की इस चुनौती को स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने केसीआर को भी एक चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि अगर मैं किसानों का कर्ज माफ कर देता हूं, तो क्या केसीआर अपनी पार्टी को भंग कर देंगे? कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस आगामी 10 वर्षों तक सत्ता में रहेगी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है, मंगलसूत्र वाले बयान पर डिंपल यादव का बीजेपी पर निशाना

■ बीएनटी न्यूज

मैनपुरी लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव ने एक बार फिर बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री का मंगलसूत्र पर बयान दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा, 'गत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस देश ने कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं की है। बीजेपी के वादे झूठे साबित हुए हैं। इन लोगों के नेतृत्व में देश दुखी है। अब यह बदलाव का समय है।'

डिंपल ने पीएम मोदी द्वारा बांसवाड़ा में मंगलसूत्र पर दिए गए बयान पर कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब चुनावी सभाओं में मंगलसूत्र पर इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। इससे और दुख की बात यह है कि यह सब कुछ वोटों के लिए किया जा रहा है।

इसके अलावा डिंपल ने पुलवामा हमले का जिक्र कर भी बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक खुद इस बात का जिक्र कर चुके हैं। उन्होंने उस वक्त केंद्र सरकार से मांग की थी कि जवानों के लिए एयरक्राफ्ट की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया और वो दुर्भाग्यपूर्ण हादसे का शिकार हो गए।

हमारी प्राथमिकताएं प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मू

■ बीएनटी न्यूज

उत्तराखंड दौरे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में प्रशिक्षणरत व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा के परिवीक्षार्थियों के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि इस बैच में 10 महिला अधिकारी हैं। महिलाएं समाज के प्रगतिशील बदलाव की प्रतीक हैं। राष्ट्रीय वन अकादमी की पर्यावरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय वन सेवा के अधिकारियों पर जंगलों के संरक्षण, संवर्धन एवं पोषण की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। पृथ्वी की जैव-विविधता एवं प्राकृतिक सुंदरता का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे हमें अति शीघ्र करना है। वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के जरिए मानव जीवन को संकट से बचाया जा सकता है। भारतीय वन सेवा के पी. श्रीनिवास, संजय

कुमार सिंह, एस. मणिकंदन जैसे अधिकारियों ने ड्यूटी के दौरान कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राण न्योछावर किए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि विकास रथ के दो पहिये होते हैं - परंपरा और आधुनिकता। आज मानव समाज पर्यावरण संबंधी कई समस्याओं का दंश झेल रहा है। इसके प्रमुख कारणों में विशेष प्रकार की आधुनिकता है, जिसके मूल में प्रकृति का शोषण है। इस प्रक्रिया में पारंपरिक ज्ञान को उपेक्षित किया जाता है। जनजातीय समाज ने प्रकृति के शाश्वत नियमों को अपने जीवन का आधार बनाया है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) ने कहा कि यह समारोह हमारे राष्ट्रीय वन धरोहर के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में नए योग्य नेतृत्व का उत्थान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय वन्य जीवन और वन्यजीव अध्ययन में उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्था के रूप में, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी ने अपने क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड हिमालय की गोद में बसा हुआ है, जो इसे प्राकृतिक सौंदर्य की एक अतुलनीय धरोहर प्रदान करता है। उत्तराखंड अपनी समृद्ध और विविध वन संपदा के लिए जाना जाता है। हमारे राज्य की प्रमुख संपत्ति इसके वन हैं, जो बहुत समृद्ध जैव विविधता का घर हैं।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को करेंगे खत्म : अखिलेश यादव

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश के मेरठ से समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशी सुनीता वर्मा के समर्थन में हापुड़ के हाजीपुर गांव में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो सबसे पहले अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे। इंडिया गठबंधन युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए काम करेगा। नौजवानों को प्राथमिकता से रोजगार भी दिया जाएगा। यह क्रांतिकारियों की भूमि है और यहां के लोगों का देश की आजादी में बड़ा योगदान रहा है। क्या वे भाजपा से आजादी दिलाने में भी मदद करेंगे?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि नई गारंटी, नया धोखा है, सभी को इनसे सावधान रहना चाहिए। यह गारंटी नहीं बल्कि घंटी है। हम डॉ. अंबेडकर के संविधान की बड़ी गारंटी में विश्वास करते हैं। हम वह गारंटी चाहते हैं जो रोजगार, आरक्षण और मान-सम्मान दे, भाजपा की गारंटी नहीं चाहिए। भाजपा सरकार ने तीन काले कानून लागू किए थे, उस समय यहां के किसानों ने दिल्ली में जाकर धरना दिया था। किसान घबराया नहीं और लड़ता रहा। किसानों के आंदोलन से घबराकर सरकार को तीनों काले कानून वापस लेने पड़े। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दिया जाएगा। किसानों के खुशहाल होने पर गरीबी अपने आप मिटनी शुरू हो जाएगी। जब वे सभी मुद्दों पर विफल हो गए, जब लोगों को उनके जुमलों की वास्तविकता समझ में आई, तो वे एक नई तरह की गारंटी लेकर आए। यह गारंटी उनके जुमलों से अधिक लंबी है।

लोकसभा की 88 सीटों पर चुनाव संपन्न

■ बीएनटी न्यूज

आम चुनाव 2024 के दूसरे चरण का मतदान हो गया। यह चुनाव 13 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 88 संसदीय सीटों पर हुआ। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो गया।

कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, उत्तर प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 8, मध्य प्रदेश की 6, असम की 5, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 3, पश्चिम बंगाल की 3 और त्रिपुरा, मणिपुर एवं जम्मू कश्मीर की 1-1 सीट पर मतदान संपन्न हुआ।

इस चरण में केरल के वायनाड से राहुल गांधी, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के शशि थरूर मैदान में थे। शशि थरूर का मुकाबला केंद्रीय मंत्री और भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर से है। मथुरा से हेमा मालिनी, राजनांदगांव से भूपेश बघेल, बेंगलुरु ग्रामीण से डीके सुरेश और बेंगलुरु दक्षिण से तेजस्वी सूर्या चुनाव मैदान में हैं।

राजस्थान के कोटा सीट से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बीजेपी के उम्मीदवार हैं। बिहार के पूर्णिया से पप्पू यादव ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। मेरठ से भाजपा के उम्मीदवार अरुण गोविल चुनाव लड़ रहे थे। मतदान सुबह 7 बजे शुरू प्रारंभ हुआ और शाम 6 बजे तक जारी रहा।

बिहार में बांका, मधेपुरा, खगड़िया और मुंगेर निर्वाचन क्षेत्रों के कई मतदान केंद्रों पर गर्म मौसम की स्थिति को देखते हुए मतदान का समय शाम 6 बजे तक बढ़ाया गया।

चुनाव आयोग के मुताबिक इस चुनाव में 34.8 लाख पहली बार मतदाता अपना वोट डालने के लिए पंजीकृत थे। इसके अतिरिक्त, 20-29 वर्ष आयु वर्ग के 3.28 करोड़ युवा मतदाता थे। वहीं 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के 14.78 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता थे।

100 वर्ष से अधिक के 42,226 मतदाता और 14.7 लाख दिव्यांग मतदाता थे। 88 संसदीय क्षेत्रों में 15.88 करोड़ से अधिक मतदाता थे।

चुनाव आयोग के मुताबिक सभी मतदान केंद्रों पर माइक्रो-ऑब्जर्वर की तैनाती के साथ-साथ 50 फीसदी से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की गई। कुल मिलाकर 1 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की गई।

साल 2019 में इन 88 में से भाजपा को 52 सीटें मिली थीं। 2024 लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले दो निर्दलीय सांसद भाजपा में शामिल हो गए इसके बाद उसकी संख्या 54 हो गई। कांग्रेस को 18 और शिवसेना और जदयू को चार-चार व 10 सीटें अन्य के खाते में गई थी।

पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, 67 अखबारों में दिया माफीनामा

■ बीएनटी न्यूज

पतंजलि आयुर्वेद ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए अखबारों में सार्वजनिक माफीनामा प्रकाशित किया है।

पतंजलि का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि कंपनी ने 67 दैनिक समाचार पत्रों में माफीनामा प्रकाशित किया है।

इस पर, पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह भी शामिल थे, ने पतंजलि के वकील से सवाल किया कि क्या मुद्रित माफीनामे विज्ञापनों के समान आकार के हैं।

रोहतगी ने बताया कि इतने बड़े आकार में प्रकाशन पर लाखों का खर्च आएगा।

शीर्ष अदालत ने पतंजलि को सुनवाई की अगली तारीख 30 अप्रैल तक मुद्रित माफीनामा रिकॉर्ड पर रखने के लिए कहते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामलों और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, तथा सभी राज्यों के ड्रग लाइसेंसिंग प्राधिकरण को मामले में पक्षकारों के रूप में जोड़ने का निर्देश दिया।

पहले की सुनवाई में, बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मौखिक रूप से 'बिना शर्त माफी' मांगी थी।

बाबा रामदेव ने हाथ जोड़कर कहा था कि उन्हें इस तरह के सार्वजनिक बयान नहीं देने चाहिए थे और भविष्य में अधिक सावधान रहेंगे। उन्होंने कहा था, 'ऐसा हमसे उत्साह में हो गया, आगे हम नहीं करेंगे।'

इसी तर्ज पर, आचार्य बालकृष्ण ने कहा था, 'यह गलती अज्ञानता में हुई है। आगे से बहुत ध्यान रखेंगे। उस गलती पर हम क्षमा प्रार्थना करते हैं।'

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के उल्लंघन के लिए पतंजलि के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है - जो मधुमेह, हृदय रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप और मोटापा सहित विशिष्ट बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए कुछ उत्पादों के विज्ञापन पर रोक लगाता है।

आयुर्वेदिक कंपनी ने पहले शीर्ष अदालत के समक्ष एक वचन दिया था कि वह मीडिया में किसी भी रूप में अपने उत्पादों के औषधीय प्रभाव का दावा करने वाला कोई आकस्मिक बयान नहीं देगी या कानून का उल्लंघन करते हुए उनका विज्ञापन या ब्रांडिंग नहीं करेगी और चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई बयान जारी नहीं करेगी।

मोदी जनता का ध्यान भटकाते हैं: राहुल गांधी

■ बीएनटी न्यूज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि नरेंद्र मोदी इन दिनों अपने भाषणों के दौरान "बहुत घबराए हुए" दिखाई देते हैं और मंच पर रो भी सकते हैं। कर्नाटक के बीजापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, "नरेंद्र मोदी इन दिनों अपने भाषणों के दौरान काफी घबराए हुए रहते हैं। हो सकता है कि कुछ दिनों में वह मंच पर आंसू बहाएं।" कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी पर गरीबी, बेरोजगारी और मूल्य वृद्धि जैसे मुख्य मुद्दों की अनदेखी करते हुए विभिन्न माध्यमों से "जनता का ध्यान भटकाने" का भी आरोप लगाया।

राहुल ने कहा कि मोदी आपका ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। कभी वह चीन और पाकिस्तान के बारे में बात करते हैं, तो कभी वह आपसे थाली पिटवाएंगे और आपसे अपने मोबाइल फोन की टॉर्च लाइट जलाने को कहेंगे। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस के कई नेता लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद पीएम मोदी द्वारा अपनी '400 पार' सीटों की पिच पर ध्यान केंद्रित करने का दावा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन सरकार प्रत्येक स्नातक को प्रशिक्षुता कार्यक्रम का अधिकार प्रदान करने वाली पहली सरकार होगी... स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को सरकार से 1 वर्ष के लिए रोजगार मांगने का अधिकार होगा। हम ग्रेजुएट्स को अप्रेंटिसशिप गारंटी दे रहे हैं... पीएम नरेंद्र मोदी ने कभी किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। हम किसानों का कर्ज माफ करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, हमारे 'बब्बर शेरों'..आप कांग्रेस की विचारधारा और गरीबों के लिए लड़ते हैं, आपको दिल से धन्यवाद और ढेर सारा प्यार। राहुल ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में जो गारंटियां दी थीं, उन्हें पूरा कर दिखाया है, जिससे यहां के लोगों को बहुत फायदा मिल रहा है। नरेंद्र मोदी कुछ लोगों को अरबपति बनाते हैं, कांग्रेस सरकार करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी जी ने पिछले 10 साल में सिर्फ गरीबों से पैसा छीना है। उन्होंने देश के 22 लोगों को उतना धन दे दिया, जितना देश के 70 करोड़ लोगों के पास है। हिंदुस्तान में 1% ऐसे लोग हैं, जो 40% धन कंट्रोल करते हैं। इसलिए कांग्रेस पार्टी बेरोजगारी और महंगाई मिटाकर आपको भागीदारी देगी। जितना पैसा नरेंद्र मोदी जी ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम हिंदुस्तान के गरीबों को देंगे।

दिल्ली में कांग्रेस को झटका, शीला सरकार में मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने दिया इस्तीफा

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली में लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है।

राजकुमार चौहान उत्तर पश्चिमी दिल्ली से टिकट के दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। यहां से उदित राज को टिकट दिया गया है। वहीं, बताया जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने बैठक में उनके साथ अभद्रता की थी, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया है।

राजकुमार चौहान ने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा, 'मेरे पिता और दादा एवं पूरा परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है। आप के द्वारा एक मीटिंग पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर पर बुलाई गई थी। मीटिंग को दफ्तर से कैंसल कर दीपक बावरिया जनरल सेक्रेटरी इंचार्ज (दिल्ली) के ऑफिस में बुलाई गई। उस मीटिंग में 20-25 वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे। मैंने जैसे ही अपनी बात शुरू की तो जनरल सेक्रेटरी ने मीटिंग से बाहर जाने के लिए चार-पांच बार कहा। फिर भी तब मैंने अपनी बात कही। यह बात मैंने बंद कमरे में चल रही मीटिंग में कही थी। ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ नहीं है। यह हमारी पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र है जहां हम अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं।'

'मैं चार बार विधायक रहा हूं और तीन बार मंत्री रहा हूं। मैंने हमेशा पार्टी के अनुशासन में रह कर काम करता रहा हूं, हो सकता कि मेरी भावनाएं आहत होने की वजह से ऐसे शब्द निकल गए हों जिससे कि आपकी भावनाएं आहत हुई हो तो मैं खेद व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मकसद ये कभी नही हो सकता कि मेरी वजह से कांग्रेस को नुकसान हो। चुनाव का समय है। जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी दिन-रात पार्टी की मजबूती के लिए मेहनत कर रहे हैं, मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता कि पार्टी को किसी तरह का नुकसान हो। मैं दलित समाज से हूं। जिस समाज के लिए चाहे आजादी से पहले या बाद में हो, हमेशा कांग्रेस दलित समाज के लिए चट्टान की तरह खड़ी रही है। मैं उन सब बातों का आदर करते हुए जो निर्णय आप लेगें, मैं उसे सहस स्वीकार करूंगा।'

मेयर चुनाव कैंसिल होने पर बीजेपी पर जमकर बरसे संजय सिंह

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली में एमसीडी मेयर चुनाव कैंसिल होने पर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने बीजेपी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा है कि यह पार्टी और संघ के लोग दलित विरोधी हैं। ये लोग यह देखना नहीं चाहते कि कोई भी दलित किसी बड़ी कुर्सी पर बैठे।

उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा के एलजी ने एमसीडी मेयर इलेक्शन को कैंसिल कर दिया है। संजय सिंह ने कहा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने अधिकार दिया था कि 5 साल में एक बार मेयर की कुर्सी पर दलित का बेटा बैठेगा। वह अधिकार भी भाजपा ने खत्म कर दिया। दिल्ली में भी चुनाव खत्म कर दिया और कहा कि दलित का बेटा इस मेयर की कुर्सी पर नहीं बैठ सकता। बीजेपी ने अपना एक मोहर तैयार किया। भाजपा के एलजी ने कहा कि बगैर मुख्यमंत्री की सलाह के हम पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति नहीं कर सकते।

उन्होंने बताया कि 1 साल पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा था कि सबसे वरिष्ठ पार्षद को मेयर के चुनाव में पीठासीन अधिकारी बनाया जाए और मुकेश गोयल का नाम उन्होंने भेजा था। दिल्ली के एलजी ने वह पेपर फाड़ के फेंक दिया। एलजी ने भाजपा पार्षद सत्य शर्मा को पीठासीन अधिकारी बनाया था।

उन्होंने कहा कि मेरा आरोप बिल्कुल सिद्ध साबित होता है कि भारतीय जनता पार्टी दलित विरोधी है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान की विरोधी भारतीय जनता पार्टी ने अपने लोगों से झूठ बुलवाया है।

संजय सिंह ने एक पत्र दिखाते हुए कहा कि यह वह पत्र है जिसमें सत्य शर्मा को पीठासीन अधिकारी बनाया गया था बिना, मुख्यमंत्री की सलाह लिए। दलित विरोधी भाजपा ने चंडीगढ़ में भी यही काम किया। एक सफाई कर्मी का बेटा मेयर की कुर्सी पर बैठने जा रहा था, तो वोट में गड़बड़ी कर उसको मेयर बनने से रोका। इतनी घृणा और इतनी नफरत है उनके मन में कि ये मंदिरों में दलितों के प्रवेश को भी रोकते हैं। आज भी पूरे देश में दलित और पिछड़ों का आरक्षण मारा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एलजी ने पिछली बार भाजपा के 10 कार्यकर्ताओं को पार्षद नामित कर दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय में गया और सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नामित लोगों को वोट करने का अधिकार नहीं है। आज भी यह मामला कोर्ट में लंबित है, जिसकी वजह से स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव नहीं हो पा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा भीमराव अंबेडकर के लिखे संविधान को खत्म करना चाहती है। बीजेपी इस देश में दलित, शोषितों आदिवासियों, वंचितों के लिए संविधान में दिए गए आरक्षण को खत्म करना चाहती है।

एलजी ने रद्द किया चुनाव: आप

आम आदमी पार्टी (आप) ने दावा किया कि उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को 'रद्द' कर दिया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होने थे। हालांकि, मेयर चुनाव रद्द करने को लेकर आप द्वारा लगाए गए आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग की अनुमति के बावजूद बीजेपी ने चुनाव रद्द कर दिया है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि चुनाव आयोग से इजाजत होने के बावजूद बीजेपी ने यह चुनाव रद्द करवा दिया। एलजी कार्यालय ने यह कहते हुए चुनाव रद्द कर दिया कि वह मुख्यमंत्री की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे पहले भी उदाहरण हैं जब उन्होंने मुख्यमंत्री की सहायता और सलाह का पालन नहीं किया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि पीठासीन अधिकारी से संबंधित फाइल को जानबूझकर लोक निर्माण मंत्री सौरभ भारद्वाज के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया, जैसा कि किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, अगर यह फाइल पीडब्ल्यूडी मंत्री के पास जाती तो वह पीठासीन अधिकारी को सलाह देते। ऐसा न करके सरकार पर चुनी हुई सरकार को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगा।

राहुल-अखिलेश ने भाजपा पर बोला हमला भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई

■ बीएनटी न्यूज

गाजियाबाद में राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बेरोजगारी और नौजवानों का मुद्दा उठाया तो राहुल गांधी ने इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर भाजपा को घेरा।

अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में पश्चिम का माहौल बदलने जा रहा है। गाजियाबाद से गाजीपुर तक इंडिया गठबंधन सफाया करने का काम करेगा। आज किसान दुखी है। तमाम जो वादे किए थे, भाजपा की हर बात झूठी निकली। न आय दोगुनी हुई। न नौजवान को नौकरी मिली।

उन्होंने कहा, जो विकास के सपने दिखाए, वो भी अधूरे हैं। नैतिकता का बुलबुला भी फूट गया है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनका बैंड बजा दिया। भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है।

अखिलेश ने कहा, "होर्डिंग देखिए। डबल इंजन की बात करते थे, लेकिन वहां अकेले दिखाई देते हैं। इनके प्रत्याशी होर्डिंग से गायब हैं। चुनाव बाद जो होर्डिंग पर हैं, वो भी गायब हो जाएंगे। चुनाव बाद इनका सफाया होने जा रहा है। इनका एक ही नारा है झूठ बोलने का और लूटने

का। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है।"

उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने 60 लाख नौजवानों का भविष्य अंधेरे में डाला। भाजपा का 2 लाख 25 हजार वोट हर लोकसभा में कम हुआ है। इसलिए एक भी वोट बंट न पाए। जहां हमें मतदान करना है, वहीं हमें सावधान भी रहना है। तभी भाजपा का सफाया होगा। ये देश का चुनाव है। देश की जनता बदलाव चाहती है। बदलाव की हवा पश्चिम यूपी से चल रही है।

राहुल गांधी ने पहले देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने कहा कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ आरएसएस, भाजपा है जो संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर रहा है। चुनाव में दो-तीन बड़े मुद्दे हैं।

प्रमुख मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी हैं। कभी प्रधानमंत्री समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी सी प्लेन पर चले जाते हैं। मगर मुद्दों पर न प्रधानमंत्री और न भाजपा बात करती है।

कुछ दिन पहले पीएम मोदी ने समाचार एजेंसी को लंबा इंटरव्यू दिया। स्क्रिप्टेड था, फ्लॉप शो था।

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने उस इंटरव्यू में इलेक्टोरल बॉन्ड समझाने की कोशिश की। वे कहते हैं कि ये सिस्टम ट्रांसपेरेंसी के लिए लाया गया है। राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया है। अगर ये सच है तो उस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया?

अगर आप ट्रांसपेरेंसी लाना चाहते हैं तो जिन्होंने भाजपा को हजारों करोड़ दिए, उनका नाम आपने क्यों छुपाया। चंदा देने की तारीखें भी छिपाईं। पता चला है कि हजारों करोड़ का ठेका किसी कंपनी को मिलता है, उसके तुरंत बाद वो कंपनी भाजपा को चंदा देती है।

उन्होंने कहा, सीबीआई, ईडी की कार्रवाई शुरू होते ही कंपनी भाजपा को करोड़ों रुपये देती है। उसके बाद ये कार्रवाई बंद हो जाती है। इसको एक्सटॉर्शन कहते हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम देश की सबसे बड़ी एक्सटॉर्शन स्कीम है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा को 20 दिन पहले लग रहा था कि 180 तक सीटें तक जाएंगे। अब मुझे लगता है कि भाजपा की 150 तक सीटें ही आएंगी। मुझे हर राज्य से ऐसी ही रिपोर्ट आ रही है।

हर तरफ इंडिया गठबंधन की चर्चा: अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नफरत फैलाने वालों पर ऐसा ताला लगा देना, जिससे हमेशा-हमेशा के लिए नफरत बंद हो जाए। दरअसल, पीएम मोदी ने अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि पहले जब अलीगढ़ आया था, तब, मैंने कहा था कि सपा-कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर ताला लगा दीजिए। आपने ऐसा मजबूत ताला लगाया कि दोनों शहजादों को इसकी चाबी नहीं मिल रही है। अब, पीएम मोदी के इस बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार सामने आया है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा ताला बनाओ जो भाजपा के गलत मंसूबों पर हमेशा-हमेशा के लिए लगा दिया जाए। चुनाव के रुझान आने लगे हैं। इंडिया गठबंधन की चर्चा होने लगी है। उन्होंने आगे कहा कि दस साल कोई छोटा-मोटा समय नहीं होता है, बहुत लंबा समय होता है। दिल्ली में भी सरकार, यूपी में भी सरकार। जनता की तरफ से आवाज आ रही है सांसद जी हाजिर हों।

मुख्तार अंसारी की विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की आई विसरा जांच रिपोर्ट में जहर दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है। जेल में सजा काट रहे मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को बांदा जिले के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई थी। मुख्तार के भाई और सांसद अफजाल अंसारी ने आरोप लगाया था कि मुख्तार को जहर देकर मारा गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि अंसारी की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई। अंसारी के परिवार ने आरोप लगाया है कि जेल में 'धीमा जहर' दिए जाने के कारण उनकी मौत हुई। पोस्टमॉर्टम की निगरानी और रिपोर्ट तक पहुंच रखने वाले अस्पताल के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मुख्तार अंसारी की मौत का कारण दिल का दौरा था।' शव का पोस्टमॉर्टम पांच डॉक्टरों के पैनल ने किया था। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में जब पोस्टमॉर्टम हुआ, तो मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी भी मौजूद थे।

आरक्षण खत्म कर देंगे पीएम मोदी : ओवैसी

एआईएमआईएम सुप्रीमो ओवैसी ने हैदराबाद में कहा कि चुनाव जीतने के बाद केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों के आरक्षण छीन लेगी। एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरी बात याद रखियेगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान में संशोधन करेंगे, आरक्षण छीन लिया जाएगा। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन गतिरोध का जिक्र करते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा, मैं अमित शाह को चुनौती देता हूं कि चीन ने हमारे क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

कन्नौज से चुनावी मैदान में उतरे अखिलेश

■ बीएनटी न्यूज

दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। पत्रकारों से बातचीत में रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, "भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं।" गौरतलब है कि राजनीतिक अपडेट समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी,

नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं यहां से समाजवादी पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका क्योंकि इसकी शुरूआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्योहार है। जब चुनाव होते हैं तो दिलचस्प होने चाहिए। अखिलेश यादव ने जब तेज प्रताप को यहां भेजा तो उन्हें समझ आ गया। तेज प्रताप से मुकाबला होता तो भारत बनाम जापान का क्रिकेट मैच होता। अब मैच भारत बनाम पाकिस्तान (सुब्रत पाठक बनाम अखिलेश यादव) जैसा होगा।

भगवान श्रीराम 'सत्ता' के लिए नहीं- 'सत्य' के लिए लड़े : प्रियंका गांधी

■ बीएनटी न्यूज

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सहारनपुर में अपना पहला रोड शो किया। उन्होंने लगभग 25 मिनट में 1.5 किलोमीटर की यात्रा की। यह रोड शो कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार इमरान मसूद के समर्थन में आयोजित किया गया था।

प्रियंका गांधी ने सड़क के किनारे बड़ी संख्या में खड़े लोगों की ओर हाथ हिलाया और उनमें से कुछ से हाथ भी मिलाया। प्रियंका गांधी के साथ गाड़ी पर कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद, जिला पार्टी प्रभारी गणेश दत्त और अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

इस दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं हर जगह यही कह रही हूं कि ये चुनाव जनता का होना चाहिए, जनता के मुद्दों पर होना चाहिए। मोदी जी और बीजेपी के नेता बेरोजगारी, महंगाई, किसानों, महिलाओं की बात नहीं कर रहे हैं। जो

असली समस्याएं महिलाओं-किसानों की है, उनके बारे में बात ही नहीं हो रही है। बात इधर उधर की ध्यान भटकाने की हो रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जो सत्ता में बैठे हैं, वह माता शक्ति और सत्य के उपासक नहीं हैं, 'सत्ता' के उपासक हैं। वो सत्ता के लिए किसी भी हद तक गिर जाएंगे। सत्ता के लिए सरकारें गिरा देंगे, विधायकों को खरीदेंगे, अमीरों को देश की संपत्ति दे देंगे। यह हमारे देश की परंपरा नहीं है। भगवान श्रीराम 'सत्ता' के लिए नहीं, 'सत्य' के लिए लड़े। इसलिए हम उनकी पूजा करते हैं। रामनवमी का शुभ दिन है, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। वाल्मीकि रामायण में लिखा है कि जब भगवान राम युद्ध भूमि में उतरे तो देखा कि माता की शक्तियां रावण के पास थीं। जिसके बाद उन्होंने नौ दिनों तक माता की आराधना की और 108 नील कमल मां के चरणों में अर्पण किए।

उन्होंने कहा कि जिसके बाद माता ने उनकी परीक्षा लेने को सोची और 108वां कमल छिपा दिया। लेकिन, भगवान राम के पास श्रद्धा की शक्ति थी, उन्हें याद आया कि उनकी मां उन्हें बचपन में 'राजीव लोचन' कहती थीं। यह बात याद आते ही भगवान राम अपने नयन निकालने ही जा रहे थे, तभी माता ने उन्हें रोकते हुए कहा कि मैं तुम्हारी श्रद्धा से प्रसन्न हुई। मेरी शक्ति तुम्हारे साथ है। हम भगवान राम को इसलिए पूजते हैं, क्योंकि उन्होंने सच्ची श्रद्धा के साथ यह लड़ाई लड़ी और जनता को सर्वोपरि रखा। जनता पर अन्याय करने वाली भाजपा की विदाई तय है।

इंडिया अलायंस में बहुत सारे चेहरे, उद्धव ठाकरे उनमें से एक

■ बीएनटी न्यूज

उद्धव ठाकरे के प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस में सभी पार्टी के प्रमुख लोग शामिल हैं। वह पीएम का नाम तय करेंगे। उद्धव ठाकरे ऑप्शन क्यों नहीं हो सकते? वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं और अच्छा चेहरा है। इंडिया गठबंधन में में बहुत सारे चेहरे हैं, उसमें से उद्धव ठाकरे एक हैं।

संजय राउत ने आगे कहा

कि अगर हमें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलती है, तो हम उसका स्वागत करेंगे। इंडिया अलायंस में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। इसेक साथ और भी दल हैं, जो अपने-अपने राज्यों में चुनाव लड़ रहे हैं। उनके भी नेता हैं। ऐसे में नेतृत्व कौन करेगा, यह अब सवाल नहीं है, तानाशाही को हराना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा में तो एक ही चेहरा है। वही चेहरा 10 साल से चल रहा है और अब लोग उनको एक्सेप्ट नहीं करने जा रहे हैं। पीएम मोदी और उनकी पार्टी बुरी तरीके से चुनाव हारने जा रही है।

कांग्रेस नेता नाना पटोले के बयान पर संजय राउत ने कहा कि उनकी बातों पर ज्यादा ध्यान मत दीजिए। राहुल गांधी के साथ हमारे अच्छे रिलेशन हैं। यह प्राइम मिनिस्टर पद का झगड़ा नहीं है। यह कांग्रेस वालों को समझ में नहीं आ रहा है। राहुल गांधी देश के नेता है। अगर राहुल गांधी पीएम बनना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन और भी चेहरे हैं। इस रेस में ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे हैं। किसी का नाम लेना गुनाह नहीं हैं। हमारे पार्टी के नेता का अगर कोई नाम लेता है, तो उसमें गलत क्या है? भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस के पीएम और गृह मंत्री बनने के सवाल पर संजय राउत ने चुटकी लेते हुए उन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस का सपना था कि मैं देश का प्रधानमंत्री बनूंगा । मोदी जी के जगह पर जाऊंगा। उनका तो यह भी सपना था कि मैं गृह मंत्री बनूगां, इसलिए तो उनको उपमुख्यमंत्री बना दिया गया।

वकीलों, पक्षकारों को व्यक्तिगत रूप से मैसेज व्हाट्सएप पर मिलेंगे : सीजेआई

भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) सेवाओं के साथ व्हाट्सएप मैसेजिंग सेवाओं के एकीकरण का ऐलान किया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने अदालत में बार के सदस्यों को बताया, 'अब वादियों, पक्षकारों और एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) को ई-फाइलिंग, रजिस्ट्री द्वारा उठाई गई आपत्तियों, कॉज लिस्ट एवं आदेशों तथा निर्णयों को अपलोड करने के संबंध में ऑटोमेटिक मैसेज मिलेंगे।' उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप ने एक पावरफुल कम्युनिकेशन टूल की भूमिका निभाई है। इस छोटी पहल का बड़ा प्रभाव होगा। कॉज लिस्ट को न्यायाधीशों को व्हाट्सएप पर भी भेजा जाएगा। इस तरह की डिजिटल पहल से न केवल कागज की बचत होगी बल्कि हमारे ग्रह पृथ्वी को भी फायदा होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने लॉन्च किया कैंपेन सॉन्ग

■ बीएनटी न्यूज

आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव के लिए अपना कैंपेन सॉन्ग लॉन्च कर दिया। आप ने लोकसभा कैंपेन सॉन्ग को अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और उनके जेल जाने से जोड़ा है। कैंपेन सॉन्ग के शुरूआती बोल 'जेल के जवाब में हम वोट देंगे' हैं।

नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के लिए एक कुर्सी खाली रखी गई। थीम सॉन्ग लॉन्च करने के दौरान आम

आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रदेश का व्यापारी समाज भी यह कह रहा है कि हमारे समाज का एक व्यक्ति दिल्ली का मुख्यमंत्री था, उसे भी पकड़ के जेल में डाल दिया। व्यापारियों में प्रतिक्रिया है, युवाओं में प्रतिक्रिया है, माता बहनों में प्रतिक्रिया है। देशभर के लोगों में गुस्सा है।

उन्होंने लोगों से कहा कि इस गुस्से को अपने वोट में परिवर्तित कीजिए और 25 मई को दिल्ली में होने वाले चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी को वोट दीजिए।

संजय सिंह ने गुजरात के सूरत की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा देश से संविधान को खत्म करने की शुरूआत सूरत से कर चुकी है। सूरत में कांग्रेस के प्रत्याशी का पर्चा खारिज कर दिया गया और चुनाव से पहले ही भाजपा प्रत्याशी को जीत का सर्टिफिकेट दे दिया गया। आज तक के इतिहास में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ है कि कोई सत्ताधारी दल बगैर चुनाव के जीती हो। सूरत बस एक झांकी है, पूरा देश अभी बाकी है। सत्ता में आते ही ये लोग बाबा साहब के संविधान, आरक्षण, वोट का अधिकार खत्म कर देंगे।

संजय सिंह ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पूरे हिंदुस्तान को जगाया है।

दस साल में 7300 ईडी के छापे-सजा सिर्फ 63 को

■ बीएनटी न्यूज

एनडीए के कार्यकाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ताबड़तोड़ छापेमारी की है। बीते दस साल में 7300 लोगों के यहां ईडी ने तलाशी ली। दस्तावेज खंगाले। इनमें से केवल 63 लोगों को ही सजा हो पाई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि ईडी राजनीतिक विरोधियों को निशाना बना रही है, लेकिन ईडी और सरकार दोनों का कहना है कि जांच के सिर्फ 3 प्रतिशत मामले ही राजनेताओं से जुड़े हैं। यूपीए के कार्यकाल में मनी लॉन्ड्रिंग के एक भी मामले में सजा नहीं हुई, जबकि 2014-24 के दौरान 63 लोगों को सजा सुनाई गई। हालांकि, हो सकता है कि पिछले 10 सालों में मिली सजाएं, दरअसल यूपीए के कार्यकाल में शुरू की गई जांचों से जुड़ी हों। यूपीए के कार्यकाल में जहां 102 चार्जशीट दाखिल की गईं, वहीं एनडीए के 10 सालों में ये संख्या 1281 तक पहुंच गई। यूपीए के समय कुल मामलों के मुकाबले चार्जशीट दाखिल

करने का प्रतिशत 6 प्रतिशत से भी कम था, जबकि एनडीए के तहत ये आंकड़ा करीब 25 प्रतिशत हो गया। जब ईडी किसी मामले की जांच पूरी कर लेती है और उन्हें पैसा साफ करने का पहली नजर में सबूत मिल जाता है, तो वो कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करती है। इसका मतलब है कि कोर्ट आरोपी के खिलाफ आरोप तय कर सकता है और मुकदमा शुरू हो सकता है। अब ईडी के प्रदर्शन की बात करें, तो तलाशी लेने की संख्या 2005-14 के 84 से बढ़कर 2014-24 में 7,300 हो गई और जब्त की गई संपत्ति का मूल्य 5,086 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 29 से बढ़कर 755 हो गई। यूपीए के कार्यकाल में जहां संपत्ति जब्त नहीं की गई थी, वहीं ईडी ने पिछले दशक में 15,710 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। संपत्ति बेचने के बाद अब तक ईडी ने 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा बैंकों और पीड़ितों को लौटा दिए हैं, ये सब हाल के कुछ सालों में ही हुआ है।

मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के मामलों में 2014 से पहले के 9 वर्षों की तुलना में पिछले 10 साल में 86 गुना बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछली समान अवधि की तुलना में गिरफ्तारी और संपत्तियों की जब्ती लगभग 25 गुना बढ़ गई है। बता दें कि यह बातें जुलाई 2005 से मार्च 2024 के बीच उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण में सामने आई हैं। मनी लॉन्ड्रिंग कानून (पीएमएलए) को 2002 में लाया गया था। कर चोरी, काले धन की उत्पत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर अपराधों की जांच के लिए एक जुलाई 2005 से इसे लागू किया गया था। विपक्षी दलों का आरोप है कि पिछले दशक के दौरान ईडी की कार्रवाई बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की अपने प्रतिद्वंद्वियों और अन्य के खिलाफ दमनकारी रणनीति का हिस्सा है। वहीं, केंद्र सरकार और बीजेपी ने कहा है कि ईडी स्वतंत्र है, इसकी जांच तथ्यों पर आधारित है और उसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार प्राप्त है। पीएमएलए 2002 में बना था, लेकिन इसके असली नियम 2005 में ही आए। इसलिए, इस कानून के तहत जांच 2005 के बाद ही शुरू हो सकीं, यानी 2004 में यूपीए सरकार बनने के एक साल बाद। यूपीए के कार्यकाल में, ईडी ने पीएमएलए के तहत 1797 जांचें दर्ज कीं। इस सख्त कानून में, आरोपी पर ही ये साबित करने का बोझ होता है कि वो बेकसूर है। इसकी तुलना में, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 10 सालों में, ईडी ने 5155 मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कीं।

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, पहलवान साक्षी मलिक और भारतीय मूल के ब्रिटिश अभिनेता देव पटेल ने 2024 के लिए टाइम पत्रिका की '100 सबसे प्रभावशाली लोगों' की सूची में जगह बनाई है। सूची में शामिल एक अन्य प्रमुख भारतीय नाम पहलवान साक्षी मलिक का है, जो भारत की एकमात्र महिला ओलंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया था।

साक्षी ने एक्स पर लिखा, "2024 का टाइम100 सूची में शामिल होने पर गर्व है।"

आलिया के पहले हॉलीवुड प्रोजेक्ट स्ट्रीमिंग फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' के निर्देशक टॉम हार्पर ने अभिनेत्री की प्रशंसा करते हुए उन्हें "वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय स्टार" कहा। उन्होंने लिखा, "अपनी प्रसिद्धि के बावजूद, आलिया सेट पर अत्यधिक विनम्र और मजाकिया हैं। उनके काम करने के तरीके में एक आकर्षण है : केंद्रित, आइडिया स्वीकार करने और रचनात्मक जोखिम लेने को तैयार। फिल्म में मेरे पसंदीदा क्षणों में से एक तब आया जब एक टेक के अंत में इंप्रोवाइजेशन किया गया। उसने भावनात्मक सूत्र को पकड़ा और उसके साथ हो लीं। आलिया का सुपरपावर प्रामाणिकता और संवेदनशीलता को फिल्म-स्टार चुंबकत्व के साथ मिलाने की उनकी क्षमता है। एक अभिनेत्री के रूप में, वह चमकदार हैं, और एक व्यक्ति के रूप में, वह जमीनी आश्वासन और रचनात्मकता लाती हैं जो वास्तव में एक अंतर्राष्ट्रीय स्टार बनाती है।

आलिया टाइम मैगजीन की सूची में शामिल होने वाली एकमात्र बॉलीवुड अभिनेत्री हैं। सूची में शामिल भारत से जुड़े अन्य नामों में खगोलशास्त्री प्रियंवदा नटराजन, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जिगर शाह और शेफ और अधिकार कार्यकर्ता अस्मा खान शामिल हैं। इसमें गायक-गीतकार दुआ लीपा, ऑस्कर पुरस्कार विजेता अमेरिकी अभिनेत्री डा'वाइन जॉय रैंडोल्फ और ऑस्कर नामांकित अभिनेता जेफरी राइट और कोलमैन डोमिंगो भी शामिल हैं। सूची में फिल्मी हस्तियां ताराजी पी हेंसन, इलियट पेज, माइकल जे. फॉक्स, सोफिया कोपोला और हयाओ मियाजाकी भी शामिल हैं।

'मेरा नाम अरविंद केजरीवाल... मैं आतंकवादी नहीं हूं'

संजय सिंह ने पढ़ी दिल्ली सीएम की चिट्ठी

■ बीएनटी न्यूज

आम आदमी पार्टी (आप) के एक प्रमुख सदस्य संजय सिंह ने प्रधान मंत्री पर ऐसी नकारात्मक भावनाओं को भड़काकर केजरीवाल के मनोबल को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भगवंत मान जैसे व्यक्ति, जिन्हें सुरक्षा प्राप्त है, को भी कांच की बाधाओं के पीछे से केजरीवाल से मिलने के लिए कहा जाता है, जो उन्हें नकारात्मक रूप से चित्रित करने के जानबूझकर किए गए प्रयास का संकेत देता है।

आप के राज्यसभा सांसद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को हतोत्साहित करने की 24 घंटे कोशिशें की जा रही हैं। ये अरविंद केजरीवाल हैं, ये अलग मिट्टी के बने हैं। इन्हें जितना तोड़ने की कोशिश करोगे, ये उतनी ही मजबूती से वापस आएंगे। उन्होंने कहा कि सीएम भगवंत मान मीटिंग के दौरान भावुक हो गए। ये हम सबके लिए भावनात्मक मामला है लेकिन बीजेपी और पीएम मोदी के लिए ये शर्म की बात है। चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, केजरीवाल लचीले बने हुए हैं, सिंह ने पुष्टि की कि वह मजबूत सामग्री से बने हैं और और भी मजबूत होकर उभरेंगे।

AAP सांसद संजय सिंह ने कहा, "देश और दिल्ली की जनता के लिए बेटे और भाई की तरह काम करने वाले अरविंद केजरीवाल ने जेल से संदेश भेजा है कि 'मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं'... दिल्ली के तीन बार निर्वाचित सीएम भगवंत मान की मुलाकात एक गिलास के जरिए कराई गई, इससे साफ है कि प्रधानमंत्री के मन में अरविंद केजरीवाल के प्रति नफरत की भावना है।"

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के एक दिन बाद दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को कोई राहत देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने ईडी को केजरीवाल की याचिका पर जवाब देने के लिए 24 अप्रैल तक का समय दिया और आगे की कार्यवाही 29 अप्रैल के लिए निर्धारित की।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का अरविंद केजरीवाल जी के प्रति नफरत, दुर्भावना और तानाशाही का रवैया है। आपने दिल्ली और पंजाब के चुने हुए मुख्यमंत्रियों की मुलाकात आतंकवादियों की तरह कराई। क्या जेल प्रशासन बता सकता है कि आज से पहले किस मुख्यमंत्री की इस तरह मुलाकात कराई गई? आप 1 नाम बता दीजिए। देश के बेटे अरविंद केजरीवाल का जेल से देश की जनता को संदेश - मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं।

शरद पवार ने पीएम मोदी के बयान को बताया शर्मनाक

■ बीएनटी न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके भाषणों में एक समुदाय पर किए गए हमले अस्वीकार्य और शर्मनाक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि लोग उम्मीद करते हैं कि देश का प्रधानमंत्री जाति, धर्म, भाषा आदि से परे सभी के लिए हो। एक भाषण में उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों

को लेकर अलग रुख अपनाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान हम उनके पक्ष को लोगों के बीच ले जाएंगे और लोगों को यह समझाने की कोशिश करेंगे कि उनके विचार से देश की एकता को ठेस पहुंच सकती है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।

उनका बयान शर्मनाक है क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं, जिनसे सभी का नेतृत्व करने और सभी के हित सुनिश्चित करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वह एक समुदाय के बारे में इतनी बुरी बात कर रहे हैं। 83 वर्षीय पवार ने रायगढ़ में शिवसेना (यूबीटी) अनंत गीते के समर्थन में एक अभियान रैली में यह बात कही। गीते निवर्तमान सांसद और राकांपा उम्मीदवार सुनील तटकरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्होंने पिछले साल जुलाई में राकांपा विभाजन के दौरान उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के प्रति अपनी निष्ठा बदल ली थी।

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय की महिलाओं और बच्चों का जिक्र करना और लोगों से पूछना कि क्या वे देश की संपत्ति उन्हें सौंपना चाहते हैं, एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जो अतीत में किसी अन्य नेता ने देश में नहीं लाई है। दी ने अपनी टिप्पणी के माध्यम से विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस शहरी नक्सलियों और वामपंथियों से प्रभावित है और वह महिलाओं के मंगलसूत्र सहित लोगों के सोने और संपत्ति को छीनकर उन्हें दे देगी।

राहुल गांधी किसी से नहीं डरते : डीके शिवकुमार

■ बीएनटी न्यूज

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु में कहा कि राहुल गांधी बहादुर इंसान हैं, वो किसी से नहीं डरते।

संवाददाताओं से बात करते हुए डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा, "राहुल गांधी पूरे देश में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मैं भी कल वायनाड पहुंचकर चुनाव प्रचार में हिस्सा लूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि राहुल गांधी की मेहनत रंग लाएगी।"

वहीं, जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लगातार बीजेपी पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वो ईवीएम में फेरबदल कर नतीजों को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं, तो डिप्टी सीएम ने कहा कि राहुल गांधी के पास इस बारे में ज्यादा जानकारी है। वो इस पर आपको अच्छी जानकारी दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, "एनडीए सरकार नहीं बनाएगी, बल्कि अगर कोई केंद्र में सरकार बनाएगा, तो वो इंडिया गठबंधन है।"

केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के इस बयान पर कि राहुल गांधी के दौरे

से बीजेपी की संभावनाएं बढ़ेंगी, डिप्टी सीएम ने कहा, कर्नाटक विधानसभा चुनाव में क्या हुआ? उडुपी चिकमंगलूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र जिसका वह प्रतिनिधित्व करती हैं, में क्या हुआ? कांग्रेस पार्टी ने चिकमंगलूर जिले की सभी छह सीटों पर जीत हासिल की। उन्होंने वह लोकसभा सीट क्यों खाली की जिसका वह वर्तमान में प्रतिनिधित्व करती हैं? लोगों ने उन्हें वापस जाने के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने आगे कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "मैं वायनाड गया था और वहां के लोगों द्वारा दिए गए समर्थन को देखने के बाद, यह निश्चित है कि यूडीएफ केरल राज्य में जीत हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है।"

शिवकुमार ने कहा, "कर्नाटक में बीजेपी के 14 सिटिंग सांसदों को टिकट नहीं दिया गया। आखिर बीजेपी ने उन्हें टिकट देने से क्यों इनकार किया? अगर उन्हें पूरा विश्वास था कि वो जीतेंगे, तो पार्टी को उन्हें चुनावी मैदान में उतारना चाहिए था। इस तरह से एनडीए ने अपने 100 सांसदों को टिकट देने से इनकार कर दिया।"

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समझ गयी है कि वह देश की सत्ता में नहीं आएगी।

शिवकुमार ने कहा, "जनता हमारे सिद्धांतों, ईमानदारी से वाकिफ है और महंगाई व बेरोजगारी के बारे में भी जानती है। कर्नाटक और तेलंगाना अपनी गारंटी लागू करने में सफल रहे, इसके बाद अब इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तौर पर पेश किया जा रहा है।"

शिवकुमार ने आरोप लगाया कि हार के डर से भाजपा ने आंध्र प्रदेश में पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और कर्नाटक में जेडीएस के साथ गठबंधन किया है।

गारंटी बंद करने के बीजेपी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, "कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा था कि एनडीए के सत्ता में आने के बाद गारंटी जारी नहीं रखी जाएंगी। मैं बीजेपी नेताओं, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर अशोक और पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी से कह रहा हूं कि वे गारंटी के साथ कुछ नहीं कर पाएंगे।"

डिप्टी सीएम ने कहा, "राज्य की जनता आपको ऐसा नहीं करने देगी हम 20 से अधिक सीटें जीत रहे हैं।"

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव के कामों की मोदी सरकार ने जमकर तारीफ की है। वो भी देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने। सुप्रीम कोर्ट में देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और उनके तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की प्रशंसा की है। मोदी सरकार ने देश की सबसे बड़ी अदालत में 1991 में लाइसेंस राज को खत्म करने और आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत करने के लिए दोनों ही दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की प्रशंसा की है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने हाल ही में नरसिम्हा राव को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से भी नवाजा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ जजों की पीठ को बताया कि अधिनियम के अनुसार कई महत्वपूर्ण उद्योगों के विकास और विनियमन तथा पूरे देश पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को केंद्र के नियंत्रण में लाना आवश्यक है। कोविड-19 का उदाहरण देते हुए मेहता ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हित में अपनी नियामक शक्ति का उपयोग कर सकती है, जैसा कि उसने सैनिटाइजर के निर्माण के लिए अधिसूचित मूल्य पर इथेनॉल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश जारी करके किया था।

नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के बाद कंपनी कानून और एमआरटीपी अधिनियम सहित कई कानूनों को उदार बनाया गया। इनके बाद अगले तीन दशकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतृत्व वाली सरकारों ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 में संशोधन करना आवश्यक नहीं समझा।

वह पीठ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें जस्टिस हृषिकेश रॉय, एएस ओका, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश सी शर्मा और ऑगस्टीन जी मसीह भी शामिल थे।

तेजस्वी जैसे नेता अगर देश को दिशा देने लगेंगे तो वही हाल होगा जैसे लालू-राबड़ी ने बिहार का किया था : प्रशांत किशोर

■ बीएनटी न्यूज

बिहार में में आरोप प्रत्यारोप का भी दौर जारी है। इस बीच, चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि तेजस्वी जैसे नेता अगर देश को नई दिशा देने लगेंगे तो देश का वही हाल होगा जैसे लालू-राबड़ी ने बिहार का किया था।

उन्होंने कहा कि इससे देश का कोई भला होने

वाला नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने तेजस्वी यादव को शुभकामनाएं दी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि तेजस्वी के पिताजी लालू प्रसाद और माता जी राबड़ी देवी बिहार में मुख्यमंत्री रहे और तेजस्वी खुद उपमुख्यमंत्री रहे, बिहार को तो इन्होंने दिशाहीन कर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने अगर तेजस्वी को जिम्मेदारी दी है तो बिहार में कुछ विभागों की दशा ठीक कर दें। बिहार में अस्पतालों की दशा सुधार दें, बिहार में सड़कों की दशा सुधार दें, बिहार में ग्रामीण कार्य मंत्रालय में आने वाले नालियों-गलियों की दशा सुधार दें।

उन्होंने तेजस्वी को सलाह देते है कहा कि उन्हें अपनी बात करनी चाहिए। ऐसी बात करने वालों को बड़बोलापन कहा जाता है। बिहार में लोगों को इस चीज की बहुत आदत है। प्रशांत किशोर ने यहां तक कहा कि तेजस्वी यादव को न भाषा का ज्ञान है न विषय का, लेकिन तीखा टिप्पणी करनी होगी तो बैठ कर इजराइल और फिलिस्तीन पर करेंगे। बिहार में गरीब बच्चों के शरीर पर कपड़ा नहीं है, खाने के लिए खाना नहीं है, रोजगार नहीं है लेकिन तीखा टिप्पणी ये कर रहे हैं कि गाजा में क्या हो रहा है।

चतरा : मुसलमानों ने महागठबंधन को दिया बड़ा झटका

■ बीएनटी न्यूज

झारखंड में लोकसभा चुनाव से पहले चतरा में मुस्लिम संगठनों ने महागठबंधन के प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के बहिष्कार का ऐलान किया है। इस ऐलान से महागठबंधन और कांग्रेस में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में मुस्लिमों ने बैठक बुलाई, जिसमें महागठबंधन और कांग्रेस के बहिष्कार का फैसला किया गया।

गौर करने वाली बात यह है कि ये वही मुस्लिम हैं, जिन्होंने कांग्रेस और महागठबंधन के साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं।

दरअसल, महागठबंधन और कांग्रेस ने संयुक्त रूप से इस सीट पर केएन त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा है। यहां के मुस्लिमों को यही आपत्ति है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद भी यहां किसी मुस्लिम प्रत्याशी को चुनावी मैदान में ना उतारकर केएन त्रिपाठी पर दांव आजमाया गया, इसलिए मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने आनन फानन में बैठक बुलाकर

महागठबंधन और कांग्रेस के प्रत्याशी के बहिष्कार का ऐलान किया।

बैठक के दौरान बुद्धिजीवियों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चतरा के मुसलमान को अपनी जागीर समझने की भूल करना छोड़ दे। अब मुसलमान पूरी तरह से जाग चुके हैं। किसी भी परिस्थिति में भाजपा का भय दिखाकर कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन के प्रत्याशी मुसलमानों का वोट नहीं ले पाएंगे। उन्होंने कहा, हम सिर्फ दरी बिछाने वाले मुसलमान नहीं हैं। झारखंड में आदिवासियों के बाद दूसरे नंबर पर हमारी आबादी है। हम 20 प्रतिशत आबादी के साथ कई बार गोड्डा और धनबाद समेत अन्य लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बावजूद महागठबंधन ने 14 में से किसी एक सीट पर भी मुस्लिम को प्रत्याशी नहीं बनाया, ये दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली में कांग्रेस के लिए गेम चेंजर साबित होंगे कन्हैया कुमार

■ बीएनटी न्यूज

आगामी लोकसभा चुनाव में उत्तर पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से कन्हैया कुमार को मैदान में उतारने का कांग्रेस का निर्णय मौजूदा भाजपा सांसद मनोज तिवारी का मुकाबला करने के लिए एक सोचा-समझा कदम प्रतीत होता है। कांग्रेस के 'के' फैक्टर - कन्हैया का परिचय पार्टी को पुनर्जीवित करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है, जो 2013 से राजधानी शहर में गिरावट पर है। कांग्रेस ने अपने दुर्भाग्य को दूर करने के प्रयास में, विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग किया है, लेकिन पिछले एक दशक में कोई भी सफल नहीं हुआ है। इस संदर्भ में, कन्हैया कुमार कांग्रेस के वाइल्ड कार्ड प्रतीत होते हैं, जो उस बात की याद दिलाता है कि कैसे 90 के दशक के अंत में सोनिया गांधी दिल्ली में एक मजबूत भाजपा का मुकाबला करने के लिए शीला दीक्षित को लेकर आई थीं।

उस समय, यह सिर्फ भाजपा का मुकाबला करने के बारे में नहीं था, बल्कि सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर, एचकेएल भगत और राम बाबू शर्मा जैसे कांग्रेस के दिग्गजों को नियंत्रण में रखने के बारे में भी था, जिनके बारे में पार्टी सोचती थी कि वे अपने चरम पर हैं। यह कदम रंग लाया क्योंकि दीक्षित भाजपा के प्रभाव को खत्म करने और उसके स्थानीय नेतृत्व को कमजोर करने में सफल रहीं। दीक्षित दिल्ली की राजनीति में एक बड़ी हस्ती बन गईं। 2024 तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि कन्हैया कुमार के साथ उसका जुआ पार्टी की किस्मत बदल सकता है। उन्हें दिल्ली में जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए लाया गया है, जिसमें अन्य प्रमुख 'के' फैक्टर - अरविंद केजरीवाल - शामिल हैं, जो वर्तमान में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के प्रमुख हैं, जिसमें भाजपा मुख्य

विपक्षी दल है। एनएसयूआई प्रभारी और एआईसीसी सदस्य कन्हैया ने कहा कि देश में कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जो भाजपा, उसके सांप्रदायिक और फासीवादी शासन और अडानी-मोदी के अपवित्र गठबंधन से लड़ सकती है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों की एक बड़ी आबादी है और उन्हें पूर्वांचली कहा जाता है। 37 वर्षीय कुमार पूरी तरह से उस क्षेत्र से नहीं आते हैं, लेकिन उनकी बिहारी विरासत उन्हें एक सच्चे पूर्वांचली तिवारी के खिलाफ उम्मीदवार के रूप में खड़ा करती है। पूर्वांचली के रूप में चित्रित किए जाने के अलावा, कुमार की उम्मीदवारी को कांग्रेस द्वारा मुस्लिम वोटों को मजबूत करने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता

शीला दीक्षित भाजपा के प्रभाव को खत्म करने और उसके स्थानीय नेतृत्व को कमजोर करने में सफल रहीं। दीक्षित दिल्ली की राजनीति में एक बड़ी हस्ती बन गईं। 2024 तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि कन्हैया कुमार के साथ उसका जुआ पार्टी की किस्मत बदल सकता है।

मुस्लिम हैं, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ कुमार के रुख ने उन्हें कांग्रेस के लिए अपनी उम्मीदवारी बुक करने में मदद की। 2020 में, सीएए को लेकर तनाव के कारण निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर दंगे हुए। सीएए की कुमार की आलोचना और अल्पसंख्यक समुदाय के साथ कथित तालमेल ने उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को आकर्षित करने की कांग्रेस की रणनीति में अनुकूल स्थिति में ला दिया है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रविरोधी नारे लगाने का आरोप लगने के बाद कुमार राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हो गए। नकारात्मक प्रचार के बावजूद, उन्होंने 2014 में बीजेपी के सत्ता में आने का विरोध करने वालों से समर्थन हासिल किया। बिहार की बेगुसराय लोकसभा सीट पर 2019 के चुनावों में, कुमार ने बीजेपी नेता गिरिराज सिंह और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तनवीर हसन को चुनौती दी। जब कुमार 2021 में कांग्रेस में शामिल हुए, तो सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ उनकी नई पार्टी का गठबंधन तनाव में आ गया। राजद ने यह सुनिश्चित किया कि कांग्रेस को बेगुसराय में चुनाव लड़ने का मौका न मिले।

राहुल गांधी को मानहानि केस में झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत

■ **बीएनटी न्यूज**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने 25 अप्रैल को मानहानि मामले में उनके खिलाफ एमपी-एमएलए अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी। चाईबासा जिले की एमपी-एमएलए अदालत ने 27 फरवरी को गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इसे रोकने के लिए कांग्रेस नेता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। 2019 में एक चुनाव अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए चाईबासा के प्रताप कुमार द्वारा दायर आपराधिक मुकदमे में गांधी को गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

कुमार ने चाईबासा में मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में कहा कि गांधी की टिप्पणियां अपमानजनक थीं और जानबूझकर शाह के कद को खराब करने के लिए की गई थीं। मामला विशेष एमपी/एमएलए अदालत में चल रहा है जिसने अप्रैल 2022 में गांधी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। हालाँकि, गांधी चाईबासा अदालत में पेश नहीं हुए, जिसके बाद 27 फरवरी को अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके बाद कांग्रेस नेता ने अपने वकील

के माध्यम से चाईबासा अदालत में एक याचिका दायर कर पेशी से छूट की मांग की। अदालत ने याचिका खारिज कर दी जिसके बाद उन्होंने झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया। एक पखवाड़े बाद मामले की फिर सुनवाई होगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को सूचित किया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे उन 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं जो 13 मई के चुनाव के लिए आंध्र प्रदेश में पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने चुनाव आयोग को 40 नाम सौंपे, जिसमें एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और अन्य शामिल थे। चुनाव आयोग को सौंपे गए पत्र की एक प्रति के अनुसार, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष वाईएस शर्मिला के अलावा, सूची में मल्लू भट्टी विक्रमार्क, के वेंकट रेड्डी, डी अनसूया और अन्य जैसे तेलंगाना नेता भी शामिल हैं।

क्या कहते हैं आपके सितारे
बीएनटी के सौजन्य से

अप्रैल माह का राशिफल जानें किस राशि के जातकों पर बरसेगा धन, किसको रहना होगा संभल कर

मेष : उन लोगों से दूर रहें, जो धोखेबाज हैं। जो लोग व्यापार में हैं उन्हें मौजूदा परिस्थितियों के बारे में सोच-समझकर ही निर्णय लेने चाहिए। व्यापार की अपनी नीति को लचीला रखें।

वृष : नौकरी और कारोबार में अपने काम पूरे करने के लिए आपको जोड़-तोड़ करना होगा। काम का बोझ भी बढ़ेगा तो आमदनी भी बढ़ेगी। वादों और अटकलों से आप अपना काम पूरा नहीं कर पाएंगे।

मिथुन : यह मत सोचिए कि पैसो से सबकुछ संभव है। पुराने संबंध आपकी मदद करेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों की जान-पहचान से लाभ मिलेगा। कुछ व्यक्तियों के शुभ कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : जो पैसा आपके हाथ का में है, उसे विशेषज्ञों की सलाह से सही जगह निवेश करें। महत्वपूर्ण निर्णयों में आपको गोपनीयता बनाए रखनी होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।

सिंह : महीने की शुरूआत में पैसों की तंगी परेशान करेगी। आपको जो भी सुझाव मिले हैं, उन पर विचार करके निर्णय लेना होगा। लोग आपके काम की तारीफ करेंगे।

कन्या : महीने की शुरूआत में विरोधी आपको तंग कर सकते हैं। अचल संपत्तियों के संबंध में विशेषज्ञ से सलाह लें। आपकी कमाई का ग्राफ ऊंचा बना रहेगा। घरेलू चिंताएं और समस्याएं अब हल हो जायेंगी जिससे आपको राहत महसूस होगी।

तुला : इस गलतफहमी में न हि रहें कि सबकुछ आपकी इच्छा के अनुसार होगा। अपनी सीमाओं को जानें और उसके अनुरूप व्यवहार करें। सरकार के नियमों और कानूनों का सख्ती से पालन करें।

वृश्चिक : महीने की शुरूआत आपको काम में सफलता दिलाएगी। अपने रिश्तेदारों के साथ मतभेद से बचें और सौहार्दपूर्ण बातचीत बनाए रखें। जो लोग कला क्षेत्र में हैं उन्हें प्रसद्धि मिलेगी।

धनु : इस समय आपको अकेले ही आगे बढ़ते जाना होगा। भावनाओं के झांसे में न आएं और सही फैसला लें। आपके वरिष्ठ आपको जो भी काम देंगे, उसे आप सफलतापूर्वक निभाने में सफल रहेंगे।

मकर : सफलता मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा। दूसरों के निजी मामलों में दखल न दें। अपने जीवन के मनचाहे लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करें। अगर आप अपनी वाणी पर नियंत्रण रखेंगे तो काम बनते जायेंगे।

कुंभ : सही विचार और सही दिशा में प्रयासों से आपको कठिन कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने अपमान और सम्मान पर ध्यान ना दें। व्यावसायिक दृष्टिकोण से कोई निर्णय लेंगे तो आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन : महीने की शुरूआत में आपको मन का धैर्य बनाए रखना होगा। विवादों से दूर रहें। माह के अंत में धन लाभ के योग बन रहे हैं। शारीरिक रोगों की उपेक्षा न करें।

हम राम के पुजारी हैं वो राम के व्यापारी हैं...

■ **बीएनटी न्यूज**

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस साल जनवरी में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को "सम्मानपूर्वक अस्वीकार" करने के पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक व्यक्ति के लिए राजनीतिक कार्यक्रम था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भव्य भगवान राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान का नेतृत्व किया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा पर "धर्म का राजनीतिकरण" करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह धर्म और राजनीति को भी नीचे गिराती है। भाजपा पर हमला करते हुए, उन्होंने कहा कि वे "राम के व्यापारी" थे, जबकि कांग्रेस सदस्य देवता के "पुजारी" थे। जयराम रमेश ने कहा कि 22 जनवरी का जश्न राजनीतिक था. यह एक राजनीतिक व्यक्ति के लिए किया गया था. हम राम के उपासक हैं और वे भाजपा राम के व्यापारी हैं। मेरा नाम है -जयराम रमेश-मेरे नाम के दोनों भागों में 'राम' है। हमें कोई राम विरोधी नहीं कह सकता. धर्म का राजनीतिकरण धर्म और राजनीति को भी नीचे लाता है। उनसे छत्तीसगढ़ में अपनी लोकसभा चुनाव रैली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी के बारे में पूछा गया था जिसमें प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को अस्वीकार करने के फैसले पर कांग्रेस की आलोचना की गई थी। कांग्रेस ने जनवरी में एक बयान जारी कर अपने वरिष्ठ नेताओं को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि यह "स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा का कार्यक्रम" था। पार्टी ने कहा था कि 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए और भगवान राम का सम्मान करने वाले लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी और श्री अधीर रंजन चौधरी ने स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा कार्यक्रम के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार कर दिया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह इस साल 22 जनवरी को आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ के बस्तर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने का सपना पूरा हो गया है। चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने घर-घर गारंटी कार्यक्रम शुरू किया है। हम 8 करोड़ मकान गारंटी कार्ड बांट रहे हैं। राहुल गांधी प्रचार कर रहे हैं और प्रियंका भी...मुख्य रूप से, हमारे पास तीन सुपर-स्टार प्रचारक हैं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी विभिन्न राज्यों में प्रचार कर रहे हैं।

बिहार में मोदी कुछ भी कर लें- हार तो तय है

■ **बीएनटी न्यूज**

राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग बिहार में "घबराया हुआ" है, यही कारण है कि राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभियान तेज किया जा रहा है। यादव ने यह टिप्पणी तब की जब पत्रकारों ने उनका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की औरंगाबाद में रैली होने वाली है, जबकि मोदी 16 अप्रैल को गया में एक चुनावी सभा को संबोधित करने वाले हैं।

तेजस्वी ने कहा कि मीडिया के साथी कभी भी हमसे बेरोजगारी, महंगाई, गरीब, किसान, बिहार में विकास, निवेश, पलायन, औद्योगीकरण तथा बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल नहीं पूछते। मोदी, धर्म और विपक्ष के अलावा कोई प्रश्न ही नहीं रहता।

सत्ता पक्ष से लोकहित में कुछ पूछना नहीं तथा विपक्ष से बीजेपी को फायदा पहुँचाने वाले गैर-जरुरी मुद्दों पर पूछते रहना है।

जनतंत्र के लिए यह रवैया दुखद है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी पूरे 365 दिन बिहार आएंगे तो भी उनकी हार तय है। गृह मंत्री और पीएम मोदी का स्वागत है लेकिन हमें उम्मीद है कि वे वास्तविक मुद्दों पर बात करेंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि उन्होंने राज्य के लिए क्या किया है? बिहार से 39 (एनडीए) सांसद चुने गए, इन सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में क्या किया? बिहार की जनता जवाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि हमें बीजेपी के लोगों को सफाई देने की जरूरत नहीं है, हम सबका सम्मान करते हैं, हर धर्म का सम्मान करते हैं...वे बेरोजगारी, महंगाई, बिहार से पलायन, गरीबी उन्मूलन या बिहार में निवेश के बारे में बात नहीं कर रहे हैं...प्रधानमंत्री और बिहार के नतीजों से बीजेपी के लोग डर गये हैं। बिहार में लोकसभा चुनाव सभी सात चरणों में हैं और मोदी पहले ही जमुई और नवादा में दो रैलियां कर चुके हैं। हालांकि उनकी गया यात्रा की भाजपा ने अभी तक पुष्टि नहीं की है, लेकिन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, जो एनडीए के साथी हैं और गया से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, ने दावा किया कि पीएम उनके पक्ष में प्रचार करने के लिए सहमत हो गए हैं।

मेरी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया: मीसा भारती

■ **बीएनटी न्यूज**

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और पार्टी की लोकसभा उम्मीदवार मीसा भारती के उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। अब उन्होंने पूरे मामले को शांत करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मैंने चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक टिप्पणी की। मैंने कहा था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम जांच कराएंगे और आरोपियों को सजा देंगे। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है।' मीडिया बीजेपी का एजेंडा तय कर रहा है।

मीसा भारती ने हाल ही में कहा कि अगर विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है, तो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी भाजपा नेताओं को जेल में डाल दिया जाएगा। अपने बयान में उन्होंने कहा कि हम 30 लाख नौकरियां पैदा करने, किसानों की आय दोगुनी करने और एमएसपी लागू करने की बात कर रहे हैं। वह (पीएम मोदी) इसे तुष्टीकरण के रूप में देख रहे हैं? मोदी पर निशाना साधते हुए मीसा ने कहा कि वह जब भी बिहार में होते हैं तो हमेशा हमारे परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। अगर देश की जनता ने इंडिया गठबंधन को केंद्र सरकार में आने का मौका दिया तो पीएम मोदी से लेकर सभी बीजेपी नेता सलाखों के पीछे होंगे।

राजद नेता मीसा भारती की टिप्पणी पर बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार करते हुए कहा कि मीसा भारती को क्या हो गया है?... जिस महिला के पिता को चारा घोटाले में दोषी ठहराया गया है...मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि ऐसे बयान न दें...आपका परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है...आपको दिवास्वप्न देखना बंद करना होगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आएंगे तो सबसे पहले उनसे पूछा जाना चाहिए कि वे क्या सोचते हैं? उनका (राजद) चारा घोटाला जैसा घोटाला है। उन्होंने कागज के टुकड़े पर सड़क बना दी और उसे जमीन पर कभी लागू नहीं किया। महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि विपक्ष के प्रचार का स्तर इतना नीचे गिर गया है कि वे "मोदी जी मरेगा" की बात कर रहे हैं। लालू जी की बेटी और राजद की मीसा जी ने कहा है कि मोदी जी को जेल में डाला जाएगा।

देश सुनना चाहता है कि भ्रष्टाचारियों को जेल भेजा जायेगा या नहीं। विपक्ष का अभियान इस स्तर पर है कि कोई नेताओं को जेल भेजने की बात कर रहा है तो कोई मौत की बात कर रहा है।

देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि पहले उन्हें (मीसा भारती) अपने और अपने परिवार के बारे में सोचना चाहिए. ये लोग कई तरह के घोटालों और भ्रष्टाचारों में फंसे हुए हैं. ये वो आरोप नहीं हैं जो हमने लगाए हैं, कोर्ट ने उन्हें सजा दी है. उन्हें ऐसी बातें कहकर लोकतंत्र और न्यायपालिका का मजाक उड़ाना बंद करना चाहिए।'

डमी कैंडिडेट पर चुनाव आयोग की पैनी नजर, सख्त कार्रवाई के निर्देश

■ **बीएनटी न्यूज**

लोकसभा चुनाव के दौरान डमी कैंडिडेट पर आयोग की पैनी नजर रहेगी। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऐसे कैंडिडेट की पहचान कर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आयोग के संज्ञान में आया है कि डमी कैंडिडेट के नाम पर दूसरे कैंडिडेट चुनावी खर्च मैनेज करते हैं। इस पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि लोकसभा के चौथे चरण में झारखंड में जिन चार क्षेत्रों- सिंहभूम, लोहरदगा, खूंटी और पलामू में चुनाव होने हैं, वहां नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन एक भी नामांकन नहीं हुआ।

सभी क्षेत्रों में मतदाताओं को मताधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयोग की ओर से कई स्तरों पर निगरानी की जा रही है।

इस बार चुनाव में उम्मीदवारों के लिए गाड़ियों का परमिट फूलप्रूफ होगा। इसके लिए आयोग ने स्टैंडर्ड फार्मेट बनाया है।

इसकी नकल करना मुश्किल होगा। इसे गाड़ी के स्क्रीन पर लगाना अनिवार्य होगा। गाड़ी बदलने पर परमिट सरेंडर कर नई गाड़ी का परमिट लेना होगा।

सीएए कानून होगा रद्द-यूसीसी नहीं होगा लागू

■ **बीएनटी न्यूज**

चुनाव का पहला चरण शुरू होने से दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया। पहले चरण में कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में मतदान होगा। घोषित 10 वादों में पार्टी संयोजक ममता बनर्जी का बार-बार दोहराया गया आश्वासन शामिल है कि बंगाल में कोई नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नहीं होगी। घोषणापत्र में सीएए को 'खराब' बताया गया और

कहा गया कि इसे खत्म कर दिया जाएगा और एनआरसी को बंद कर दिया जाएगा।

तृणमूल नेताओं ने केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को तृणमूल के समर्थन पर जोर देते हुए कहा कि इंडिया ब्लॉक के हिस्से के रूप में केंद्र में सरकार बनने के बाद वादे पूरे किए जाएंगे, हालांकि राज्य में कोई गठबंधन नहीं है।

तृणमूल चुनाव घोषणापत्र के 10 वादे

मजदूरों की आय में वृद्धि. जॉब कार्ड धारकों को 400 दैनिक वेतन के साथ 100 दिन के काम की गारंटी।

सभी गरीब परिवारों को निःशुल्क आवास।

बीपीएल परिवारों को प्रति वर्ष 10 गैस सिलेंडर मुफ्त।

सभी राशन कार्ड धारकों को डोरस्टेप-फ्री राशन डिलीवरी।

SC/ST की उच्च शिक्षा के लिए भत्ता बढ़ाया गया. वृद्धावस्था भत्ता 1,000 प्रति माह।

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करना।

पेट्रो उत्पादों के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष।

25 वर्ष से कम आयु के स्नातक और डिप्लोमा धारकों के लिए प्रशिक्षुता।

सीएए रद्द होगा, एनआरसी बंद होगा. देश में समान नागरिक संहिता नहीं बनेगी.

देशभर में लड़कियों के लिए कन्याश्री जैसी कल्याणकारी योजनाएं।

आपका वोट आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा : राहुल गांधी

लोकसभा चुनाव के लिए आज 102 संसदीय क्षेत्रों में वोट डाले जा रहे हैं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। राहुल गांधी ने मतदाताओं से अपील में कहा, 'याद रहे, आपका एक-एक वोट भारत के लोकतंत्र और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करने जा रहा है।' पहले चरण के मतदान पर की गई अपील में राहुल गांधी ने कहा कि आज पहले चरण का मतदान है। इसलिए बाहर निकलिए और पिछले 10 साल में देश की आत्मा को दिए गए जख्मों पर अपने 'वोट का मरहम' लगाकर लोकतंत्र को मजबूत कीजिए। नफरत को हरा कर खोल दीजिए हर कोने में 'मोहब्बत की दुकान'। इससे पहले राहुल गांधी ने अपने कार्यकताओं के लिए एक वीडियो संदेश भी जारी किया था। अपने संदेश में राहुल ने कार्यकताओं से कहा कि आप हमारी पार्टी की रीढ़ की हड्डी हैं।

कांग्रेस के घोषणापत्र में 'मुस्लिम लीग की छाप' बताने पर राहुल गांधी ने दिया जवाब

■ बीएनटी न्यूज

कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार हमला कर रही है। भाजपा कांग्रेस के घोषणापत्र को मुस्लिम लीग से प्रभावित बता रही है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके घोषणापत्र पर सवाल उठाने पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "ये चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई है! एक तरफ कांग्रेस है, जिसने हमेशा भारत को जोड़ा और दूसरी तरफ वो हैं, जिन्होंने हमेशा लोगों को बांटने की कोशिश की है। इतिहास गवाह है, किसने देश का विभाजन चाहने वाली ताकतों से हाथ मिलाकर उन्हें मजबूत किया और कौन देश की एकता और स्वतंत्रता के लिए लड़ा।"

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे लिखा, "कौन 'भारत छोड़ो आंदोलन' के समय अंग्रेजों के साथ खड़ा था? जब भारत की जेलें कांग्रेसी नेताओं से भर गई थी, तब कौन देश को बांटने वाली ताकतों के साथ राज्यों में सरकार चला रहा था? राजनीतिक मंचों से 'झूठ की बौछार' करने से इतिहास नहीं बदलता।"

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी के कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप बताने पर जवाब दिया था। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह व उनके नॉमिनेटेड अध्यक्ष आज कांग्रेस घोषणापत्र के बारे में उल्टी-सीधी भ्रांतियां फैला रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि पीएम मोदी के भाषणों में केवल आरएसएस की बू आती है। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी रैलियों में कांग्रेस के घोषणापत्र को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र के हर पन्ने पर भारत के टुकड़े करने की बू आ रही है। कांग्रेस के घोषणापत्र में वही सोच झलकती है, जो सोच आजादी के समय मुस्लिम लीग में थी। मुस्लिम लीग के उस समय के विचारों को कांग्रेस आज भारत पर थोपना चाहती है।

केजरीवाल को एक और झटका निजी सचिव को किया टर्मिनेट

■ बीएनटी न्यूज

जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार को उनकी सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है। सतर्कता विभाग के निदेशालय ने कुमार के खिलाफ एक मामले का हवाला देते हुए यह फैसला किया, जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था।

एक बयान में, सतर्कता विभाग ने कहा कि विभव कुमार को आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो के निजी सचिव के पद से "तत्काल प्रभाव से" बर्खास्त कर दिया गया है। विभाग ने कहा कि कुमार की कानूनी उलझनों की विस्तृत जांच और उनकी नियुक्ति के लिए उचित प्रक्रियाओं का पालन करने में उल्लंघन के बाद, उन्हें उनकी सेवाओं से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।

सतर्कता निदेशालय ने बर्खास्तगी के पीछे विभव कुमार के खिलाफ दर्ज एफआईआर को कारण बताया है। यह मामला 2007 में नोएडा में विकास प्राधिकरण में तैनात महेश पाल नामक व्यक्ति ने दायर किया था।

इसमें आरोप लगाया गया कि विभव कुमार ने तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता, एक लोक सेवक को "उसके कर्तव्य का पालन करने से रोका और उसे गाली/धमकी दी"।

एफआईआर में आगे कहा गया है कि बिभव कुमार और मामले के एक अन्य आरोपी राजीव कुमार को गिरफ्तार किए बिना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया था, जहां यह वर्तमान में लंबित है।

सतर्कता विभाग ने कहा कि विभव कुमार की नियुक्ति से पहले उनके लंबित आपराधिक मामले के संबंध में पृष्ठभूमि की जांच नहीं की गई थी।

सतर्कता विभाग ने कहा "उनके खिलाफ एक आपराधिक मामले (आईपीसी धारा 353, 504 और 506 के तहत एफआईआर 102/07) के लंबित परिणाम के आधार पर सशर्त नियुक्त किए जाने के बावजूद, नियुक्तियों के संबंध में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के निदेशों के बाद चिंताएं जताई गई थीं।

इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि प्रशासनिक कार्रवाई "आवश्यक" है; इसलिए अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक को बर्खास्त किया गया।

बिभव कुमार को उनके पद से तब हटाया गया जब प्रवर्तन निदेशालय ने 8 अप्रैल को दिल्ली शराब नीति मामले में उनसे पूछताछ की। ईडी अधिकारियों ने कहा कि उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था।

आप नेता जैस्मीन शाह ने बिभव कुमार को बर्खास्त करने पर भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भगवा पार्टी का "एकमात्र उद्देश्य" राष्ट्रीय राजधानी की सत्तारूढ़ पार्टी को खत्म करना है। उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर भी कटाक्ष किया।

उन्होंने ट्वीट किया "पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री को नकली दिल्ली शराब मामले में गिरफ्तार किया गया। अब, एलजी ने अपने निजी सचिव सहित उनके पूरे स्टाफ को बर्खास्त करना शुरू कर दिया है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा का एकमात्र उद्देश्य आप को खत्म करना है, राष्ट्रीय राजधानी में लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है।" इस बीच, दिल्ली बीजेपी के उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा ने इसके पीछे तीन कारण बताते हुए कहा कि बिभव कुमार को हटाना एक "आवश्यक कदम" था।

कपिल मिश्रा ने कहा "सबसे पहले, उनकी (विभव कुमार) नियुक्ति अवैध थी, दूसरे, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच चल रही थी, और तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बात, वह जेल में बंद केजरीवाल के इशारे पर सबूतों और गवाहों को नष्ट करने में शामिल हो सकते थे। उनके हटाने से मदद मिलेगी। निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना।

हरियाणा: सिरसा से सैलजा-रोहतक से दीपेंद्र हुड्डा को मिला टिकट

■ बीएनटी न्यूज

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके विरोधी गुट में शामिल माने जाने वाले नेताओं के बीच लंबी खींचतान और पार्टी में गहन मंत्रणा बाद हरियाणा के लिए पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा की है।

कांग्रेस ने हरियाणा की आठ लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार घोषित किए, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख नाम हैं। सैलजा को सिरसा से और दीपेंद्र हुड्डा को रोहतक से प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, उसने हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा को करनाल लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है।

अंबाला से वरुण चौधरी, हिसार से जयप्रकाश, भिवानी-महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह, सोनीपत से सतपाल ब्रह्मचारी और फरीदाबाद से महेंद्र प्रताप को पार्टी का टिकट दिया गया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके विरोधी गुट में शामिल माने जाने वाले नेताओं के बीच लंबी खींचतान और पार्टी में गहन मंत्रणा बाद हरियाणा के लिए पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि अब भी गुरुग्राम के लिए पार्टी ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। कांग्रेस हरियाणा में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस नौ सीट पर और आम आदमी पार्टी कुरुक्षेत्र की एकमात्र लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी। कांग्रेस ने भिवानी-महेंद्रगढ़ से हुड्डा के करीबी माने जाने वाले राव दान सिंह को उम्मीदवार बनाया है जो वर्तमान में महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक भी हैं। इसी तरह पार्टी ने हिसार लोकसभा सीट से प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश को टिकट दिया है। इस लोकसभा क्षेत्र के वर्तमान सांसद और पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए बृजेंद्र सिंह को भी दावेदार माना जा रहा था।

बृजेंद्र सिंह के पिता और वरिष्ठ नेता चौधरी वीरेंद्र सिंह ने कुछ दिन पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में वापसी की है। पार्टी ने अंबाला लोकसभा क्षेत्र से वरुण चौधरी को उम्मीदवार बनाया है जो प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूलचंद मुलाना के पुत्र हैं। वहां से पिछले कई लोकसभा चुनाव से सैलजा अंबाला से चुनाव लड़ रही थीं, लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें सिरसा से उम्मीदवार बनाया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार फिर से रोहतक से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। पिछली लोकसभा चुनाव में वह एक नजदीकी मुकाबले में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरविंद शर्मा से चुनाव हार गए थे।

भारत रत्न कोई छोटा पुरस्कार नहीं: जयंत

■ बीएनटी न्यूज

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के प्रमुख जयंत सिंह चौधरी ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के साथ हाथ मिलाने के अपने फैसले का श्रेय केंद्र द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और अपने दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने को दिया। मुजफ्फरनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए, जयंत ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए कहा कि भारत रत्न "कोई छोटा पुरस्कार नहीं है" और लोग "अपने मान सम्मान के लिए सब कुछ बलिदान कर देते हैं"।

जयंत चौधरी ने कहा कि विपक्षी दल हमें हराना चाहते थे और "इसलिए मैंने लोगों की सेवा के लिए राजनीति में कुछ कड़वे फैसले लिए हैं।" एनडीए से हाथ मिलाने पर उन्होंने कहा कि सामाजिक जीवन में रणनीति होनी चाहिए। शतरंज की तरह राजनीति में भी ऐसी चाल होनी चाहिए कि विरोधी हमें हरा न सकें। उन्होंने कहा कि हम रालोद कार्यकताओं का मान-सम्मान बनाये रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में अभी भी विकास की जरूरत है। अब इस सरकार के पास दृढ़ इच्छा शक्ति है और उनकी नजर में कोई भी काम छोटा नहीं है।

उन्होंने कहा, "जो सरकार चौधरी साहब को भारत रत्न दे सकती है, वह किसानों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।" उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव 6 और 7 का गणित पढ़ा रहे हैं, लेकिन अब हम 1+1, 11 हैं।' उन्होंने कहा कि चौधरी साहब ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है। मुझे आपके लाभ के लिए काम करने का अधिकार है। आपने भगत सिंह के परिजनों का सम्मान किया था। मुझे चौधरी सूरजमल जी की भी याद आ रही है। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

जयंत ने कहा कि "ऐसे तीन क्षेत्र हैं जहां लोग मुझे जानते हैं। एक मथुरा, दूसरा बागपत जहां चौधरी चरण सिंह और अजित सिंह जीते। तीसरा, कैराना। तुम्हें इशारे से ही समझ जाना चाहिए। प्रमुख ने साफ किया कि बीजेपी कार्यकर्ता बागपत में कोई नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। लाठीचार्ज झेलने की जरूरत नहीं है। हम उनके साथ खड़े हैं। मैं उनकी मदद करता, लेकिन विपक्ष ने हमारी सीट काट दी। आपने जो पगड़ी पहनी है, वह आपका सम्मान है। उन में रैली से पहले रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इस दौरान भाजपा सांसद प्रत्याशी, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

अमेठी में सियासी शह-मात का खेल कांग्रेस नेता सुबह भाजपा में शाम को घर वापसी

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश की वीआईपी सीट में शुमार अमेठी में चुनावी शह-मात का खेल चल रहा है। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह समन्वयक विकास अग्रहरि ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा के जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र के सामने भाजपा का दामन थामा। दोपहर बाद उनका मन बदल गया और उन्होंने घर वापसी कर ली।

कांग्रेस नेता विकास अग्रहरि ने बताया कि वह अपने निजी काम से सांसद के आवास पर गए थे। वहां जबरन भाजपा नेताओं और स्मृति ईरानी ने भगवा गमछा पहनाकर भाजपा में शामिल करवा दिया।

कांग्रेस नेता विकास का कहना है कि वह पहले भी कांग्रेस में थे और आगे भी कांग्रेस में ही रहेंगे।

अमेठी के भाजपा जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र का दावा है कि विकास अग्रहरि भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्हें कोई बुलाने नहीं गया था। अब वह किसी दबाव में अनर्गल बातें बोल रहे हैं। इस समय वैसे भी राज्य में आचार संहिता लगी हुई है।

विकास योजनाओं से जुड़े काम बंद हैं। तो, कांग्रेस के नेता कौन सा काम लेकर आए थे। वह झूठ बोल रहे हैं। वह भाजपा ही ज्वाइन करने आए थे। उन पर कांग्रेस की ओर से दबाव बनाया गया होगा और वो पलट गए।

आम आदमी की गाढ़ी कमाई से आराम फरमाते रहे अफसर

■ बीएनटी न्यूज

आम आदमी की गाढ़ी कमाई पर अफसर कैसे आराम फरमाते हैं इसका उदाहरण यहां के तीन IAS अफसर हो सकते हैं। खबर है कि चंडीगढ़ में डाटरेक्टर जनरल ऑफ ऑडिट (सेंट्रल) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि तीनों अधिकारियों ने तय राशि से ज्यादा खर्च किया। इसमें बिजनेस क्लास के टिकट, एक दिन के कार्यक्रम में सात दिनों तक पेरिस में रुकना शामिल है। मामला जून 2015 का बताया जा रहा है।

निशाने पर आए तीन अधिकारियों में विजय कुमार दत्त (तब चंडीगढ़ के प्रशासक के सलाहकार), अनुराग अग्रवाल (तब चंडीगढ़ के गृह सचिव) और विक्रम देव दत्त शामिल हैं। ये आईएएस अफसर फंड्स का गलत इस्तेमाल करने के चलते स्क्रूटनी का शिकार हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनो कथित तौर पर पेरिस में तय से ज्यादा दिन रुके, होटल अपग्रेड किया और एक-दूसरे की ट्रिप पर मुहर लगाई।

अब ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि अधिकारी एक दूसरे की यात्राओं पर मुहर लगा रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विजय देव ने विक्रम दत्त की ट्रिप को मंजूरी दी।

वहीं, दत्त ने देव की ट्रिप पर मुहर लगाई। विजय देव ने अनुराग अग्रवाल की ट्रिप को मंजूरी दी थी। ऑडिट रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि यात्रा का शुरूआती बजट 18 लाख रुपये का था, जो बढ़कर 25 लाख रुपये पर पहुंच गया। इसमें बिजनेस क्लास के टिकट करीब 1.77-1.77 लाख रुपये थे। रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि पहले ट्रिप सिर्फ एक ही दिन की थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर सात दिनों का कर दिया, जिसमें ठीक तरह से अनुमति भी हासिल नहीं की गई थी।

अधिकारियों ने नियमों का भी उल्लंघन किया था। ऑडिट रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि न्यौता चंडीगढ़ के चीफ आर्किटेक्ट के लिए था। इसके बजाए तीन सचिव स्तर के अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। फिलहाल, इन तीनों में से एक अधिकारी रिटायर हो चुके हैं। जबकि, दो अन्य को ट्रांसफर हो चुके हैं और अलग-अलग पदों पर हैं। ऑडिट रिपोर्ट सामने आने के बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने गलत खर्च को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। साल 2015 में चंडीगढ़ प्रशासन को पेरिस से एक मीटिंग का न्यौता आया, जो आर्किटेक्ट ले कॉर्ब्युसर की 50वीं सालगिरह के मौके पर रखी गई थी।

आर्किटेक्ट भी चंडीगढ़ मास्टर प्लान में शामिल रहे थे। इस पर प्रशासन ने चार लोगों का जाना तय किया। गृहमंत्रालय ने विजय देव, विक्रम देव दत्त और अनुराग अग्रवाल के सर्टिफिकेट्स मांगे थे।

गलत घर की कुंडी खड़खड़ा दी थी: बीरेंद्र सिंह

■ बीएनटी न्यूज

चौधरी बीरेंद्र सिंह हरियाणा के कदावर और जाट समाज के बड़े नेताओं में शुमार हैं। कांग्रेस में विभिन्न पदों व केंद्र में मंत्री भी रहें। भाजपा में चले गए थे, लेकिन फिर से कांग्रेस में वापसी की है। कांग्रेस ने उनके आगमन का स्वागत खुलेदिल से गर्मजोशी से साथ किया है। क्योंकि उनके आने से हरियाणा की राजनीति में जबरदस्त बदलाव आएगा। लोकसभा में जाट वोटर उनसे जुड़ेंगे जिनमें उनका बड़ा प्रभाव है। बीरेंद्र सिंह कहते हैं कि भाजपा में लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं? भाजपा में अंदर रहकर क्या-क्या देखा जैसे तमाम मुद्दों पर उन्होंने विस्तृत बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य हिस्से।

प्रश्नः घर वापसी का ख्याल कब मन में आया?

उत्तरः पुराने लोग और पुराना घर इंसान को हर पल याद आता है। ख्याल तो बहुत पहले आना शुरू हो गया था। पर, सही समय का इंतजार था। मेरे इस निर्णय को 'घर वापसी' न कहें, बल्कि 'विचार की वापसी' कहें, तो ज्यादा बेहतर होगा। कांग्रेस में दोबारा आना, मेरे लिए बेहद भावनात्मक क्षण है। वापसी पर पुराने साथी मेरा जिस खुलेदिल से स्वागत-सम्मान कर रहे हैं, इससे मुझे एहसास होता है कि जाने-अंजाने में मैंने कितनी बड़ी भूल की? शायद भूल से ही गलत घर की कुंडी खड़खड़ा दी थी। लेकिन, अब पार्टी को मजबूत करना है और मिलकर आगे बढ़ाऐंगे। नफरती राजनीति के खिलाफ छिड़ी मुहीम में हम सब राहुल गांधी के सिपाही बनेंगे।

प्रश्नः कांग्रेस की स्थिति आज भी वैसी ही है, जैसी आप छोड़कर गए थे। आपको उम्मीद है हालात सुधर पाएंगे?

उत्तरः हिंदुस्तान का कोई ऐसा सियासी दल नहीं है जिसके दिन कभी उन्नीस-बीस न हुए हों?

भाजपा किन-किन हथकंड़ों को इस्तेमाल करके आगे बढ़ रही है, ये देश जान चुका है जिसकी हल्की सी बानगी इलेक्टॉन बांड कांड और चंडीगढ़ वोट चोरी से उजागर हो गया है। इसलिए, भविष्य में बीजेपी के हालात कितने बदतर होंगे जिसकी कल्पना तक कोई नहीं कर सकता। क्योंकि मैं अंदर रहकर सबकुछ देखा है। अंदरूनी हालातों से वाकिफ हूं। खाटी के पारंपरिक भाजपाई मोदी-शाह से कितने दुखी है, मैं बता नहीं सकता? दोनों के खिलाफ विरोध की चिंगारी कभी भी भड़क सकती है। रही बात, कांग्रेस के हालात सुधरने के, तो हम एकता का प्रदर्शन करके आगे बढ़ेंगे। सबसे पहले हमें लोकतंत्र और संविधान को बचाना है। मौजूदा शासक चुनावी प्रक्रिया को खत्म करने पर आमादा है।

प्रश्नः आपके आने से पार्टी को उम्मीद है, हरियाणा की राजनीति में बदलाव आएगा?

उत्तरः हरियाणा खेती किसानी और खेल विधाओं पर निर्भर है। लेकिन इन दोनों क्षेत्रों में प्रधानमंत्री की उदासीनता प्रदेशवासियों को आहात करती है। पहलवान बेटियों को न्याय नहीं मिला? महीनों दिल्ली में बैठी रहीं? उनसे मिलने तक प्रधानमंत्री नहीं गए। किसान भाई अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। उनके साथ आंतकियों जैसा सलूक हुआ। ये सब देखकर मेरा मन भाजपा से खिन्न हुआ। मैं ऐसी राजनीति को बारंबार ठोकर मारूंगा, जहां मेरे लोगों का अपमान होता हो? जाट एकता अब एकजुट है। मनोहर लाल खट्टर के साथ जो दिल्ली के नेताओं ने खेला किया है। वो भी गंदी राजनीति से वाकिफ हो चुके हैं। पूरे हरियाणा-पंजाब में भाजपा के खिलाफ लहर फैली हुई है। इनके लोगों को गांव वाले चुनाव प्रचार के लिए नहीं घुसने दे रहे। स्थानीय भाजपा नेता घरों में घुसे हुए हैं। इनकी बेर्शमाई देखिए, ऐसे हालातों में भी ये जीत का दावा करते हैं।

प्रश्नः भाजपा में रहकर आपने क्या देखा?

उत्तरः देखा कि पार्टी में लोकतंत्र नाम की चीज नहीं है। वहां सिर्फ दो लोगों की ही चलती है। बाकी सब 'जी सर-जी सर' करते हैं। पार्षद का टिकट दिलवाने की भी किसी की हिम्मत नहीं? भय के चलते कोई नेता, मंत्री खुलकर अपनी बात नहीं रखता। अगर कोई हिम्मत दिखाता भी, उसका पत्ता साफ कर दिया जाता है। ब्यूरोक्रेट से लेकर अधिकारी-कर्मचारी सभी डरे हुए है। संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों को कुचल दिया गया है। सभी मंत्रालयों की चाबियां मोदी ने अपने पास रखी हुई हैं। उनके बिना इजाजत के कोई मंत्री निर्णय नहीं ले सकते।

प्रश्नः कहते हैं कि भाजपा में आने वाले दूसरें दलों के नेताओं को खूब तवज्जों दी जाती है?

उत्तरः मुझे भी दी थी? लेकिन शुरू-शुरू में? भाजपा तोड़फोड़ में ज्यादा विश्वास रखती है। इस बार लोकसभा चुनाव में वो बाहरी नेताओं को ज्यादा टिकट दे रहे हैं। उनके अपने नेता मुंह ताक रहे हैं। मोदी बाहरी नेताओं को सिर्फ एक मौका देते है, उसके बाद किनारे कर लेते हैं। कांग्रेस से टूटकर जितने भी नेता गए हैं या पहुंच रहे हैं, देखना एक दिन सभी वापस आएंगे। महाराष्ट्र में जो खेल इन्होंने खेला है। दो दलों में दो फाड़ किए हैं, उसका खामियाजा इन्हें चुनावों में भुगतना पड़ेगा। भाजपा महाराष्ट्र से खत्म हो जाएगी। भाजपा के लालच में आकर पार्टी से बगावत करने वाले नेता पश्चापात करेंगे।

अमेरिका में उनके जैसे नेता की सख्त जरूरत: जेपी मॉर्गन

■ बीएनटी न्यूज

जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी के सीईओ जेमी डिमन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के लिए उन्होंने "अविश्वसनीय काम किया है।"

जेमी डिमन ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए आगे कहा कि, वह तमाम चुनौतियों का डटकर सामना कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने इशारों में यह भी कहा कि अमेरिका में भी ऐसे नेता की जरूरत है। जो सभी चुनौतियों का डटकर सामना कर सके। जेपी डिमन ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने प्रयासों से 400 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। वह एक कार्यक्रम में अपने विचार रख रहे थे।

उन्होंने इसके साथ ही यह भी उम्मीद भी जता दी कि इस गर्मी में पीएम मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटने वाले हैं।

जेपी डिमन ने पीएम मोदी शासन के द्वारा हाल के दिनों में भारत में किए गए सुधारों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत में 700 मिलियन लोगों का बैंक अकाउंट है और उनका पेमेंट सीधे उनके खाते में ट्रांसफर हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में अविश्वनीय शिक्षा पद्धति और इंस्फ्रास्ट्रक्टर है। उन्होंने पीएम मोदी के सख्त होने और उनके द्वारा देश के सख्त नौकरशाही प्रणालियों को तोड़ने का भी जिक्र किया। उन्होंने भारत के टैक्स सिस्टम की भी खूब प्रशंसा की और कहा कि राज्यों द्वारा अपनाई गई कर सिस्टम में असामनता को समाप्त करके पीएम मोदी की सरकार ने इससे भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया।

पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर नहीं मिला ईरानी राष्ट्रपति रईसी का समर्थन

■ बीएनटी न्यूज

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने पाकिस्तान की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन यहां मेजबान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश को विफल कर दिया।

संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान अपना प्रारंभिक वक्तव्य देते हुए शरीफ ने इस्लामाबाद और नई दिल्ली के बीच कश्मीर विवाद पर पाकिस्तान का पक्ष लेने के लिए ईरानी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया।

शरीफ ने कहा, "हम कश्मीर मुद्दे पर समर्थन के लिए ईरान के आभारी हैं।" उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने आपसी हित और क्षेत्रीय चिंता के मामलों को चिह्नित किया है और उन पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है।

हालांकि, ईरानी राष्ट्रपति ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के बारे में बात करने पर ध्यान केंद्रित किया।

प्रधानमंत्री आवास पर संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अपने प्रारंभिक वक्तव्य के दौरान उन्होंने कहा, "अब यह स्पष्ट हो गया है कि कैसे संयुक्त राष्ट्र अपने कर्तव्य का पालन करने और गाजा में इजरायल द्वारा निर्दोष फिलिस्तीनियों के चल रहे नरसंहार को रोकने में विफल रहा है।"

ईरानी राष्ट्रपति की टिप्पणियों को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर कश्मीर विवाद पर समर्थन जुटाने के बार-बार के प्रयासों के मामले में इस्लामाबाद की स्पष्ट उपेक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक अब्दुल्ला मोमंद ने कहा, "पाकिस्तान को ईरान और भारत के बीच संबंधों के बारे में बेहतर पता होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री को प्रेस वार्ता के दौरान कश्मीर का उल्लेख करने में सावधानी बरतनी चाहिए थी, यह जानते हुए कि ईरान का मुख्य ध्यान इजरायल के साथ अपने मौजूदा संघर्ष पर है।"

उन्होंने कहा, "कश्मीर मुद्दा और समर्थन जुटाने के लिए पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयास इतने मजबूत नहीं हैं कि किसी देश के रईसी के स्तर के सर्वोच्च नेता से समर्थन में एक बयान मिल सके। यह देखना काफी शर्मनाक था कि हमारे प्रधानमंत्री ने कश्मीर विवाद पर सहायक रुख के लिए ईरानी राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया, एक ऐसा रुख जिसकी रईसी द्वारा न तो पहल की गई थी और न ही उस पर प्रतिक्रिया दी गई।"

हालांकि, दोनों पक्ष व्यापार को कम से कम 10 अरब डॉलर तक बढ़ाने पर सहमत हुए।

रईसी ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा, "हम संबंधों को उच्च स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईरान और पाकिस्तान के बीच व्यापार की मात्रा स्वीकार्य नहीं है। हमने पहले कदम के रूप में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब डॉलर तक बढ़ाने का फैसला किया है।"

दोनों देशों के बीच कम से कम 10 एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए जिनका उद्देश्य व्यापार और विकास की दिशा में आपसी सहयोग बढ़ाना है।

हिजबुल्ला ने इजराइल पर 35 रॉकेट दागे : सेना

इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल की ओर लगभग 35 रॉकेट दागे, जबकि इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले किए। रिपोर्ट के अनुसार, रॉकेटों से सफेद शहर और उत्तरी इजराइल के अन्य क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इजराइली सेना ने कहा कि इजराइली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में रॉकेट लॉन्चरों से हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हमला किया। बयान के मुताबिक, इससे पहले इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में हिजबुल्ला के लड़ाकों पर हमला किया था।

पहली बार आधिकारिक दौरे पर जर्मनी जाएंगे ऋषि सुनक

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पदभार संभालने के 18 महीने बाद पहली बार बर्लिन जाएंगे। अपने जर्मन समकक्ष ओलाफ स्कोल्ज के साथ उनकी बैठक यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और गाजा में युद्ध पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही रवांडा के साथ विवादास्पदब्रिटिश शरण संधि पर भी चर्चा होने की संभावना है जिसे ब्रिटिश संसद ने मंजूरी दी थी। ब्रिटेन चार साल से अधिक समय से यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है, लेकिन फिर भी यह नाटो जी7 और जी20 में जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है। यह देश यूक्रेन का सबसे महत्वपूर्ण यूरोपीय हथियार आपूर्तिकर्ता है और इसने हाल ही में बड़ी मात्रा में नई सैन्य सहायता देने का वादा किया है। जर्मनी में ब्रिटिश शरण संधि ने काफी ध्यान आकर्षित किया है और इसकी आलोचना भी हुई है। वैध कागजात के बिना ब्रिटेन पहुंचने वाले, शरण चाहने वालों को भविष्य में तुरंत पूर्वी अफ्रीकी देश में निर्वासित किया जा सकता है और वे वहां शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। जर्मनी में विपक्ष की ओर से शरण प्रक्रियाओं को यूरोपीय संघ के बाहर के देशों में स्थानांतरित करने की भी मांग की जा रही है।

सिडनी चर्च में चाकूबाजी घटना के बाद छापे में सात नाबालिग गिरफ्तार

■ बीएनटी न्यूज

सिडनी के वेकले चर्च में पादरी को चाकू मारने के मामले के बाद एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया जिसमें पूरे सिडनी में सात नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) की डिप्टी कमिश्नर क्रिसी बैरेट ने एक

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की, "सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, सभी नाबालिग हैं, और अन्य पांच हमारी पूछताछ में पुलिस की सहायता कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "वेकले चाकूबाजी मामले पर हमारी जेसीटीटी (संयुक्त काउंटर टेररिज्म टीम) जांच कर रही है। इस कड़ी में, हमने कथित अपराधी और उसके कुछ साथियों के नेटवर्क के बीच संबंधों की पहचान की है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे हिंसक विचारधारा वाले हैं।"

ऑपरेशन स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:15 बजे शुरू हुआ, जिसमें एएफपी और न्यू साउथ वेल्स पुलिस फोर्स (एनएसडब्ल्यूपीएफ) के 400 से ज्यादा अधिकारी शामिल थे। दक्षिण-पश्चिमी सिडनी में कुल 13 तलाशी वारंट एग्जीक्यूट किए गए हैं।

एनएसडब्ल्यूपीएफ के डिप्टी कमिश्नर डेविड हडसन ने कहा कि 16 वर्षीय अपराधी की गिरफ्तारी के बाद कई सहयोगियों की पहचान की गई, जिन पर और अधिक ध्यान देने और जांच की आवश्यकता है।

हडसन ने कहा, "ये धार्मिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथी विचारधारा वाला हैं। घटना के बाद से ये जांच आगे बढ़ रही है। जांच में व्यापक निगरानी गतिविधियां और उन व्यक्तियों की गहन जांच शामिल है।"

डिप्टी कमिश्नर ने कहा, "वे सभी एक-दूसरे को जानते हैं, कुछ तो काफी करीब से जानते हैं, सभी का एक ही मकसद था।"

15 अप्रैल को, स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 7:10 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि सिडनी के वेकली चर्च में पादरी को चाकू मारा गया है। 53 वर्षीय पादरी को सिर पर गंभीर चोटें आयी थी।

एक 16 वर्षीय नाबालिग को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ आतंकवादी घटना में शामिल होने का आरोप है। इस अपराध के तहत अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

■ बीएनटी न्यूज

रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।

रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा, "रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है।"

रिपोर्ट के अनुसार, मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है।

समाचार एजेंसी तास (टीएएसएस) के अनुसार, इवानोव को मई 2016 में उप रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। इस पद पर वह सशस्त्र बलों के लिए संपत्ति प्रबंधन, सेना की तैनाती, आवास और चिकित्सा सहायता के आयोजन के साथ-साथ राज्य रक्षा आदेश के तहत खरीद की देखरेख के प्रभारी थे।

इजरायली हिंसा के विरोध में वेस्ट बैंक में हड़ताल

■ बीएनटी न्यूज

तुल्कर्म और गाजा पट्टी के शरणार्थी शिविरों में इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों की हत्या के विरोध में वेस्ट बैंक में रविवार को हड़ताल है।

हड़ताल का आह्वान अन्य समूहों के अलावा फतह आंदोलन ने भी किया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रामल्लाह की सड़कों पर बहुत कम गाड़ियां दिखी और दुकानें बंद हैं।

इस बीच, उत्तरी वेस्ट बैंक शहर हेब्रोन में रविवार सुबह इजरायली सैनिकों ने दो फिलिस्तीनियों की गोली मारकर हत्या कर दी।

फि लिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उसे

इजरायल के अधिकारियों ने ही मौत की सूचना दी।

इजरायली सेना के मुताबिक, फिलिस्तीनियों ने पहले एक चेकपॉइंट पर इजरायली सैनिकों पर हमला किया था।

7 अक्टूबर को गाजा पट्टी में इजरायल और उग्रवादी फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में स्थिति काफी खराब हो गई है। अकेले वेस्ट बैंक में ही 450 से अधिक फि लिस्तीनी मारे जा चुके हैं, उनमें से अधिकांश की मौत इजरायली हमलों में हुई।

उधर गाजा में पिछले छह महीनों में 33,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और कई हजार से अधिक घायल हुए हैं।

इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया। सेना के मुताबिक उसने कम से कम 10 बंदूकधारियों को मार गिराया। तुल्कर्म में नूर शम्स रिफ्यूजी कैंप में लड़ाई में इजरायली सुरक्षा बल के नौ सदस्य घायल हो गए।

वेस्ट बैंक में स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऑपरेशन में 14 लोगों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की बात कही है, जिनमें 16 साल का एक बच्चा भी शामिल है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत विकास की दिशा में बढ़ रही है: औरंगजेब

■ बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के संघीय वित्त एवं राजस्व मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने मजबूत आर्थिक विकास और समेकित सामाजिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

रिपोर्ट के अनुसार, औरंगजेब ने यहां एक व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश और विदेश में ढेर सारी चुनौतियों के बावजूद पाकिस्तान ने समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और आर्थिक संकेतकों में सुधार के लिए उपाय किए

हैं, जो अर्थव्यवस्था के लिए आशावादी दृष्टिकोण का संकेत है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि देखी गई है और पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। सकारात्मक भावनाएं बाजार के विश्वास को बहाल करने में मदद कर रही हैं।

इसके अलावा, औरंगजेब ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीतियां पेश की जा रही हैं और देश इस संबंध में अन्य देशों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, देश में कृषि क्षेत्र में बंपर पैदावार के साथ उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे औद्योगिक क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा कि सरकार कर, ऊर्जा क्षेत्र के मंचों और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में सुधार सहित प्रमुख क्षेत्रों के परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, उन्होंने कहा कि उच्च विकास के लिए कर आधार को बढ़ाया जा रहा है।

ब्लिंकेन के दौरे से पहले चीन ने अमेरिका पर आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया

■ बीएनटी न्यूज

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन की चीन यात्रा से पहले बीजिंग ने वाशिंगटन पर उसके आंतरिक मामलों में बारम्बार दखल देने और हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

सरकारी समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के एक अनाम प्रतिनिधि के हवाले से कहा, "अमेरिका चीन को नियंत्रित करने की रणनीति को आगे बढ़ा रहा है, गलत शब्दों और कार्यों को अपना रहा है जो चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हैं, चीन की छवि को धूमिल करते हैं और चीन के हितों को कमजोर करते हैं।" ब्लिंकन की चीन यात्रा शुरू हो रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, "चीन इस तरह के कदमों का दृढ़ता से विरोध करता है और उसने मजबूत जवाबी कदम उठाए हैं।"

रिपोर्ट के अनुसार, यह सच है कि अप्रैल में चीनी सरकार के प्रमुख शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच आखिरी टेलीफोन बातचीत के बाद से संबंध स्थिर हो गए हैं, हालांकि "द्विपक्षीय संबंधों में अभी भी महत्वपूर्ण नकारात्मक कारक हैं"।

मंत्रालय ने सबसे हालिया उदाहरण के रूप में, ब्लिंकेन के आरोपों का हवाला दिया कि चीन इलेक्ट्रिक कारों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अत्यधिक उत्पादन के साथ वैश्विक बाजारों को भर रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि यह "तथाकथित 'अतिक्षमता' भ्रामक कहानी है... असली इरादा चीन के औद्योगिक विकास पर लगाम लगाना और अमेरिका को बाजार प्रतिस्पर्धा में अधिक लाभप्रद स्थिति में लाना है। यह पूरी तरह से आर्थिक दबाव बनाने का एक और उदाहरण है ।"

ब्लिंकेन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर शंघाई और बीजिंग जाने की योजना है। वाशिंगटन से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत में संचार में सुधार और गलत निर्णयों तथा संघर्षों के जोखिम को कम करने पर ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है।

ब्लिंकेन उन मुद्दों पर भी स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से अपनी बात रखने की योजना बना रहे हैं जो अमेरिका के लिए चिंता का कारण हैं - जैसे चीन की मानवाधिकार स्थिति, अनुचित आर्थिक और व्यापार प्रथाएं या रूस के रक्षा उद्योग के लिए चीन का समर्थन। मध्य पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति पर भी चर्चा होने की संभावना है।

पिछले साल नवंबर में, बाइडेन और शी बिना सीधे संपर्क के एक साल बाद कैलिफोर्निया में मिले थे। इसके बाद दोनों सरकारों के सदस्यों के बीच उच्चतम स्तर पर बातचीत हुई।

नेपाल के मनासलु में भारी हिमस्खलन, किसी के हताहत की खबर नहीं

नेपाल के मानसलू पर्वत पर हिमस्खलन हुआ। बर्फ बीरेंद्र झील के पास आ गया। इससे झील में उफान पर आ गया और पानी नीचे बूढ़ीगंडकी नदी में बहने लगा। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बूढ़ीगंडकी में संभावित बाढ़ पर चिंता जताई है। पुलिस ने बताया कि दुनिया की आठवीं सबसे ऊंची चोटी मनासलु में हिमस्खलन की जानकारी मिलने के बाद एक टीम को मौके पर भेजा गया।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू हमास पर बढ़ाएंगे दबाव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर सैन्य कार्रवाई तेज करने का ऐलान किया है। अपने एक संबोधन में नेतन्याहू ने आने वाले दिनों में कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि उन्होंने समय और स्थान के बारे में खुलासा नहीं किया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, "हम और ज्यादा दर्दनाक हमला करेंगे, और यह जल्द ही होगा।" उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में, इजराइल हमास पर सैन्य और राजनयिक दबाव बढ़ाएगा, क्योंकि अपने बंधकों को मुक्त कराने और जीत हासिल करने का यही एकमात्र तरीका है।

आसियान की बैठक में बोले विदेश मंत्री जयशंकर, ग्लोबल साउथ के लिए बड़ी भूमिका का समय आ गया है

■ बीएनटी न्यूज

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के केंद्र में है। ग्लोबल साउथ (विकासशील और पिछड़े देशों) को अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करना होगा और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में एक बड़ी भूमिका निभानी होगी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने वियतनाम की पहल पर और उसकी मेजबानी में आयोजित पहले आसियान फ्यूचर फोरम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि नई दिल्ली के व्यापक हिंद-प्रशांत विजन में क्षेत्रीय समूह भी एक "महत्वपूर्ण स्तंभ" है।

विदेश मंत्री ने 'जन-केंद्रित आसियान समुदाय के तेज और सतत विकास की ओर' शीर्षक वाले फोरम के उद्घाटन सत्र में अपनी टिप्पणी में कहा, "आज, एक बहुध्रुवीय एशिया और एक बहुध्रुवीय दुनिया तेजी से सामने आ रही है। यह उभरती विश्व व्यवस्था की वास्तविकताओं से निपटने में आसियान और भारत की एक महत्वपूर्ण भूमिका का अनावरण करता है। यह भारत और आसियान के बीच अधिक सहयोग और समन्वय की आवश्यकताओं को रेखांकित करता है।"

उन्होंने कहा कि भारत और आसियान पड़ोसी हैं, सहस्राब्दी पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को साझा करते हुए, यह रिश्ता अब अपने चौथे दशक में प्रवेश कर गया है, जो साझा मूल्यों और आम आकांक्षाओं के आधार पर एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में परिपक्व हो रहा है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पिछले साल भारत की जी20

अध्यक्षता के दौरान नई दिल्ली ने कई आसियान सदस्य देशों की भागीदारी के साथ वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी।

जयशंकर ने कहा, "हम आसियान एकता, आसियान केंद्रीयता और हिंद प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। भारत वास्तव में मानता है कि एक मजबूत और एकीकृत आसियान हिंद-प्रशांत के उभरते क्षेत्रीय ढांचे में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है।"

मंत्री ने कहा कि भारत के हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) और हिंद-प्रशांत पर आसियान आउटलुक (एओआईपी) के बीच तालमेल, जो आसियान-भारत नेताओं के संयुक्त वक्तव्य में परिलक्षित होता है, सहयोग के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करता है, जिसमें व्यापक सुरक्षा चुनौतियों का समाधान भी शामिल है।

विदेश मंत्री ने कहा, "हमने 2023 में पहला आसियान-भारत समुद्री अभ्यास आयोजित किया था और हमारा लक्ष्य दूसरे संस्करण को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख पर आयोजित करने का है। लाल सागर में हमारे हालिया अभियानों से आसियान सदस्य देशों की सुरक्षा और समर्थन के साथ चालक दल की निकासी संभव हो सकी है।

"एक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता और प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में भारत की क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर) की पहल का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता की दिशा में योगदान करना है।

यह महत्वपूर्ण है कि नेविगेशन, ओवरफ्लाइट और निर्बाध की वाणिज्य की स्वतंत्रता का सभी सम्मान करते हैं और इसके लिए मिलकर मदद देते हैं।"

इससे पहले, आसियान महासचिव काओ किम होर्न ने आसियान और उसके भागीदारों के लिए नए विचारों और नीति सिफारिशों को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में आसियान फ्यूचर फोरम की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने भविष्य पर विचार करने के लिए इस तरह के मंच के आयोजन की प्रासंगिकता पर जोर दिया, खासकर इस समय जब संगठन आसियान समुदाय विजन 2045 पर काम कर रहा है और अपनी रणनीतिक योजनाएं तैयार कर रहा है।

एक तरफ मुइज्जू की अग्नि परीक्षा शुरू, दूसरी तरफ घटी भारतीय पर्यटकों की संख्या

■ बीएनटी न्यूज

'इंडिया आउट' का नारा देने वाले मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की अग्नि परीक्षा शुरू हो गई है। मालदीव में संसदीय चुनाव हो रहे हैं। इन सब के बीच मालदीव के लिए एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने वहां की सरकार को परेशान कर दिया है। दरअसल भारत और मालदीव के रिश्तों में आई खटास के बाद से भारतीयों की तरफ से सोशल मीडिया पर मालदीव पर्यटन का बहिष्कार शुरू कर दिया गया था। इसका असर भी अब वहां देखने को मिल रहा है। मालदीव सरकार के हालिया आंकड़ों के मुताबिक मालदीव घूमने जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है।

ऐसे में अब जो रिपोर्ट सामने आई है, उसकी मानें तो 2024 की पहली तिमाही में मालदीव की यात्रा करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। मालदीव ने अपनी पहली तिमाही पर्यटन रिपोर्ट जारी की है, जिसमें ये खुलासा हुआ है।

इन आंकड़ों के मुताबिक मालदीव में इस तिमाही में सबसे ज्यादा पर्यटक चीन से पहुंचे। जबकि भारत, जो मालदीव का दूसरा पड़ोसी देश है, वहां से मालदीव जाने वालों की संख्या घटकर छठवें स्थान पर पहुंच गई।

आंकड़ों के मुताबिक चीन के बाद रूस से सबसे अधिक पर्यटक मालदीव पहुंचे हैं। इसके बाद यूरोप-यूके, इटली व जर्मनी का नंबर है।

आंकड़ों के अनुसार मार्च 2023 की तुलना में मार्च 2024 में भारतीय पर्यटकों की संख्या में 54 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बता दें कि जनवरी और मार्च 2023 के बीच मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 56,208 थी, जो इस साल जनवरी-मार्च के बीच घटकर 34,847 हो गई।

इराक में ईरान समर्थक मिलिशिया के सैन्य अड्डे पर विस्फोट में एक की मौत

■ बीएनटी न्यूज

इराक में एक शक्तिशाली ईरान-सहयोगी मिलिशिया के सैन्य अड्डे पर विस्फोट में एक मिलिशिया सैनिक की मौत हो गई, वहीं आठ अन्य के घायल होने की खबर है।

इराक की आधिकारिक समाचार एजेंसी के अनुसार, सुरक्षा मीडिया सेल ने कहा, "इराक के बाबिल प्रांत के कैंप कलसू में इराकी सुरक्षा बलों और पॉपुलर मोबिलाइजेशन यूनिट्स के आवासीय परिसर में शनिवार तड़के विस्फोट और आग लगने से ये मौत हुईं।"

विस्फोट और आग के कारणों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है, प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा गया है कि घटना के पीछे सैन्य कार्रवाई थी।

हालांकि एक इराकी सुरक्षा अधिकारी ने पहले कहा था कि कलसू बेस पर मिसाइलों या ड्रोन से हमला किया गया था।

बाबिल सुरक्षा समिति के प्रमुख मुहानेद अल-एनाजी ने टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणी में कहा कि हमले से उस स्थान पर आग लग गई जहां पीएमयू और इराकी सुरक्षा बलों की ब्रिगेड रहती हैं।

अधिकारी ने कहा, "आग बुझा दी गई है। हमला ड्रोन से या मिसाइलों से किया गया, इसको लेकर जांच चल रही है, इस बात की भी जांच की जा रही है कि इस घटना के पीछे कौन है।"

यह कथित हमला इस्लामी गणतंत्र की कुछ परमाणु सुविधाओं वाले ईरानी प्रांत इस्फहान में एक संदिग्ध इजरायली हमले के एक दिन बाद हुआ।

ईरान समर्थक मिलिशिया समूह ने बाबिल में हमले के पीछे इजरायल का हाथ होने का आरोप लगाया है।

इराक में स्वयंभू इस्लामी प्रतिरोध ने हमले के जवाब में दक्षिणी इजरायली तटीय शहर इलियट पर एक महत्वपूर्ण लक्ष्य पर ड्रोन से हमला करने का दावा किया।

इजरायली सेना ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने की इजराइल पर ईरान के हमले की निंदा

■ बीएनटी न्यूज

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई है। इसमें ईरान द्वारा इजराइल पर किए जा रहे ड्रोन और मिसाइल हमले पर चर्चा की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने पर चिंता जताई है।

ईरानी हमलों के कुछ ही मिनटों के भीतर, इजराइल ने माल्टा की परिषद अध्यक्ष वैनेसा फ्रैज़ियर से बैठक बुलाने का आग्रह किया।

गुटेरेस ने कहा, "मैं इस्लामी गणतंत्र ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की निंदा करता हूं।"

उन्होंने कहा, "मैं सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने का आग्रह करता हूं।"

ईरान ने कहा कि यह हमला 1 अप्रैल को सीरिया में उसके राजनयिक मिशन पर इजराइल के हमले का जवाब है। उस हमले में उसके दो जनरलों की मौत हो गई थी।

इजराइल ने कहा कि ईरान ने लगभग 200 मिसाइलें और ड्रोन दागे, इनमें से अधिकांश को मार गिराया गया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

तेहरान से संबंध रखने वाले हिजबुल्लाह की भी इजराइल के साथ झड़प हुई है।

गुटेरेस और फ्रेज़ियर को लिखे एक पत्र में, ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने कहा कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अपने अधिकार का उपयोग कर रहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने यह भी कहा, "मामले को समाप्त माना जा सकता है।"

महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने क्षेत्र में तनाव बढ़ने के खतरे पर चिंता व्यक्त की और कहा, "मुझे उम्मीद है कि ईरानी अधिकारी अपने वचन का सम्मान करेंगे कि आज की उनकी कार्रवाई से मामले को समाप्त माना जा सकता है।"

बैठक के लिए परिषद अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में, इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाद एर्दान ने हमले के लिए ईरान की निंदा करने और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को एक आतंकवादी संगठन करार देने का आह्वान किया। गुटेरेस ने एक अप्रैल को "दमिश्क में ईरान के राजनयिक परिसरों प इजराइली हमले की निंदा की थी और सभी से संयम बरतने का आह्वान किया था।

पाकिस्तान में बारिश से होने वाली दुर्घटनाओं में 71 की मौत, 67 घायल

■ बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश और बिजली गिरने से चार दिनों में 71 लोगों की मौत हो गई और 67 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के एक अधिकारी ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जहां छत गिरने और बिजली गिरने सहित विभिन्न घटनाओं में 32 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा में मृतकों में 15 बच्चे और पांच महिलाएं हैं, जबकि 41 अन्य घायल हुए हैं और 1,370 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि पूर्वी पंजाब में 23 लोगों की जान चली गई और सात घायल हो गए, दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान में आठ लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। इस अवधि के दौरान पाकिस्तान नियंत्रित कश्मीर में भारी बारिश के कारण कम से कम आठ लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए और 47 घर नष्ट हो गए। एनडीएमए ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल से 29 अप्रैल तक देश में तेज बारिश और तूफान आने की संभावना है, जिससे देश भर के विभिन्न हिस्सों में खतरा पैदा हो सकता है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर चुनाव से पहले मंडरा रहे संकट के बादल

■ बीएनटी न्यूज

डोनाल्ड ट्रंप का ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया, जिससे वह अमेरिकी इतिहास में आपराधिक मामले का सामना करने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए, जिससे नवंबर में होने वाले चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को लेकर कई सवाल खड़े हो गए।

दुनियाभर में रुचि के साथ देखे गए एक मुकदमे में ट्रंप को एक पोर्न अभिनेत्री को यौन संबंध बनाने के आरोपों के बारे में चुप कराने के लिए अपनी कंपनी के व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी कर उसे पैसे देने के आरोप में आपराधिक सजा और जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप की डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडेन पर मामूली बढ़त है। चुनाव से सात महीने पहले उन्हें मैनहट्टन कोर्ट रूम में सप्ताह में चार दिन पेश होना पड़ेगा।

इस मुकदमे में भले ही उन्हें दोषी ठहराया जाए, मगर उन्हें राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने और चुने जाने से अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि संविधान आपराधिक सजा वाले उम्मीदवार पर मौन है।

मैनहट्टन मामला संभवतः चुनाव से पहले सुनवाई के लिए आने वाला एकमात्र आपराधिक मामला होगा, क्योंकि जॉर्जिया में चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप वाला दूसरा मामला जो तेजी से आगे बढ़ रहा था, आरोपों के कारण अटक गया है। अभियोजक ने ट्रंप के खिलाफ हितों का टकराव पैदा करने के मामले में मुकदमा चलाने में मदद के लिए एक ब्वॉयफ्रेंड को करदाताओं को 650,000 डॉलर देने की कीमत पर काम पर रखा था।

ट्रंप के खिलाफ 6 जनवरी, 2021 के दंगों के कारण चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप वाला संघीय आपराधिक मामला भी लंबित है। यह मामला उस समय का है, जब कांग्रेस को बाइडेन के चुने जाने की पुष्टि करने से रोकने के लिए उनके समर्थकों ने कैपिटल में तोड़-फोड़ की थी। सुप्रीम कोर्ट को अब राष्ट्रपति पद के उनके दावों पर फैसला करना है।

उनके खिलाफ एक और लंबित संघीय आपराधिक मामला वर्गीकृत दस्तावेजों को नष्ट करने को लेकर है।

ट्रंप ने अदालत कक्ष में प्रवेश करने से पहले कहा : "यह राजनीतिक उत्पीड़न है, यह ऐसा उत्पीड़न है जैसा पहले कभी नहीं हुआ, किसी ने भी ऐसा कभी नहीं देखा है।"

अभियोजकों ने कहा है कि अभियोजन केवल यह दशार्ता है कि लोकतंत्र में कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

वह जब निजी गुप्त सेवा गार्डों के साथ एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन में पहुंचे, तो बाहर उनका समर्थन करने वाले और उनका विरोध करने वाले लोग चिल्लाते हुए वहां जमा हो गए।

अदालत कक्ष के अंदर ट्रंप अपने वकीलों के साथ एक मेज पर बैठे। उन्होंने अंतिम समय में न्यायाधीश जुआन मर्चन पर पक्षपाती होने का आरोप लगाते हुए उन्हें खुद को सुनवाई से अलग करने के लिए कहा। मर्चन के साथ ट्रंप की कई झड़पें हुई हैं, उन्होंने मांग ठुकरा दी और मुकदमे को आगे बढ़ाया।

मैनहट्टन के उप लोक अभियोजक जोशुआ स्टीनग्लास ने ट्रंप के खिलाफ मामलों की दोबारा गिनती शुरू की। उन्होंने कहा कि कुल 34 आरोप हैं। उन्होंने बचाव पक्ष के वकीलों के साथ बातचीत की कि विवादों पर मर्चन के सामने कौन से सबूत पेश किए जा सकते हैं।

राज्य प्रक्रियाओं के तहत मुकदमे का शुरूआती चरण 12 जूरी सदस्यों का चयन है, जो शुरू होने वाला है। अभियोजक और बचाव पक्ष के वकील उन संभावित जूरी सदस्यों की बारीकी से जांच करेंगे जो उन पूर्वाग्रहों की तलाश कर रहे हैं जो उनके मामले को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उन लोगों को जूरी में बैठने से रोकने की कोशिश करेंगे, जिन्हें वे पक्षपाती मानते हैं।

मैनहट्टन के लोक अभियोजक एल्विन ब्रैग, जो इस पद के लिए निर्वाचित डेमोक्रेट हैं, उनके द्वारा लाया गया मामला 130,000 डॉलर पर केंद्रित है, जो 2016 के चुनाव अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप कराने के साथ एक और सेक्स स्कैंडल से बचने के लिए उन्हें उनके पूर्व वकील माइकल कोहेन के जरिए भुगतान किया गया था।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि भुगतान को कॉर्पोरेट कानूनी खर्चों के रूप में छिपाया गया था, जो राज्य कानून का उल्लंघन है। ट्रंप कई सिविल मामलों में भी फंसे हुए हैं।

एक संघीय अदालत में चल रहे एक अन्य सिविल मामले में ट्रंप को एक महिला को बदनाम करने के कारण 83 मिलियन डॉलर का हजार्ना देने का आदेश दिया गया था। महिला ने उन पर उसके बयानों को बार-बार नकारने और उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था।

पाक के विदेश मंत्री ने भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने की वकालत की

■ बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के साथ व्यापार दोबारा शुरू करने पर देश के व्यापारिक समुदाय के साथ आंतरिक परामर्श शुरू किया है।

विदेश मंत्री का ताजा बयान उनके पिछले बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने पड़ोसी देश के साथ व्यापार फिर से शुरू करने की इच्छा व्यक्त की थी। डार ने इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि देश के व्यापारिक समुदाय ने भारत के साथ व्यापार मार्गों को फिर से खोलने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि सामान्य वस्तुओं और दवा का व्यापार पहले से ही दुबई सहित विभिन्न मार्गों से हो रहा है, जिससे व्यापार और व्यवसाय की लागत बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि उनके पहले के बयान, जिसमें उन्होंने व्यापार मार्गों को फिर से खोलने और भारत के साथ व्यापार करने की अपनी आकांक्षा व्यक्त की थी, व्यापारिक समुदाय की मजबूत सिफारिशों और मांगों पर आधारित थे। मंत्री ने कहा कि वह एक योजना पर काम कर रहे हैं जिसमें संबंधित हलकों से चर्चा और अनुमोदन शामिल है।

विदेश मंत्री का बयान ऐसे वक्त आया है जब उनकी ही पार्टी के सहयोगी और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि मौजूदा कश्मीर विवाद के कारण भारत के साथ व्यापार की संभावना शून्य है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि डार का बयान उत्साहजनक है, लेकिन यह अभी भी अनिश्चित बना हुआ है कि क्या यह सैन्य प्रतिष्ठान और कैबिनेट सहित अन्य संबंधित मंत्रालयों से अनुमोदन के माध्यम से आगे बढ़ सकेगा, जिसने भारत से संबंधित मामलों पर कठोर रुख बनाए रखा है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक अदनान शौकत ने कहा, "पाकिस्तान की आधिकारिक स्थिति यह है कि वह भारत के साथ व्यापार पर तब तक कोई बातचीत नहीं करेगा जब तक कि कश्मीर के मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी जाती। इसे ध्यान में रखते हुए, मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान के लिए व्यापार फिर से शुरू करना कोई आसान कदम होगा।"

इस्लामाबाद स्थित वरिष्ठ पत्रकार कामरान यूसुफ ने कहा कि व्यापारिक समुदाय की चिंताएं उचित हैं क्योंकि वाघा-अटारी सीमा के माध्यम से भारत के साथ व्यापार की लागत दुबई के माध्यम से व्यापार की तुलना में बहुत सस्ती होगी।

उन्होंने कहा, "हालांकि, हमें यह ध्यान में रखना होगा कि यह व्यापारिक समुदाय के साथ किये जा रहे परामर्श का केवल एक प्रारंभिक चरण है और कोई भी ठोस परिणाम प्राप्त करने से पहले बहुत कुछ किया जाना बाकी है। दूसरे, भारत इसमें शामिल है जहां इस समय चुनाव का चरण चल रहा है और जब तक वह खत्म नहीं हो जाता, मुद्दे पर कोई स्पष्टता नहीं होगी।"

तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन करेंगे इस्तांबुल में हमास प्रमुख से मुलाकात

■ बीएनटी न्यूज

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन इस्तांबुल में आतंकवादी संगठन हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हनियेह से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि दोनों गाजा युद्ध पर चर्चा करेंगे। तुर्की समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, हनियेह ने गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई पर कतर में तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान से बातचीत की थी।

एर्दोगन सार्वजनिक रूप से हमास का समर्थन करते हैं। इस सप्ताह की शुरूआत में, उन्होंने संसद को संबोधित करते हुए हमास की तुलना 1920 के दशक के तुर्की के स्वतंत्रता सेनानियों से की थी।

हालांकि तुर्की ने गाजा युद्ध में मध्यस्थता की भूमिका निभाने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। अमेरिका, कतर और मिस्र की मध्यस्थता वाली वार्ता अब तक विफल रही है।

7 अक्टूबर को इजरायल में हमास ने बड़ा हमला किया था जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे। उसी के खिलाफ इजरायल जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इजरायल के गाजा में हवाई और जमीनी हमले में 33,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

मोदी सरकार एक और कूटनीतिक सफलता की ओर अग्रसर, ईरान के कब्जे से भारतीयों की सुरक्षित वापसी का जल्द मिलेगा समाधान

■ बीएनटी न्यूज

हाल ही में नरेंद्र मोदी सरकार की सफल कूटनीति का नतीजा सामने आया, जब कतर में मौत की सजा पाए भारतीय नौसेना के 8 पूर्व अफसरों की रिहाई संभव हो पाई। वह सुरक्षित स्वदेश लौट आए। इस सबके साथ ही अब ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव के दरम्यान इजरायल का एक मालवाहक जहाज इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है।

बता दें कि इजरायल के इस मालवाहक जहाज को ईरान ने कब्जे में लिया है। इस जहाज में कुल 25 लोग सवार हैं, जिनमें 17 भारतीय हैं और इसमें एक महिला भी है।

अब इस मामले में भी भारतीय कूटनीति और भारतीय विदेश नीति की एक और बड़ी जीत देखने को मिल रही है। जहाज पर ईरान द्वारा पकड़े गए भारतीयों की सुरक्षित रिहाई के लिए भारत सरकार की तरफ से रास्ता तलाशा जा रहा है।

ईरान की तरफ से हार्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक इजरायली जहाज पर कब्जा किया गया है। इस जहाज पर 17 भारतीयों के होने की सूचना के बाद भारत का विदेश मंत्रालय एक्टिव हो गया और अब ईरान के विदेश मंत्री का भी इस मामले पर बयान आ गया।

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने इस मामले को लेकर कहा कि मालवाहक जहाज पर जो 17 भारतीय मौजूद हैं, उनसे भारतीय अधिकारियों को मिलने की अनुमति दी जाएगी। अमीर-अब्दुल्लाहियन ने टेलीफोन पर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यह जानकारी दी। जबकि, जयशंकर ने इस मालवाहक जहाज पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्यों को रिहा करने के लिए कहा था।

इसके साथ खबरों की मानें तो भारतीय अधिकारी 17 देशवासियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए ईरान के संपर्क में हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान द्वारा कब्जे में लिए गए मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों को वापस लाने का पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी न केवल देश के अंदर बल्कि विदेशों में भी काम करती है।

इससे पहले रूस और यूक्रेन के युद्ध ग्रस्त इलाके से हो, फिलिस्तीन-इजरायल की जंग के दौरान हो, सूडान में फंसे भारतीयों को निकालना हो या कोविड महामारी के समय विदेशों में फंसे नागरिकों को देश वापस लाना हो, मोदी सरकार ने ऐसा बार-बार करके दिखाया है।

बता दें कि नरेंद्र मोदी सरकार की सफल विदेश नीति का ही नतीजा रहा है कि विदेशों में फंसे भारतीयों को हर आपात स्थिति में दुनिया के किसी कोने से भी निकालने में हम सक्षम रहे हैं। इतना ही नहीं भारतीय नागरिकों के अलावा विदेशी नागरिकों को भी लगातार ऐसी स्थिति में भारत ने हरसंभव मदद किया और अपने नागरिकों के साथ दूसरे देश के नागरिकों को जिनको सुरक्षा की जरूरत थी, मुहैया कराकर सुरक्षित वहां से बाहर लेकर आए।

पूरी दुनिया में जहां भी किसी तरह का संकट या आपदा की स्थिति बनी वहां से भारतीयों को बाहर निकालने में मोदी सरकार ने सफलता पाई और यह उनकी कूटनीतिक जीत के तौर पर देखा जा सकता है। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय दुनियाभर के संकटग्रस्त देशों में फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाता रहा है। बीते नौ सालों में विदेश मंत्रालय ने कई देशों से हजारों भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

मोदी सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत युद्धग्रस्त यूक्रेन से 22,500 से अधिक भारतीयों को निकाला। वैसे ही ऑपरेशन कावेरी के तहत 2023 में सूडान में फंसे 3,800 से ज्यादा भारतीयों को वहां से बाहर निकाला था। अफगानिस्तान में तालिबान के द्वारा कब्जा किए जाने के साथ साल 2021 में ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत लगभग 1,200 लोगों की सुरक्षित वतन वापसी कराई गई थी। इन लोगों में अफगान हिंदू/सिख अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाले 206 अफगान भी शामिल थे।

यमन में सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच जंग छिड़ी तो 2015 में मोदी सरकार के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन राहत के तहत वहां से लगभग 5,600 लोगों को निकाला गया था। वहीं फरवरी 2019 में विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पाकिस्तान से सुरक्षित वापस लाया गया। इसके साथ ही कोरोना महामारी के दौरान मोदी सरकार ने विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन चलाया था। इस मिशन के तहत लाखों की संख्या में भारतीयों को स्वदेश लाया गया था।

2015 में नेपाल में आए भूकंप के बाद सरकार की तरफ से ऑपरेशन मैत्री चलाया गया था। इसके तहत सेना-वायु सेना के संयुक्त ऑपरेशन में 5,000 से अधिक भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई थी। भारतीय सेना ने इस दौरान अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और जर्मनी के 170 विदेशी नागरिकों को भी वहां से सफलतापूर्वक निकाला था।

एलन मस्क भारत दौरा स्थगित

■ बीएनटी न्यूज

एलन मस्क ने पुष्टि की कि टेस्ला के महत्वपूर्ण तिमाही नतीजों के बीच वह अगले सप्ताह भारत का दौरा नहीं कर पाएंगे। हो सकता है इस साल के अंत में वो भारत आएं।

प्रमुख निवेश फर्म वेसबश सिक्योरिटीज की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला के सीईओ को 23 अप्रैल को कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान पांच प्रमुख मुद्दों पर बात करनी है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन पांच प्रमुख मुद्दों पर बात करेंगे उनमें चीन में निगेटिव ग्रोथ को उलटने की रणनीति और मूल्य निर्धारण योजनाएं, 2024 का लक्ष्य और वित्तीय दृष्टिकोण, रोबोटैक्सिस विकास के साथ-साथ टेस्ला मॉडल 2 लॉन्च करने के लिए प्रतिबद्धता, एआई पहल और स्वामित्व संबंधी चिंता और रणनीति और मुद्रीकरण की रूपरेखा तैयार करने के लिए एआई डे की घोषणा शामिल है।

अर्निंग कॉन्फ्रेंस कॉल 'कंपनी के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पलों में से एक' हो सकती है।

वेसबश विश्लेषकों ने कहा, "अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विश्व ईवी मार्केट ने टेस्ला की नैरेटिव को 'निकट अवधि में सिंड्रेला स्टोरी से एक हॉरर शो में बदल दिया है'।"

कंपनी ने विश्व स्तर पर अपने कर्मचारियों की संख्या में 10 प्रतिशत या लगभग 14 हजार कर्मचारियों की कटौती की है। टेस्ला ने लगभग 25 हजार डॉलर में कम लागत वाली ईवी विकसित करने की योजना भी रद्द कर दी है।

इससे पहले दिन में एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया था कि दुर्भाग्य से, "टेस्ला में कई सारे दायित्वों के कारण भारत की यात्रा में देरी होगी।"

एलन मस्क ने कहा, "लेकिन मैं इस साल के अंत में भारत आने के लिए बहुत उत्सुक हूं।"

आरबीआई ने देश के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सहायक छह कारकों को किया रेखांकित

■ बीएनटी न्यूज

भारत के हालिया विकास प्रदर्शन ने कई पंडितों को आश्चर्यचकित कर दिया है, जिससे आईएमएफ तथा दूसरे वित्तीय संस्थानों में पूर्वानुमान बढ़ाने की होड़ लग गई है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रकाशित अपने मासिक बुलेटिन में उन छह कारकों का उल्लेख किया है जो देश के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सर्वाधिक योगदान देंगे।

आरबीआई बुलेटिन में बताया गया है कि क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था पहले से ही दुनिया में तीसरे नंबर पर है। ओईसीडी के दिसंबर 2023 के अपडेट के अनुसार, भारत पीपीपी के मामले में 2045 तक अमेरिका से आगे निकल जाएगा और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। बुलेटिन के अनुसार, "भारत की उड़ान को गति देने वाले समर्थक कारक" इस प्रकार हैं :

* विकास की बढ़ती प्रोफाइल को जनसांख्यिकी से मदद मिल रही है। वर्तमान में, देश में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा आबादी है। औसत आयु लगभग 28 वर्ष है; जो 2050 के दशक के मध्य तक बुढ़ापे की उम्र में नहीं पहुंचेगी। इस प्रकार, भारत के पास तीन दशक से अधिक समय तक जनसांख्यिकीय का लाभ रहेगा। यह व्यापक रूप से उम्र बढ़ने की चुनौती का सामना कर रही दुनिया के विपरीत है।

* भारत का विकास प्रदर्शन ऐतिहासिक रूप से घरेलू संसाधनों पर आधारित रहा है, जिसमें विदेशी बचत एक छोटी और पूरक भूमिका निभाती है। यह चालू खाता घाटा (सीएडी) में भी परिलक्षित होता है, जो सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.5 प्रतिशत की स्थायी सीमा के भीतर रहता है। वर्तमान में, सीएडी का औसत लगभग एक प्रतिशत है, और यह बाह्य क्षेत्र के लचीलेपन के विभिन्न संकेतकों से जुड़ा है। उदाहरण के तौर पर, बाह्य ऋण सकल घरेलू उत्पाद के 20 प्रतिशत से नीचे है और शुद्ध अंतर्राष्ट्रीय निवेश देनदारियां 12 प्रतिशत से नीचे हैं।

*कोविड महामारी के बाद अपनाए गए राजकोषीय समेकन के क्रमिक मार्ग ने मार्च 2024 तक सामान्य सरकारी घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 8.6 प्रतिशत

और सार्वजनिक ऋण को सकल घरेलू उत्पाद के 81.6 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है। डीएसजीई मॉडल लागू करने पर यह अनुमान लगाया गया है कि उत्पादक रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों को लक्षित करके राजकोषीय खर्च की प्राथमिकता नये सिरे से तय करने, संक्रमण को अपनाने और डिजिटलीकरण में निवेश करने से 2030-31 तक सामान्य सरकारी ऋण घटकर जीडीपी के 73.4 प्रतिशत तक रह सकता है।

इसके विपरीत, आईएमएफ द्वारा उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऋण-जीडीपी अनुपात बढ़कर 2028 में 116.3 प्रतिशत और उभरते तथा मध्यम आय वाले देशों के लिए 75.4 प्रतिशत होने का अनुमान है।

* भारत का वित्तीय क्षेत्र मुख्यतः बैंक आधारित है। वित्त वर्ष 2015-2016 में, वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर परिसंपत्ति की हानि की समस्या का समाधान परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा (एक्यूआर) के माध्यम से किया गया था।उसके बाद 2017-2022 के दौरान बड़े पैमाने पर पुनर्पूंजीकरण किया गया। लाभकारी प्रभाव 2018 से दिखना शुरू हुआ - मार्च 2023 तक सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात घटकर क्रमशः 3.9 प्रतिशत और एक प्रतिशत हो गया, जिसमें बड़े पूंजी बफर और तरलता कवरेज अनुपात 100 प्रतिशत से ऊपर थे।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) ने बैंकों की बैलेंस शीट पर को दूर करने के लिए संस्थागत वातावरण तैयार किया है। व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं के लिए आधार प्रदान कर रही है।

* भारत प्रौद्योगिकी के बल पर परिवर्तनकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जैम की त्रिमूर्ति - जन धन (बुनियादी नो-फ्रिल्स खाते); आधार (सार्वभौमिक विशिष्ट पहचान); और मोबाइल फोन कनेक्शन - औपचारिक वित्त के दायरे का विस्तार कर रहा है, तकनीकी स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा है, और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के लक्ष्य को सक्षम कर रहा है। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (वढक), एक ओपन-एंडेड सिस्टम जो किसी भी भाग लेने वाले बैंक के एकल मोबाइल एप्लिकेशन में कई बैंक खातों को सशक्त बनाता है, अंतर-बैंक, पीयर-टॉपियर और व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन को निर्बाध रूप से बढ़ावा दे रहा है।

* महामारी, मौसम से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक कमोडिटी मूल्य दबाव के कारण कई आपूर्ति झटकों के कारण बढ़ने के बाद देश में मुद्रास्फीति कम हो रही है।

अगले पांच वर्षों में वैश्विक आर्थिक विकास में चीन का योगदान होगा ब्लूमबर्ग

ब्लूमबर्ग का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में चीन वैश्विक आर्थिक विकास में सबसे बड़ा योगदानकर्ता होगा। इसका योगदान सभी जी7 देशों के संयुक्त योगदान से भी ज्यादा और अमेरिका की तुलना में लगभग दोगुना होगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम आर्थिक पूर्वानुमान डेटा के आधार पर ब्लूमबर्ग की गणना से पता चलता है कि 2024 से 2029 तक, चीन नई वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देगा जबकि जी7 का योगदान 20 प्रतिशत और अमेरिका का योगदान 12 प्रतिशत होगा। अगले पांच वर्षों में वैश्विक आर्थिक विकास का 75 प्रतिशत 20 देशों में केंद्रित होने की उम्मीद है, जिनमें चीन, भारत, अमेरिका और इंडोनेशिया वैश्विक आर्थिक विकास में आधे से अधिक का योगदान देंगे। आईएमएफ ने 16 अप्रैल को विश्व आर्थिक परिदृश्य पर नई रिपोर्ट जारी की। इसमें वर्ष 2024 के लिए वैश्विक आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 3.2 प्रतिशत किया गया है।

बायजू के सीईओ अर्जुन मोहन का इस्तीफा,

सात माह पहले एडटेक फर्म बायजू के सीईओ बनाए गए अर्जुन मोहन ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने यह जानकारी दी। मोहन के इस्तीफे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन कंपनी के दैनिक कामकाज को संभालेंगे। रवींद्रन ने कहा, मोहन ने चुनौतीपूर्ण दौर में कंपनी को आगे बढ़ाया। हम उनके आभारी हैं। कंपनी ने अब अपने व्यवसाय को द लर्निंग ऐप, ऑनलाइन क्लासेस और ट्यूशन सेंटर व टेस्ट-प्रीप तक सीमित कर लिया है। कंपनी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक इकाई को अलग-अलग लोग संचालित करेंगे। रवीन्द्रन के अनुसार, "यह पुनर्गठन बायजूस 3.0 की शुरूआत का प्रतीक है।" नकदी संकट का सामना कर रही एडटेक कंपनी ने पिछले साल सितंबर में मोहन को अपने भारतीय परिचालन के सीईओ के रूप में पदोन्नत किया था।

नए एक्स यूजर्स को करना होगा भुगतान : एलन मस्क

नए एक्स यूजर्स को झटका देते हुए एलन मस्क ने घोषणा की है कि अब उसके प्लेटफॉर्म पर सामग्री पोस्ट करने के लिए उनसे शुल्क लिया जा सकता है। एक एक्स यूजर के जवाब में टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने कहा कि दुर्भाग्य से, "नए यूजर्स से किसी मैटर को पोस्ट करने के लिए एक छोटा सा शुल्क बॉट्स के निरंतर हमले को रोकने का एकमात्र तरीका है।" मस्क ने पोस्ट किया, "मौजूदा एआई (और ट्रोल फार्म) 'क्या आप एक बॉट हैं' को आसानी से पास कर सकते हैं।" मस्क ने कहा, छोटा शुल्क चुका कर नए यूजर्स तीन तीन माह बाद मुफ्त में पोस्ट कर सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में, एक्स ने न्यूजीलैंड और फिलीपींस में नए असत्यापित यूजर्स से प्रति वर्ष एक डॉलर का शुल्क लेना शुरू किया था। इस महीने की शुरूआत में, मस्क के नेतृत्व वाले प्लेटफॉर्म ने स्पैम खातों के बड़े पैमाने पर शुद्धिकरण की घोषणा की थी। कुछ महीनों में एक्स पर स्पैम और पोर्न बॉट्स की भरमार हो गई थी। मस्क ने घोषणा की थी कि बॉट्स और ट्रॉल्स का सिस्टम शुद्धिकरण चल रहा है।

2023-24 में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बजट टारगेट से 1.35 लाख करोड़ रुपये अधिक

■ बीएनटी न्यूज

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन केंद्रीय बजट अनुमान से 1.35 लाख करोड़ रुपये या 7.4 प्रतिशत अधिक है, जो मजबूत राजकोषीय स्थिति को दशार्ता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि देश में मजबूत आर्थिक विकास जारी है।

कॉर्पोरेट टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स सहित शुद्ध डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 2023-24 में बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 16.64 लाख करोड़ रुपये था।

2023-24 के केंद्रीय बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 18.23 लाख करोड़ रुपये तय किया गया था और बाद में संशोधित अनुमान (रिवाइज्ड) में इसे बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (प्रोविजनल- रिफंड से पहले) 23.37 लाख करोड़ रुपये है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 1.48 प्रतिशत की वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2023-24 में कुल कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) 11.32 लाख करोड़ रुपये है और पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये के सकल कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन की तुलना में 13.06 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन (रिवाइज्ड) 9.11 लाख करोड़ रुपये है और पिछले वर्ष के 8.26 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन की तुलना में 10.26 प्रतिशत अधिक है। यह अर्थव्यवस्था में मजबूत आर्थिक विकास का संकेत है जिसके कारण कॉर्पोरेट मुनाफा बढ़ा है और व्यक्तिगत आय में वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2023-24 में कुल पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन (एसटीटी सहित) 12.1 लाख करोड़ रुपये है और पिछले वर्ष के 9.67 लाख करोड़ रुपये के सकल पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन (एसटीटी सहित) की तुलना में 24.26 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

वित्त वर्ष 2023-24 में 3.79 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2022-23 में जारी 309 लाख करोड़ रुपये के रिफंड से 22.74 प्रतिशत की वृद्धि है।

कर संग्रह में उछाल ने राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखने में मदद की है और अर्थव्यवस्था के व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों को मजबूत किया है। कम राजकोषीय घाटे का मतलब है कि सरकार को कम उधार लेना होगा जिससे बड़ी कंपनियों के लिए उधार लेने और निवेश करने के लिए बैंकिंग प्रणाली में अधिक पैसा बचेगा। इसके चलते उच्च आर्थिक विकास दर और अधिक नौकरियों का सृजन होता है।

कम राजकोषीय घाटा मुद्रास्फीति दर को भी नियंत्रित रखता है जो अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करता है।

रोजगार बढ़ने से फरवरी में ईपीएफओ की शुद्ध सदस्य संख्या 15.48 लाख बढ़ी

■ बीएनटी न्यूज

इस साल फरवरी में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में शुद्ध रूप से 15.48 लाख सदस्य जुड़े हैं, जो इस महीने के दौरान देश के संगठित क्षेत्र में बढ़े हुए रोजगार को दशार्ता है। संगठन के जारी प्रोविजनल पेरोल डेटा में यह जानकारी सामने आई है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि फरवरी के दौरान लगभग 7.78 लाख नए सदस्यों को ईपीएफओ में नामांकित किया गया है, जिनमें से 18-25 आयु वर्ग के युवा 56.36 प्रतिशत हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह दिखाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले।

पेरोल डेटा से पता चलता है कि लगभग 11.78 लाख सदस्य फरवरी में बाहर निकल गए और बाद में ईपीएफओ में फिर से शामिल हो गए। इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदल ली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए और अंतिम निपटान के लिए आवेदन करने की बजाय अपने संचय को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना, जिससे दीर्घकालिक वित्तीय कल्याण की रक्षा हुई और उनकी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार हुआ।

पेरोल डेटा के लिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि 7.78 लाख नए सदस्यों में से लगभग 2.05 लाख महिला हैं।

इसके अलावा, महीने के दौरान महिला सदस्यों की शुद्ध संख्या लगभग 3.08 लाख बढ़ी। महिला सदस्यों का जुड़ना अधिक समावेशी और विविधतायुक्त कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

विनिर्माण, विपणन सर्विसिंग और कंप्यूटर के उपयोग में लगे प्रतिष्ठान, सड़क मोटर परिवहन, ऑटोमोबाइल सर्विसिंग, कपड़ा आदि के क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनियों से सबसे ज्यादा सदस्य जुड़े।

अमेरिकी कांग्रेस ने यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता को दी मंजूरी

■ बीएनटी न्यूज

अमेरिकी कांग्रेस ने कई महीनों के इंतजार के बाद यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को आखिरकार मंजूरी दे दी है।

इससे पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विधेयक को मंजूरी दी गई थी। अब सीनेट ने 100 सीटों वाले ऊपरी सदन में 79 मतों के साथ विधेयक को मंजूरी दे दी।

अब इस विधेयक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मंजूरी का इंतजार है।

मतदान के तुरंत बाद बाइडेन ने कहा, "मैं इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर

इसे कानून बना दूंगा। कल जैसे ही यह मेरी मेज पर पहुंचेगा, मैं अमेरिकी लोगों को संबोधित करूंगा ताकि हम इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण भेजना शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि वह इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण पहुंचाना शुरू करना चाहते हैं।"

बिडेन ने कहा, " इजरायल और ताइवान के लिए अरबों डॉलर की सहायता का विधायी पैकेज पारित कर अमेरिकी कांग्रेस ने दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व की शक्ति का प्रदर्शन किया है।"

"हम लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए तथा अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं।"

बाइडेन ने कहा, "रूस से लगातार बमबारी का शिकार हो रहे यूक्रेन को समर्थन की तत्काल आवश्यकता है। विधेयक में इजरायल के लिए सहायता भी शामिल है जिसने हाल ही में ईरान से अभूतपूर्व हमलों का सामना किया है।"

उन्होंने आगे कहा, "यह महत्वपूर्ण कानून हमारे देश और दुनिया को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। हम अपने उन दोस्तों का समर्थन करते हैं जो हमास जैसे आतंकवादियों और पुतिन जैसे अत्याचारियों के खिलाफ अपना बचाव कर रहे हैं।"

अमेरिकी सहायता पैकेज में सैन्य भंडार के लिए लगभग 23 बिलियन डॉलर का प्रावधान है, इसलिए पैसा अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन को जाएगा और अमेरिका में ही रहेगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन को महत्वपूर्ण सहायता देने के लिए अमेरिकी सीनेट को धन्यवाद दिया है।

जोमैटो ने प्लेटफॉर्म शुल्क बढ़ाकर पांच रुपये किया

■ बीएनटी न्यूज

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपना प्लेटफॉर्म शुल्क 25 फीसदी बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है।

जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपये का प्लेटफॉर्म शुल्क शुरू किया था और बाद में इसे बढ़ाकर तीन रुपये कर दिया था।

नए साल की पूर्व संध्या पर रिकॉर्ड खाद्य ऑर्डरों से उत्साहित होकर उसने जनवरी में प्रमुख बाजारों में अपने अनिवार्य प्लेटफॉर्म शुल्क को तीन रुपये प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर चार रुपये कर दिया।

नया प्लेटफॉर्म शुल्क जोमैटो गोल्ड सहित सभी ग्राहकों पर लगाया गया है।

इस बीच, कंपनी ने अपनी इंटर-सिटी फूड डिलीवरी सेवा इंटरसिटी लीजेंड्स को निलंबित कर दिया है।

जोमैटो ऐप पर 'लीजेंड्स' टैब पर संदेश लिखा आ रहा है, "सुधार चल रहा है। कृपया बने रहें क्योंकि हम जल्द ही आपकी सेवा में वापस आएंगे।"

रिलायंस इंडस्ट्रीज एक लाख करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ कमानेवाली पहली भारतीय कंपनी बनी

■ बीएनटी न्यूज

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कंज्यूमर बिजनेस और तेल एवं गैस कारोबार में निरंतर वृद्धि के दम पर 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10 लाख करोड़ रुपये (119.9 अरब डॉलर) का सकल राजस्व दर्ज किया है।

आरआईएल ने जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि ग्राहकों की संख्या में 4.24 करोड़ की मजबूत वृद्धि के कारण जियो प्लेटफॉर्म का राजस्व साल-दर-साल आधार पर 11.7 प्रतिशत बढ़ गया।

रिलायंस रिटेल का राजस्व 17.8 प्रतिशत बढ़ा। सभी उपभोग बास्केट में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। क्षेत्रफल में 1.56 करोड़ वर्ग फुट की बढ़ोतरी हुई जबकि एक अरब से अधिक का रिकॉर्ड फुटफॉल रहा।

कच्चे तेल के मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में साल-दर-साल आधार पर औसत 13.5 प्रतिशत की गिरावट के कारण उत्पाद की कीमतों में कमी से कंपनी का ऑर्डर टू कैश प्रोसेस राजस्व पांच प्रतिशत घट गया।

आरआईएल ने एक बयान में कहा, हालांकि उच्च उत्पादन से इसकी आंशिक भरपाई हुई।

केजी डी6 क्षेत्र से कम गैस मूल्य प्राप्ति के बावजूद, मुख्य रूप से केजी डी6 ब्लॉक से अधिक मात्रा के कारण तेल

और गैस खंड से राजस्व में 48 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

नतीजों पर टिप्पणी करते हुए, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, "आरआईएल के व्यवसायों की पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह जानकर खुशी हो रही है कि मजबूत होने के साथ-साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में सभी क्षेत्रों ने मजबूत वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है।

"इससे कंपनी को कई उपलब्धियां हासिल करने में मदद मिली है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस साल, रिलायंस कर-पूर्व मुनाफे में एक लाख करोड़ रुपये की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई।"

अंबानी ने कहा कि मोबिलिटी और फिक्स्ड वायरलेस सेवाओं द्वारा समर्थित, ग्राहक आधार के त्वरित विस्तार से डिजिटल सेवा खंड के प्रदर्शन को बढ़ावा मिला है।

उन्होंने कहा, "10.8 करोड़ से अधिक टू 5जी ग्राहकों के साथ, जियो वास्तव में देश में 5जी परिवर्तन का नेतृत्व करता है। अब तक 2जी यूजरों को स्मार्टफोन में अपग्रेड करने से लेकर एआई-संचालित समाधान बनाने के प्रयास का नेतृत्व करने तक, जियो ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में अपनी क्षमता साबित की है।"

अंबानी ने कहा, हम स्टोरों की री-मॉडलिंग और लेआउट में सुधार के माध्यम से उत्पाद विविधता और बेहतर ऑफलाइन अनुभव प्रदान करना जारी रखते हैं। हमारे डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म व्यापक ब्रांड कैटलॉग के साथ यूजरों को नए समाधान भी प्रदान करते हैं। रिलायंस रिटेल अपनी अनूठी पहल के माध्यम से नए वाणिज्य क्षेत्र में लाखों व्यापारियों को मजबूत करने की दिशा में भी काम करता है।

वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 की 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में आरआईएल का सकल राजस्व 2.64 लाख करोड़ रुपये (31.8 अरब डॉलर) था, जो एक साल पहले की समान तिमाही से 10.8 प्रतिशत अधिक है। इसमें ओटूसी और उपभोक्ता व्यवसाय में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

केजी डी6 ब्लॉक से अधिक मात्रा में बिक्री के साथ तेल और गैस खंड के राजस्व में 42 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि हुई।

सभी व्यवसायों के मजबूत योगदान से तिमाही में कर पूर्व लाभ साल-दर-साल 14.3 प्रतिशत बढ़कर 47,150 करोड़ रुपये (5.7 अरब डॉलर) हो गया।

विकसित भारत एंबेसडर : कुछ वर्षों में भारत बनेगा दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क वाला देश: हरदीप पुरी

■ बीएनटी न्यूज

'विकसित भारत एंबेसडर' के तहत जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में देश की परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि अगले पांच साल में भारत दुनिया की टॉप 3 अर्थव्यवस्था वाले देशों में शुमार हो जाएगा। भारत मेट्रो नेटवर्क के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ने की कगार पर है। वर्तमान में, भारत का परिचालन मेट्रो नेटवर्क लगभग 950 किलोमीटर है। अगले 2-3 वर्षों में यह संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़कर दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क होगा।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'विकसित कश्मीर' के बिना भारत विकसित नहीं हो सकता। 1700 के दशक में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत की 25% हिस्सेदारी थी, लेकिन 1947 तक यह घटते-घटते केवल 2 प्रतिशत रह गया। 10 साल पहले 2014 में जब विदेश में भारत की चर्चा होती थी, तो लोग कहते थे कि भारत दुनिया की चरमराती हुई पांच अर्थव्यवस्था वाले देशों में से एक है। लेकिन, 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व के टॉप पांच देश में शामिल है।

उन्होंने कहा कि जब भारत की अर्थव्यवस्था 10वें से 8वें और 7वें स्थान पर पहुंची तो इतनी खुशी नहीं हुई। लेकिन जब हम पांचवें स्थान में यूनाइटेड किंगडम की इकॉनमी से आगे आए, तो हमें ज्यादा खुशी हुई। क्योंकि इन्होंने 190 साल पहले हमारी इकॉनमी प्रोग्रेस रोकी थी। मगर आज हम कहां पहुंच गए हैं। अगले तीन साल में हमें पांचवे से तीसरे स्थान पर जाना है और ये पक्का होगा। क्योंकि हमारे आगे दो देश हैं जापान और जर्मनी। जिनकी इकॉनमी में फ्लैट ग्रोथ रेट है या निगेटिव जा रही है, जबकि हमारे पिछले

क्वार्टर में रेट ऑफ ग्रोथ 8.6 प्रतिशत रही है।

उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में यानी 2027 तक भारत विश्व की 3 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। भारत 2040 तक 40 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। अभी हम 4 ट्रिलियन पर हैं, 5 ट्रिलियन पर जा रहे हैं और फिर 10 ट्रिलियन पर जाएंगे। लेकिन,

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि अगले पांच साल में भारत दुनिया की टॉप 3 अर्थव्यवस्था वाले देशों में शुमार हो जाएगा। भारत मेट्रो नेटवर्क के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ने की कगार पर है।

जब 40 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएंगे तो हम सोने की चिड़िया ही नहीं, बल्कि विश्व के बाकी देश हमारी यह ताकत देखकर ही घबरा जाएंगे। इस दौरान उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वह विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम से जुड़ें।

जम्मू-कश्मीर के विशेष संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्मार्ट परियोजना के तहत 6,800 करोड़ रुपए की 68 से अधिक परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, जिनमें से 3,200 करोड़ रुपए की परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर में स्विट्जरलैंड से भी अधिक टूरिज्म की संभावनाएं हैं। लेकिन, आतंकी घटनाओं की वजह से यह पीछे छूट गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी सरकार इसके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम महिला केंद्रित विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने अपना एक अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनयिक के रूप में अपनी 39 साल की सेवा में, मैंने देखा है कि जहां भी देश महिला-केंद्रित से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ा है, वहां की जीडीपी में कम से कम 20-30 प्रतिशत का उछाल देखा गया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह भी बताया कि कैसे मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों ने लोगों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाया है।

उन्होंने बताया, "उज्ज्वला योजना के तहत, 2014 में पहले के 14 करोड़ कनेक्शनों की तुलना में 32 करोड़ को एलपीजी सिलेंडर मिले हैं, जबकि पिछले दस वर्षों में गैस पाइपलाइन को 14,000 किमी से 20,000 किमी तक बढ़ाया गया है।"

नारायण मूर्ति के 5 महीने के पोते को मिला 4.2 करोड़ का डिविडेंड

■ बीएनटी न्यूज

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के 5 महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति और अमीर हो गए हैं। एकाग्र रोहन मूर्ति को 4.2 करोड़ का डिविडेंड मिला है। भारत की टेक कंपनी इंफोसिस ने फाइनल और स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की है।

इंफोसिस के बोर्ड ने 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 20 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के फाइनल डिविडेंड और 8 रुपये प्रति स्टॉक के स्पेशल डिविडेंड की सिफारिश की है। डिविडेंड का भुगतान 1 जुलाई को किया जाएगा।

पिछले महीने एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नारायण मूर्ति ने अपने पोते को 240 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर गिफ्ट किए थे। एकाग्र मूर्ति को आईटी प्रमुख में 15 लाख शेयर या 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली।

28 रुपये के कुल डिविडेंड के साथ, एकाग्र मूर्ति को अब 4.2 करोड़ रुपये और मिलेंगे।

77 वर्षीय इंफोसिस के संस्थापक ने ऑफ-मार्केट लेनदेन में अपने पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को शेयर गिफ्ट में दिए थे। इसके साथ ही कंपनी में नारायण मूर्ति की हिस्सेदारी घटकर 0.36 फीसदी या 1.51 करोड़ शेयर से थोड़ी ज्यादा रह गई।

हेल्थ ड्रिंक्स के नाम पर बेचे जा रहे उत्पादों को लेकर सरकार सख्त

■ बीएनटी न्यूज

बच्चों की ग्रोथ बढ़ाने का दावा करने वाले बॉर्नविटा जैसे तमाम हेल्थ ड्रिंक्स बाजार और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर उपलब्ध हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि ऐसे हेल्थ ड्रिंक्स वाकई में आपके बच्चों के लिए सेहतमंद हैं या नहीं? अब, भारत सरकार ने हेल्थ ड्रिंक्स के नाम पर बेवरेज बेचने को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।

दरअसल, बाजार में अब बॉर्नविटा जैसे तमाम ड्रिंक्स ई-कॉमर्स साइट पर हेल्थ ड्रिंक्स के नाम से नहीं बेचे जा सकेंगे। हेल्थ ड्रिंक्स पर उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को एक

एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि बॉर्नविटा और दूसरे बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी में नहीं रखा जाए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को वेबसाइट से बॉर्नविटा सहित सभी बेवरेज को 'हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी' से हटाने को कहा है। एडवाइजरी में बताया गया है कि विभाग के संज्ञान में आया है कि बॉर्नविटा सहित कुछ पेय पदार्थों को ई-कॉमर्स साइटों और प्लेटफार्म्स पर 'हेल्थ ड्रिंक' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अपनी जांच के बाद पाया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स कानून के तहत 'हेल्थ ड्रिंक्स' की कोई परिभाषा नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए ई-कॉमर्स कंपनियों और वेबसाइट्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्लेटफॉर्म्स से बॉर्नविटा सहित बेवरेज को 'हेल्थ ड्रिंक्स' की कैटेगरी से हटा दें।

मालूम हो कि एनसीपीसीआर ने चिट्ठी लिखकर बॉर्नविटा जैसे तमाम हेल्थ ड्रिंक्स और बेवरेज को बच्चों की हेल्थ के लिए नुकसानदेह बताया था। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच रिपोर्ट आने के बाद डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) ने चिट्ठी लिखकर एडवाइजरी जारी की है।

टीसीएस ने ब्राजील में नए डिलीवरी सेंटर की घोषणा की

■ बीएनटी न्यूज

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने ब्राजील में एक नए डिलीवरी सेंटर की घोषणा की, जो अगले पांच साल में 1,600 से अधिक रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

यह केंद्र पराना प्रांत के लोन्ड्रिना में होगा। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देगा और क्षेत्र में टीसीएस की उपस्थिति को मजबूत करेगा।

टीसीएस ब्राजील के प्रमुख ब्रूनो रोचा ने कहा, "हम साइबर-सुरक्षा, क्लाउड, कॉग्निटिव बिजनेस ऑपरेशंस (सीबीओ), आईटीआईएस, एआई और ऑटोमेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोगियों की संख्या दोगुनी करना चाहते हैं, जो प्रौद्योगिकी सेवाओं में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारे समर्पण को दशार्ता है।"

कंपनी 2018 से लोन्ड्रिना में मौजूद है और शहर में लगभग 1,700 लोगों को रोजगार देती है।

नया डिलीवरी सेंटर व्यवसाय परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सीबीओ जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञता लाएगा, जो ब्राजील और दुनिया भर में ग्राहकों को आईटी सेवाओं का एक व्यापक सूट पेश करेगा।

पराना प्रांत के गवर्नर कार्लोस मस्सा रतिन्हो जूनियर ने कहा, "मैं उन क्षमताओं के बारे में अधिक जानने के लिए भारत आया हूं जो देश ने कई क्षेत्रों में बनाई हैं, खासकर डिजिटल प्रौद्योगिकियों में, जहां भारत एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता है। यहां से अनुभवों का लाभ उठाते हुए हम ब्राजील की अर्थव्यवस्था में विभिन्न सेवाओं और उत्पादों के डिजिटलीकरण को बढ़ा सकते हैं।"

टीसीएस ने कहा कि वह दो दशकों से अधिक समय से ब्राजील में लोन्ड्रिना, साओ पाउलो और रियो डी जेनेरियो में परिचालन कर रही है।

देश का पहला ऑल-इन-वन पेमेंट डिवाइस हुआ लॉन्च

■ बीएनटी न्यूज

फिनटेक कंपनी भारतपे ने भारत का पहला ऑल-इन-वन पेमेंट प्रोडक्ट लॉन्च किया। इसमें पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल), क्यूआर और स्पीकर को एक ही डिवाइस में शामिल किया गया है।

भारतपे वन नामक यह प्रोडक्ट व्यापारियों के लिए लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो गतिशील और स्थिर क्यूआर कोड, टैप-एंड-पे और ट्रेडिशनल कार्ड पेमेंट ऑप्शन समेत वर्सटाइल (अस्थायी) पेमेंट स्वीकृति ऑप्शन देता है।

कंपनी की योजना पहले चरण में 100 से अधिक शहरों में प्रोडक्ट लॉन्च करने और अगले छह महीनों में इसे 450 से अधिक शहरों में विस्तारित करने की है।

भारतपे के सीईओ नलिन नेगी ने कहा, "कई तरह के काम को एक डिवाइस में जोड़कर हम विभिन्न सेक्टरों में छोटे और मध्यम व्यवसायों की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप एक व्यापक समाधान प्रदान कर रहे हैं।

कंपनी के अनुसार, यह

डिवाइस व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए एक सहज और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करती है।

कंपनी का कहना है कि यह हाई-डेफिनिशन टचस्क्रीन डिस्प्ले, 4जी और वाई-फाई कनेक्टिविटी से लैस है और लेटेस्ट एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा संचालित है। यह बेहतर प्रदर्शन और सुरक्षा देती है।

भारतपे में पीओएस सॉल्यूशंस के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रिजीश राघवन ने कहा, "परीक्षण के चरण में हमें अपने व्यापारियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। हमारा मानना है कि यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए एक और गेम चेंजर होगा, जिससे फिनटेक उद्योग में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति और मजबूत होगी।"

चौथी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 30 फीसदी बढ़ा

वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस का समेकित शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 7,969 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 6,128 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि चौथी तिमाही में उसका राजस्व 1.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 37,923 करोड़ रुपये हो गया।

इंफोसिस के निदेशक मंडल ने 5 रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर शेयरधारकों को इस साल 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में 20 रुपये के लाभांश की मंजूरी दी। इसके अलावा आठ रुपये प्रति शेयर का विशेष लाभांश भी दिया जाएगा।

अच्छे परिणाम की उम्मीद में इंफोसिस के शेयर बीएसई में 5.80 रुपये यानि 0.41 फीसदी चढ़कर 1,420.55 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गये।

कंपनी ने इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास सेवा प्रदाता कंपनी इन-टेक होल्डिंग जीएमबीएच के अधिग्रहण की भी घोषणा की।

नलिन नेगी बने भारतपे के सीईओ

■ बीएनटी न्यूज

फिनटेक कंपनी भारतपे ने नलिन नेगी को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की।

इसके पहले कंपनी के अंतरिम सीईओ और सीएफओ के रूप में उनके नेतृत्व में भारतपे ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में 182 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

कंपनी की ओर से कहा गया कि अब नए सीएफओ की नियुक्ति की जाएगी।

भारतपे के बोर्ड अध्यक्ष रजनीश कुमार ने कहा, "फिनटेक उद्योग में नेगी का व्यापक अनुभव और उनके नेतृत्व में भारतपे की कमाई में हुई वृद्धि को देखते हुए वह कंपनी का नेतृत्व करने के लिए स्वाभाविक पसंद बन जाते हैं।" नेगी 2022 में भारतपे में शामिल हुए थे।

नेगी ने कहा," अब हमारा ध्यान कंपनी को विकास के नए चरण में ले जाना और देश

भर में अपने ग्राहकों को सशक्त करने के लिए नए उत्पादों को लॉन्च करने पर होगा।"

उन्होंने कहा, "हम अपना आधार मजबूत करने और व्यापारियों, भागीदारों व हितधारकों को हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

भारतपे में शामिल होने से पहले नेगी ने एसबीआई कार्ड और जीई कैपिटल सहित वित्तीय सेवा कंपनियों में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया।

गौरतलब है कि भारतपे के पास 450 से अधिक शहरों में 1.3 करोड़ से अधिक व्यापारियों का एक नेटवर्क है। यह यूपीआई ऑफलाइन कंपनियों में एक प्रमुख नाम है।

एचडीएफसी लाइफ का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,569 करोड़ रुपये

■ बीएनटी न्यूज

निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,569 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इस दौरान प्रीमियम से प्राप्त राजस्व लगभग 63,076 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,360 करोड़ रुपये और कुल प्रीमियम 57,533 करोड़ रुपये था।

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस की एमडी और सीईओ विभा पडलकर ने कहा, "इस साल बजट में बदलाव के कारण बड़े आकार के कारोबार पर असर पड़ने के बावजूद, हमने मार्च 2023 में एक हजार करोड़ रुपये के एकमुश्त कारोबार को समायोजित करने के बाद चौथी तिमाही में 0 प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि हासिल की।"

उन्होंने कहा कि कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष के दौरान एपीई में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिससे दोहरे अंक की वृद्धि का लक्ष्य हासिल हुआ। जीवन बीमा कंपनी के रिन्यूअल प्रीमियम संग्रह में साल-दर-साल 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 13वें महीने और 61वें महीने के लिए निरंतरता क्रमशः 87 प्रतिशत और 53 प्रतिशत रही। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रति इक्विटी शेयर पर दो रुपये के अंतिम लाभांश को मंजूरी दी है।

नकली नोट को खत्म करने का मोदी सरकार का प्रयास कितना लाया रंग?

■ बीएनटी न्यूज

8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान नोटबंदी की घोषणा की थी। सरकार ने 500 और 1000 के नोटों को तब चलन से बाहर करने की घोषणा कर दी थी।

नोटबंदी के इस फैसले पर मोदी सरकार लगातार यह कहती रही कि इससे नकली नोटों पर लगाम लगने के साथ आतंकवाद का वित्त पोषण करने वालों की भी कमर टूट जाएगी। अब, जबकि मोदी सरकार अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने वाली है और नोटबंदी को भी 7 साल से ज्यादा का समय हो चुका है तो ऐसे में यह जानना जरूरी है कि सरकार के इस फैसले का असर कितना हुआ।

दरअसल, आंकड़ों की मानें तो 2016 में नोटबंदी के बाद से नकली नोट और इनकी छपाई तेजी से घट रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से प्राप्त आंकड़ों की मानें तो वित्त वर्ष 2023 में लगभग 7.98 करोड़ मूल्य के नकली नोटों का पता चला था, जो 2014 में पाए गए 24.84 करोड़ रुपए के नकली नोटों से 70 फीसदी कम है।

बता दें कि सरकार ने नोटबंदी के बाद 500 और 2000 मूल्य के नए नोट बाजार में उतारे थे। इसमें से 2000 के नोट को भी अब बाजार से वापस ले लिया गया है। मतलब साफ है कि देश में पहले जहां 1000 का नोट सबसे बड़ी करेंसी हुआ करती थी, अब उसकी जगह पर 500 का नोट ही सबसे बड़ी करेंसी के रूप में बच गई है।

नकली नोट की बाजार में उपस्थिति वैध मुद्रा की कीमत को कम कर देती है और इसकी वजह से मुद्रास्फीति की समस्या खड़ी होती है। यह अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। वैसे नकली नोट आज भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा हैं। इसकी वजह यह

है कि असली और नकली नोट के बीच अंतर कर पाना लोगों के लिए मुश्किल हो जाता है। जब तक यह पता चल पाता है कि करेंसी नकली है, तब तक यह अर्थव्यवस्था में फैल चुका होता है। यह भारत ही नहीं दुनिया के लगभग सभी देशों की समस्या है।

अब, आरबीआई के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलेगा कि 2016-17 में नकली नोट 43.46 करोड़ रुपए तक पहुंच गए थे। इसके पीछे की वजह यह है कि इसी साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी की घोषणा की थी। तब से, यह वित्त वर्ष 2022 में घटकर 8.26 करोड़ और वित्त वर्ष 2023 में 7.98 करोड़ रुपए हो गया है। इसके पीछे की वजह यह है कि नोटों के साथ जो सुरक्षा फीचर डाले गए हैं, उसने जालसाजों के लिए मौजूदा तंत्र को बायपास करना अधिक कठिन बना दिया है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि इसकी वजह से भी नकली नोटों की संख्या में कमी आई है।

लोकसभा में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इस पर बताया था, "आरबीआई जाली नोटों को लेकर बैंकों को विभिन्न निर्देश जारी करता है। वह बैंकों और अन्य संगठनों जो भारी मात्रा में नकदी संभालते हैं, उनके कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए नकली नोटों का पता लगाने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। जिसकी वजह से नकली नोटों की संख्या में कमी आई है।"

वहीं, आंकड़ों की मानें तो नकली नोटों में जो सबसे बड़ा नंबर है, वह 500 के नोट का है। वित्त वर्ष 2022 के मुकाबले 2023 में 500 के नकली नोटों की संख्या में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, 100 रुपए के नकली नोटों में 2022 के मुकाबले 2023 में कमी आई है। जबकि, 200 के नकली नोटों की संख्या इस अवधि में थोड़ी बढ़ी है।

नोटबंदी के बाद के 2000 के नोट और 1000 के पुराने नोट अब चलन से बाहर हैं। लेकिन, बैंकिंग सिस्टम में इसकी वापसी के बाद इसके नकली नोट पाए गए। इसके पीछे की वजह यह रही है कि नकली नोट बनाने वाले आमतौर पर उच्च मूल्यवर्ग की मुद्रा को लक्ष्य करते हैं। ऐसे में अब इसके बाद बाजार में बचे बड़े नोट 500, 200 और 100 की नकली करेंसी अधिक सामने आ रही है।

बता दें कि देशभर में प्रचलन में जितनी कुल मुद्रा है, उसके अनुसार वित्त वर्ष 2014 में नकली नोटों की हिस्सेदारी 0.0194 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2023 में 0.0024 प्रतिशत हो गई है।

'नेस्ले' की बढ़ेगी परेशानी, उत्पादों में अत्यधिक चीनी के इस्तेमाल की खबर के बाद एनसीपीसीआर हुआ सख्त

■ बीएनटी न्यूज

एफएमसीजी कंपनी नेस्ले पर अपने बेबी फूड्स प्रोडक्ट्स में अधिक मात्रा में चीनी मिलाए जाने की रिपोर्ट के बाद अब मुसीबत बढ़ रही है।

दरअसल, जो रिपोर्ट नेस्ले के उत्पाद को लेकर सामने आई है, उसके अनुसार भारत सहित एशिया और अफ्रीका के देशों में बिकने वाले बच्चों के दूध और सेरेलेक जैसे फूड प्रोडक्ट्स में कंपनी अतिरिक्त शक्कर और शहद मिलाती है।

इससे पहले भारत सरकार ने हेल्थ ड्रिंक्स के नाम पर बेवरेज बेचने को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। सरकार ने अपने एक्शन में बताया था कि बाजार में अब बॉर्नविटा जैसे तमाम ड्रिंक्स ई-कॉमर्स साइट पर हेल्थ ड्रिंक्स के नाम से नहीं बेचे जा सकेंगे। हेल्थ ड्रिंक्स को लेकर उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को एक एडवाइजरी जारी की और कहा कि बॉर्नविटा और दूसरे बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक कैटेगरी में ना रखा जाए।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने अब नेस्ले को लेकर जो रिपोर्ट आई है उस पर एफएसएसएआई के सीईओ जी कमला वर्धन रॉ को पत्र लिखा है।

बता दें कि एनसीपीसीआर ने सीपीसीआर अधिनियम, 2005 की धारा (13x1xi) के तहत निर्मित शिशु खाद्य उत्पादों में पाई जाने वाली चीनी सामग्री के बारे में मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है।

इसमें नेस्ले पर आई रिपोर्ट के अनुसार, इस कंपनी द्वारा निर्मित बेबी उत्पादों में अतिरिक्त शर्करा हो सकती है, जो संभावित रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है।

ऐसे में शिशुओं की सुरक्षा और पोषण संबंधी आवश्यकताओं के लिए, यह आवश्यक है कि शिशु आहार पोषण गुणवत्ता और सुरक्षा के सख्त मानकों को पूरा करे।

ऐसे में इन चिंताओं को ध्यान में रखकर एनसीपीसीआर ने खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण भारत सरकार से शिशु आहार उत्पादों में चीनी की व्यापक समीक्षा करने को कहा है और इस पर आयोग से जानकारी प्रदान करने की भी मांग की है।

पत्र में लिखा गया है कि यह जांचने का अनुरोध किया जाता है कि उल्लिखित कंपनी के उत्पाद प्रमाणित हैं या नहीं, इसके साथ ही एफएसएसएआई के प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं या नहीं।

इसके साथ ही आयोग को शिशु खाद्य उत्पादों के लिए मानक दिशा-निर्देश प्रदान करने को भी कहा गया है। साथ ही जानकारी मांगी गई है कि कितनी शिशु आहार निर्माण कंपनियां एफएसएसएसएआई के साथ पंजीकृत हैं। इन कंपनियों की सूची के साथ इनके उत्पादों की भी सूचना आयोग ने मांगी है।

आयोग ने एफएसएसएसएआई से इसके साथ ही अनुरोध किया है कि मामले की जांच कर इसकी रिपोर्ट 7 दिनों के भीतर भेजी जाए।

भारतीय लोगों द्वारा सबसे ज्यादा पिये जाने वाले पेय पदार्थ में से एक हैं चाय। कई लोगों को तो सुबह उठते ही चाय चाहिए होती हैं। वहीं कई लोगों के लिए ऑफिस के काम की थकान मिटाने का जरिया हैं चाय जिसे पीने से लोगों शरीर में ताजगी महसूस होती हैं। इसके चलते कुछ लोग तो दिन में 4-5 कप चाय पी लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी ज्यादा चाय पीने की लत आपको कई तरीकों से बीमार बना रही हैं। जी हां, जरूरत से ज्यादा चाय पीने से आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है और आज हम आपको इन्हीं नुकसान की जानकारी देने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में-

पेट के लिए नुकसानदायक

ज्यादा चाय पीने से आपको पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इससे आपका पाचन खराब होता है। यह पेट में गैस, ब्लोटिंग और कब्ज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। यह खासकर उन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक है जो सुबह की शुरूआत चाय के साथ करते हैं।

आंतों के लिए नुकसानदायक

चाय का ज्यादा सेवन करना आंतों के लिए भी नुकसानदायक होता है। इसके ज्यादा सेवन से आंतों के खराब होने का खतरा बना रहता है जिससे खाना पचने में दिक्कत हो सकती है।

अनिद्रा की समस्या

चाय में कैफीन मौजूद होता है साथ ही इसमें टैनिन भी होता है। जब आप चाय का सेवन अधिक करते हैं तो इससे आपको रात में सोने में तकलीफ होती है। कैफीन एक उत्तेजक के रूप में कार्य करता है यह आपके मस्तिष्क को सचेत करता है। इसके ज्यादा सेवन से आप भी चिड़चिड़ा महसूस कर सकते हैं और मूड स्विंग भी हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए नुकसानदायक

चाय पीकर भले ही आपके दिल को तसल्ली मिलती हो, लेकिन यह दिल की सेहत के लिए बहुत खराब है। ज्यादा चाय पीने से दिल की धडकन तेज होती है और दिल की बीमारियां होने की संभावना में भी इजाफा हो जाता है।

हार्टबर्न की समस्या

बहुत से लोग अक्सर सीने में जलन, पेट में गैस, बदहजमी और खट्टी डकार जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा बहुत अधिक चाय के सेवन के कारण होता है। यहां तक कि कुछ लोग तो स्नैक्स के साथ ही चाय पीते हैं यह आपके पाचन को अधिक नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण आप उल्टी और जी मिचलाना जैसी समस्याओं से भी ग्रसित हो सकते हैं।

हांगकांग, सिंगापुर ने दी चेतावनी, एमडीएच और एवरेस्ट मसालों में 'कैंसर पैदा करने वाले' तत्व

■ बीएनटी न्यूज

हांगकांग और सिंगापुर में खाद्य नियामकों ने लोगों को दो बड़े मसाला ब्रांडों के चार प्रोडक्ट - एमडीएच के तीन और एवरेस्ट के एक - का उपयोग करने के खिलाफ चेतावनी दी है। इसमें इथिलीन ऑक्साइड की मात्रा काफी अधिक है, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है।

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को "समूह 1 कार्सिनोजेन" के रूप में क्लासीफाई किया है।

5 अप्रैल को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में हांगकांग के खाद्य नियामक प्राधिकरण सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (सीएफएस) ने कहा कि एमडीएच के तीन मसाला प्रोडक्ट - मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर के अलावा एवरेस्ट के फिश करी मसाला में "कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड" है।

एमडीएच और एवरेस्ट फूड्स दोनों ने अभी तक खाद्य नियामकों के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

अपने नियमित जांच के तहत, सीएफएस ने हांगकांग में तीन खुदरा दुकानों से उत्पाद लिए। सीएफएस प्रवक्ता ने कहा, "परीक्षण के नतीजों से पता चला कि नमूनों में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड था।"

नियामक ने विक्रेताओं को "बिक्री रोकने और उत्पादों को हटाने" का निर्देश दिया। इसमें कहा गया है कि उत्पादों को वापस मंगाना शुरू कर दिया गया है। सीएफएस प्रवक्ता ने कहा, मानव उपभोग के लिए कीटनाशक युक्त भोजन केवल तभी बेचा जा सकता है जब भोजन की खपत स्वास्थ्य के लिए खतरनाक या प्रतिकूल न हो। इसके लिए अधिकतम 50,000 डॉलर का जुमार्ना और दोषी पाए जाने पर छह महीने की कैद हो सकती है।

सीएफएस ने कहा कि "जांच जारी है" और "उचित कार्रवाई" की जा सकती है।

उधर सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने भी एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा "निर्धारित सीमा से अधिक" होने के कारण एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस लेने का आदेश दिया। एसएफए ने कहा, हालांकि "एथिलीन ऑक्साइड के निम्न स्तर वाले खाद्य पदार्थ खाने से तत्काल कोई खतरा नहीं है, लंबे समय तक संपर्क में रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जितना संभव हो उतना कम उपयोग किया जाना चाहिए"। इसने उत्पादों को खरीदने वाले लोगों को "इसका सेवन न करने" की भी सलाह दी, और जिन लोगों को उपभोग के बाद अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंता है, उन्हें "डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए"। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के अनुसार, एथिलीन ऑक्साइड मनुष्यों में कैंसर का कारण बनता है।

टोक्यो के मेडटेक शो में पहुंची यमुना अथॉरिटी की टीम

■ बीएनटी न्यूज

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण करा रही है। जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियां निवेश करने के लिए अपनी इच्छा जाहिर कर रही हैं।

इस दौरान यमुना प्राधिकरण की एक टीम जापान के टोक्यो शहर में पहुंची है। जहां पर मेडटेक शो नाम का एक आयोजन किया गया है, जो विश्व प्रसिद्ध आयोजन है। इसमें यमुना प्राधिकरण ने अपना भी स्टॉल लगाया है। जहां पर कई विदेशी कंपनियां मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश करने की इच्छा जाहिर कर चुकी हैं।

यमुना प्राधिकरण की यह टीम 20 अप्रैल तक टोक्यो में रहेगी। उत्तर प्रदेश सरकार यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रही है। डिवाइस पार्क में निवेश प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के

डेलिगेशन जापान के टोक्यो शहर में आयोजित मेडटेक शो में हिस्सा लेने पहुंचा है।

उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण अनिल कुमार सागर के नेतृत्व में डॉक्टर अरुण वीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण तथा सलाहकार संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा जापान में 17 अप्रैल से 20 अप्रैल 2024 तक आयोजित इस मेडटेक में प्रतिभाग किया जा रहा है।

इस आयोजन के पहले दिन ही 17 अप्रैल को मेडिकल डिवाइस पार्क के स्टॉल पर जापान की प्रतिष्ठित एवं विश्व प्रसिद्ध कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विजिट किया और मेडिकल डिवाइस पार्क के संबंध में जानकारी ली। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मेडिकल डिवाइस पार्क की विशेषताओं एवं उत्तर प्रदेश सरकार या भारत सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं इंसेंटिव आदि के संबंध में विजिटर्स को अवगत कराया।

प्राधिकरण के स्टॉल पर जापान की निम्न महत्वपूर्ण कंपनियों व संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे। जिनमें पोश वेलनेस लेबोरेटरी आईएनसी, शिमाने यूनिवर्सिटी फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, डिपार्टमेंट ऑफ इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, सौसकु मेडिकल, जापान फेडरेशन ऑफ मेडिकल डिवाइस एसोसिएशन, सिलिकॉन वैली वेंचर, बी डॉट मेडिकल आईएनसी, इंटरनेशनल मेडिकल केयर एक्सचेंज एसोसिएशन और टोयोटा फॉर्म आदि कंपनियों ने निवेश की इच्छा जताई है।

भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार की नोडल एजेंसी यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा अपने सेक्टर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के करीब सेक्टर-28 में विकसित किए जा रहे हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क में अभी तक करीब 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित किया जा चुके हैं। इन आवंटनों से प्राधिकरण में करीब 1415.24 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ है और उत्तर प्रदेश में 8,895 रोजगार का सृजन हुआ है।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग से लोगों की परेशानी बढ़ी, सांस लेने में हो रही है दिक्कत

■ बीएनटी न्यूज

दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग जारी है। आसपास के स्थानीय लोगों को सांस लेने में अब दिक्कत होने लगी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर काबू पाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

स्थानीय लोगों ने आग के कारण सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में तकलीफ की शिकायत करनी शुरू कर दी है। दिल्ली में रविवार शाम से गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी भीषण आग के चलते आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। गाजीपुर लैंडफिल साइट के आसपास गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी, वैशाली, इंदिरापुरम इलाके पड़ते हैं। स्थानीय लोगों को इस आग से निकलने वाले जहरीले धुएं से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

गाजियाबाद के वैशाली इलाके में रहने वाले नवीन जोशी ने बताया कि हम 1990 के से ही इस समस्या का सामना कर रहे हैं। आसपास रहने वाले लोगों को मधुमेह, बीपी, थायराइड और आंखों में जलन की अकसर दिक्कत होती है। कई सालों से बड़े बुजुर्ग और यहां तक कि छोटे बच्चे भी इन समस्याओं से पीड़ित हैं।

उनका कहना है कि आसपास के सभी इलाकों में लोगों को आंखों में जलन हो रही है। लोग बाहर नहीं जा पा रहे हैं। चाहे दिल्ली सरकार हो या केंद्र सरकार, कोई भी हमारी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। सबसे बड़ी समस्या है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा आग और भी ज्यादा तेज होती जाएगी। खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले अमरजीत ने बताया कि हम ठीक से सांस नहीं ले पा रहा हैं। मेरी आंखों में जलन हो रही है। कोई भी सरकार इस मुद्दे का समाधान नहीं कर रही है। इस आग से निकलने वाले धुएं के चलते स्कूली छात्रों का भी बुरा हाल है। आसपास के इलाकों से स्कूल जाने वाले छात्रों के गले में भी दिक्कत शुरू हो गई है।

यह पहली बार नहीं है कि डंपयार्ड से आग लगने की घटना सामने आई है। इससे पहले 2022 में लैंडफिल में आग लगने की तीन घटनाएं सामने आई थीं, जिसमें 28 मार्च की घटना भी शामिल थी, जिसे 50 घंटे से अधिक समय के बाद बुझाया गया था।

तनाव आपके शरीर को कैसे प्रभावित कर सकता है?

■ बीएनटी न्यूज

डॉक्टरों ने दावा किया कि तनाव न केवल मानसिक रूप से आपको प्रभावित करता है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

अप्रैल महीने को तनाव जागरूकता माह (स्ट्रेस अवेयरनेस मंथ) के रूप में जाना जाता है।

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, सभी उम्र के लोगों को भारी दबाव और तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं।

गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस अस्पताल में न्यूरोइंटरवेंशन के निदेशक और स्ट्रोक यूनिट के सह-प्रमुख विपुल गुप्ता ने आईएएनएस से कहा, "मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के अलावा, तनाव शरीर पर गहरा प्रभाव डाल सकता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां और बीमारियां हो सकती हैं।"

डॉक्टर ने कहा कि तनाव नींद को बाधित करता है, जिससे सोने में मुश्किल हो सकती है, इससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

"तनाव शारीरिक प्रतिक्रियाओं के एक समूह को ट्रिगर करता है, जिसमें कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे तनाव हार्मोन के ऊंचे स्तर शामिल हैं, जो सामान्य शारीरिक कार्यों को बाधित कर सकते हैं।

"चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस) और गैस्ट्रिटिस जैसे पाचन संबंधी विकार भी तनाव से जुड़े हुए हैं, क्योंकि यह आंत की गतिशीलता को बाधित कर सकता है और सूजन को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक तनाव हार्मोनल असंतुलन में योगदान कर सकता है, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों में प्रजनन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।"

डॉक्टर ने कहा, "इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम (आईबीएस) और गैस्ट्राइटिस जैसे पाचन विकार भी तनाव से जुड़े हुए हैं। यह आंत की गतिशीलता को बाधित कर सकता है और सूजन को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक तनाव हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों में प्रजनन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।"

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के दिसंबर 2023 के एक स्टडी से पता चला है कि भारत में हर तीसरा व्यक्ति तनाव से जूझ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 प्रतिशत भारतीय नियमित रूप से तनाव के कम से कम एक लक्षण का अनुभव करते हैं।

स्वस्थ जीवन शैली, नियमित व्यायाम, सामाजिक संबंध बनाए रखना आदि तनाव को कम करते हैं।

काउंसलिंग साइकोलोजिस्ट दिव्या मोहिन्द्रू ने तनाव को प्रबंधित करने के लिए माइंडफुलनेस, मेडिटेशन और गहरी सांस लेने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा, "पहले यह खोजें कि कौन सी चीजें आपको तनाव से बाहर लाती हैं। यह तनाव कम करने के लिए प्राकृतिक दृष्टिकोण है, जो जागरूकता की अवधारणा से जुड़ा है।"

एक्सपर्ट्स ने जरूरत पड़ने पर मदद मांगने के महत्व पर भी जोर दिया।

विपुल ने कहा, "यह पहचानना जरूरी है कि कब तनाव ज्यादा बढ़ जाता है और कब प्रोफेशनल मदद लेना जरूरी है। जब रोजाना के काम करने में बाधा उत्पन्न हो, या शारीरिक बीमारियों का कारण बने तो डॉक्टर या मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल के पास जाना जरूरी है। तनाव जागरूकता माह मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने के लिए समय पर रिमाइंडर के रूप में काम करता है।"

ब्राउन राइस से डायबिटीज रहती है कंट्रोल में

सफेद चावल जहां ब्लड शुगर बढ़ाते हैं वहीं ब्राउन राइस का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल में रहती है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स सफेद चावल के मुकाबले कम होता है। ऐसे में यह पचने में भी समय लेता है। धीरे-धीरे पचने के कारण ब्राउन राइस का ब्लड शुगर पर भी कम असर होता है। ऐसे में इसके नियमित सेवन से डायबिटीज का खतरा भी कम होता है। इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से भूख कम लगती है। इसमें पाया जाने वाला फाइबर प्रीबायोटिक के तौर पर काम करता है। ऐसे में यह गट बैक्टीरिया की ग्रोथ में भी मदद करता है। इसका सेवन करने से गट हेल्थ मजबूत होती है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला मैग्नीशियम डाइजेस्टिव ट्रैक्ट के मसल्स फंक्शन बेहतर बनाने में मदद करता है। ब्राउन राइस खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।

सफेद चावल के मुकाबले ब्राउन राइस में फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है। इसे खाने के बार-बार क्रेविंग्स नहीं होती। नियमित तौर पर इसका सेवन करने से बैली फैट भी कम होता है। इसमें कुछ ऐसे कंपाउंड्स पाए जाते हैं जो दिल संबंधी बीमारियों का जोखिम कम करते हैं। ब्राउन राइस में मैग्नीशियम और लिग्नेस भी पाया जाता है ऐसे में यह हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। ऐसे में यह पोषक तत्व शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। ब्राउन राइस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने और रोगों से लड़ने में मदद करते हैं।

हेल्थ एक्सपर्टस के माने तो चावल स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। सिर्फ सफेद ही नहीं बल्कि ब्राउन राइस भी सेहत को ढेरों फायदे देते हैं। इनमें सफेद चावल के मुकाबले ज्यादा पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, पौटेशियम और फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें विटामिन-ई भी पाया जाता है ऐसे में यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के अलावा भी ब्राउन राइस शरीर को कई तरह के फायदे देते हैं।

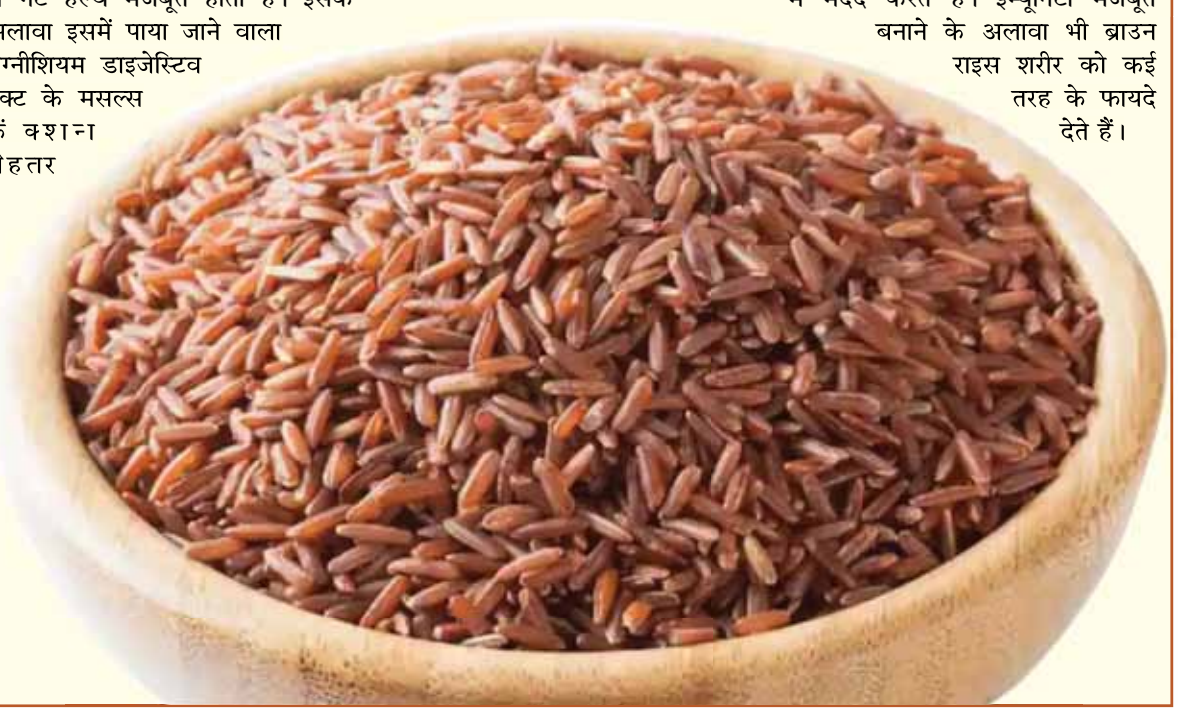

धनबाद में मिला कोरोना से संक्रमित मरीज

■ बीएनटी न्यूज

झारखंड के धनबाद में कोरोनावायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद मरीज को तत्काल केंद्रीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मरीज का उपचार जारी है। इस संबंध में जिले के सिविल सर्जन डॉ चंद्र भानु प्रताप ने बताया कि पश्चिम बंगाल से एक बीसीसीएल कर्मी धनबाद आया था। कोरोना के लक्षण पाए जाने के बाद उसे फौरन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

उन्होंने कहा, "यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धनबाद में मरीज ने किन-किन लोगों से मुलाकात की। जिन-जिन लोगों से उसने मुलाकात की होगी, उनका उपचार भी चिकित्सकीय निगरानी में शुरू किया जाएगा, ताकि वायरस को फैलने से रोका जा सके।" साल 2020 में कोरोनावायरस ने भारत में दस्तक देते ही चौतरफा हाहाकार मचा दिया था। इसके बाद पलक झपकते ही यह दुनियाभर में फैल गई।

हमें खुद पर विश्वास करना था...: राहुल तेवतिया

■ बीएनटी न्यूज

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस के आखिरी गेंद पर तीन विकेट से जीत हासिल करने के बाद, ऑलराउंडर राहुल तेवतिया ने कहा कि उन्हें राशिद खान और शाहरुख खान के साथ मिलकर लक्ष्य हासिल करने का विश्वास था।

जीटी को आखिरी पांच ओवरों में 73 रनों की जरूरत थी, जो एक कठिन काम लग रहा था। लेकिन तेवतिया ने शाहरुख के साथ 24 और राशिद के साथ 39 रन की साझेदारियां कीं और 22 रन बनाकर आखिरी से पहले वाली गेंद पर रन आउट हो गए। इसके बाद राशिद ने सवाई मान सिंह स्टेडियम में जीटी की शानदार जीत को पूरा करने के लिए आवेश खान को बैकवर्ड पॉइंट पर चार रन के लिए भेज दिया।

"हमें आखिरी तीन ओवरों में लगभग 40 रनों की जरूरत थी। मैं शाहरुख (खान) और राशिद (खान) के साथ बल्लेबाजी कर रहा था। हम बस एक-दूसरे को बता रहे थे कि दो या तीन हिट खेल को बदल सकते हैं और हम होड़ में हैं। हमें बस खुद पर विश्वास करना था और स्थिति के अनुसार खेलना था।"

तेवतिया ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "अंतिम तीन ओवरों में 40 रनों की आवश्यकता संभव है, यदि आपके हाथ में विकेट हैं, और यह केवल दो से तीन बड़े हिट की बात है। यदि एक बड़ा ओवर है तो तीन ओवरों में 40 और प्रभाव-खिलाड़ी नियम के साथ, फिर मुझे लगता है कि यह एक पीछा करने योग्य लक्ष्य है।"

आईपीएल के पिछले कुछ सीजन में, तेवतिया एक ठोस फिनिशर रहे हैं और उनका मानना है कि लक्ष्य का पीछा करते हुए कठिन परिस्थितियों के लिए तैयारी करने से उन्हें अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। 'टीम के दृष्टिकोण से, मैं मुझे दी गई स्वतंत्रता का आनंद लेता हूं। वे जानते हैं कि मैं अपनी ताकत से खेलता हूं और प्रशिक्षण के दौरान कड़ी मेहनत करता हूं।' "मैं मैच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयारी करता हूं और दिन-ब-दिन उन चीजों का अभ्यास करता हूं। टीम प्रबंधन जानता है कि मैं खुद का समर्थन करता हूं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता हूं, और यही कारण है कि वे मुझे उस भूमिका (एक फिनिशर की) में देखते हैं। ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना जहां किसी भी लक्ष्य का पीछा करने के लिए मेरे साथ दो-तीन बल्लेबाजों की आवश्यकता होगी।"

जीटी लगातार हार के बाद आरआर के खिलाफ मुकाबले में आई थी, लेकिन तेवतिया ने जयपुर में जीत के लिए टीम थिंक-टैंक के किसी भी दबाव से इनकार किया। किसी भी कीमत पर मैच जीतने का कोई दबाव नहीं था क्योंकि यह एक लंबा टूनार्मेंट था। दो मैच हारने से आप टूनार्मेंट से बाहर नहीं हो जाते, न ही वे किसी टीम को चैंपियन बनाते हैं।

"यह एक लंबा टूनार्मेंट है और हमारा उद्देश्य पिछले मैच में अपनी गलतियों से सीखना था और यह सुनिश्चित करना था कि भविष्य के मैचों में वे कम हों। इस मैच में भी, हमने कुछ अलग नहीं किया और बस अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते रहे और खेलते रहे। प्रबंधन की ओर से ज्यादा दबाव नहीं है और न ही खिलाड़ी खुद पर कोई दबाव लेते हैं, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा टूनार्मेंट है। हम दो करीबी मैच हार गए, लेकिन हम उसी तरह खेलना जारी रखेंगे।" तेवतिया ने आईपीएल 2024 में जीटी के लिए अपना हाथ बढ़ाने की उम्मीद के साथ हस्ताक्षर किए।

राशिद और नूर के टीम में होने से, किसी को तीसरे स्पिनर को मैदान में उतारने या उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पिछले दो वर्षों में हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और अभी भी वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। मैं इंतजार कर रहा हूं कि गेंदबाजी करने का मौका कब आएगा, लेकिन मैंने गेंदबाजी करना बिल्कुल नहीं छोड़ा है और देखते हैं कि मुझे टूनार्मेंट में गेंदबाजी करने का मौका कब मिलता है।'

पैरा तीरंदाज शीतल ने खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता

■ बीएनटी न्यूज

एशियाई पैरा खेलों की गोल्ड विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं।

डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरूआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है।

शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञप्ति में शीतल के हवाले से कहा गया, इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपये मिले। टूनार्मेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

■ बीएनटी न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने कल्याण चौबे को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि क्यों न उन्हें अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त सचिव के पद से मुक्त कर दिया जाए। यह कदम चौबे द्वारा अदालत के आदेशों की कथित अवहेलना और चल रही कानूनी कार्यवाही में सहयोग की कमी के आरोपों के बीच उठाया गया है।

जस्टिस सूर्यकांत और पी. एस. नरसिम्हा ने पाया कि चौबे जानबूझकर अदालत के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं और उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने में विफल रहने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की चेतावनी दी।

कोर्ट ने कहा, "हम संतुष्ट हैं कि वह जानबूझकर अदालत के आदेशों की अवहेलना कर रहा है। अगर वह उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ तो गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा।"

अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चौबे कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष उनके द्वारा दायर चुनाव याचिका में उपस्थित नहीं थे और सहयोग नहीं कर रहे थे।

नरसिंह यादव भारतीय कुश्ती संघ के एथलीट आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के निर्देश पर भारतीय एथलीट आयोग का चुनाव बुधवार को संपन्न हुआ। फेडरेशन कप का आयोजन 24 से 26 अप्रैल तक एम्फी थिएटर ग्राउंड, वाराणसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इस टूनार्मेंट के दौरान एथलीट कमीशन का चुनाव कराया गया। चुनाव में 25 राज्यों के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह यादव को एथलीट आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

पहले दिन 24 अप्रैल को फ्री स्टाइल कुश्ती स्पर्धा हुई। दूसरे दिन 25 अप्रैल को महिला पहलवानों की प्रतियोगिता होगी। अंतिम दिन 26 अप्रैल को ग्रीको रोमन कुश्ती में पहलवान दमखम दिखाएंगे। इन स्पधाओं में 25 राज्यों के 350 पुरुष तथा 150 महिला पहलवान सहभागिता कर रहे है। इनके अलावा स्पर्धा में 100 कोच, रेफरी और फिजियोथेरेपिस्ट भी शामिल हुए।

शिवम दुबे को टी20 विश्व कप टीम में देखना चाहूंगा: युवराज

■ बीएनटी न्यूज

भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भारत के टी20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज विकल्प के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन को चुना है।

युवी ने कहा कि सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह वर्ल्ड कप की टीम के 'प्रमुख खिलाड़ी' होंगे।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को बोर्ड द्वारा पुरुष टी20 विश्व कप टीम सौंपने की 1 मई की समय सीमा से पहले 15 सदस्यीय भारतीय टीम को अंतिम रूप देना है।

सबसे कठिन विकल्प विकेटकीपिंग विकल्प होगा क्योंकि ऋषभ पंत, संजू सैमसन, केएल राहुल और दिनेश कार्तिक से लेकर कई विकल्प हैं।

आईसीसी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में युवराज सिंह को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टूनार्मेंट के लिए एक ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

युवराज ने इस मेगा इवेंट के लिए अपनी भारतीय टीम चुनी। युवराज ने दुनिया के नंबर 1 रैंक वाले टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की पहचान ऐसे खिलाड़ी के रूप में की, जिसके परफॉर्मेंस पर टीम इंडिया की ट्रॉफी की उम्मीदें टिकी होंगी। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

"ऋषभ पंत और संजू सैमसन दोनों शानदार फॉर्म में हैं और जाहिर तौर पर वे युवा हैं। मैं डीके को मिश्रण में देखना

चाहूंगा, लेकिन अगर वह नहीं खेलने जा रहे हैं तो आप किसी ऐसे व्यक्ति को चुनेंगे जो युवा हो।" पंत ने आईपीएल 2024 के नौ मैचों की नौ पारियों में 48.86 की औसत और 161.32 की स्ट्राइक रेट से 342 रन बनाए। दस्तानों के साथ, पंत बेहद प्रभावशाली रहे हैं, उन्होंने 10 कैच लपके और तीन स्टंपिंग की। सैमसन ने निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता दिखाई है, जैसा कि उनके 50 से अधिक के औसत और 150 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से बनाए गए 314 रनों से पता चलता है।

युवराज यह भी चाहते थे कि टी20 विश्व कप में भारत के मध्यक्रम में अधिक विस्फोटक बल्लेबाजों का उपयोग किया जाए और उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में पहचाना है जिसे वह देखना चाहते हैं।

आईपीएल 2024 में भी दुबे को तेज गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाते हुए देखा गया है, खासकर शॉर्ट गेंदों के खिलाफ, जिससे लंबे समय से उनकी दुश्मनी रही है। वेस्टइंडीज की परिस्थितियों से स्पिनरों को अधिक मदद मिलने की उम्मीद है, दुबे की उपस्थिति भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी और वह अपनी स्पिन-हिट क्षमता का उपयोग करेगा। दुबे ने चेन्नई के लिए 8 मैचों में 51.83 की औसत से 311 रन बनाए हैं।

युवराज ने यह भी सुझाव दिया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को टी20 विश्व कप के पूरा होने के बाद टी20 क्रिकेट खेलने पर विचार करना चाहिए और अन्य प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। युवराज ने कहा, "जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है लोग आपकी उम्र के बारे में बात करने लगते हैं और वे आपकी फॉर्म के बारे में भूल जाते हैं।"

बंगाल प्रो टी20 लीग 11 जून से शुरू होगी

बंगाल प्रो टी20 लीग का उद्घाटन संस्करण 11 जून को कोलकाता में शुरू होने वाला है जिसमें 8 टीमें बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं।

लीग की परिकल्पना आईपीएल की तर्ज पर की गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। टूनार्मेंट 11 से 28 जून तक खेला जाएगा।

पुरुषों के मैच 11 जून को ईडन गार्डन्स में और महिलाओं के मैच 12 जून को जादवपुर यूनिवर्सिटी, साल्ट लेक कैंपस ग्राउंड में शुरू होंगे। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी।

लीग के पहले दिन शाम को केवल 1 पुरुष मैच होगा और महिलाओं का मैच अगले दिन से शुरू होगा और वहां से हर दिन दो मैच खेले जाएंगे।

सवोर्टेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड, जिसे हाल ही में बंगाल प्रो टी20 लीग की एक टीम के फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में शामिल किया गया है, खेल क्षेत्र में अपना कार्यकाल शुरू करने के लिए उत्साहित है।सवोर्टेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख ऋषभ भाटिया ने एक बयान में कहा, "हम बंगाल प्रो टी20 लीग के माध्यम से खेल के क्षेत्र में कदम रखने को लेकर रोमांचित हैं। यह उद्यम न केवल ईवी चार्जिंग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है, बल्कि दुनिया में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरने की हमारी आकांक्षा को भी रेखांकित करता है।"

श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हारा

■ बीएनटी न्यूज

अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत यहां तीसरे पुरुष हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक गोल की बढ़त गंवाकर 1-2 से हार गया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई। पहले दो टेस्ट में 1-5 और 2-4 से हारने वाली भारतीय टीम की रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति ने बेहतर प्रदर्शन किया। यह भारतीय रक्षापंक्ति के विरुद्ध लगातार आक्रमण करने वाले ऑस्ट्रेलिया की अग्रिम पंक्ति के बीच पारंपरिक मुकाबले की तरह था जिसमें आखिरकार भारतीय रक्षापंक्ति हार गयी।

जुगराज सिंह ने मैच के 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलायी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (44वें और 49वें) ने दो गोल करके मेहमान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और ऑस्ट्रेलिया को लगातार तीसरी जीत दिला दी। भारत ने एकजुटता के साथ मैच में आक्रामक शुरूआत की लेकिन ऑस्ट्रेलिया शुरूआती क्वार्टर में छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम हालांकि भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में विफल रही। पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन के लिए दोनों भारतीय गोलकीपरों (श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक) को श्रेय दिया जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया को चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में पहला गोल करने का मौका मिला लेकिन श्रीजेश ने दायीं ओर शानदार डाइव लगाकर हेवर्ड के प्रयास को विफल कर दिया। इसके पांच मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया को

तीन और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम 'द ग्रेट इंडियन वॉल' (श्रीजेश) से पार पाने में असफल रही। भारतीय खिलाड़ियों ने भी इसके बाद गेंद पर अच्छी पकड़ बनायी और पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल की लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह के प्रयास को ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने बचा लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर में दो और मौके बनाये लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति मजबूत रही। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में खेल की गति बदलने की कोशिश की और तेज तर्रार हॉकी के साथ भारत पर दबाव बनाये रखा। गोलकीपिंग में श्रीजेश के बाद अब अच्छा करने की पाठक की बारी थी।

उन्होंने सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान अरन जाल्वेस्की के प्रयास को अपने सीने से रोका और फिर टिम ब्रांड के प्रहार को गोल पोस्ट से दूर किया। ऑस्ट्रेलिया ने छोर बदलने के बाद भी दबदबा बनाने वाला खेल जारी रखा और जल्द ही एक और सेट पीस हासिल कर लिया लेकिन जोएल रिंटाला की फ्लिक कारगर नहीं रही। भारत ने अपने दूसरे पेनल्टी कार्नर पर जुगराज के बिजली की गति से लगाये शॉट से बढ़त बना ली। एक गोल से पिछड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार हमले के दम पर दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे श्रीजेश से पार नहीं पा सके। अमित रोहिदास की रक्षात्मक चूक से ऑस्ट्रेलिया को वापसी करने का मौका मिल गया। रोहिदास सर्कल के अंदर पर पकड़ बनाने में नाकाम रहे और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर को रोकने के लिए पेनल्टी स्ट्रोक स्वीकार कर लिया। हेवर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए बराबरी का गोल करने के लिए कदम बढ़ाया। आस्ट्रेलियाई टीम ने अंतिम क्वार्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दूसरे मौके पर, हेवर्ड ने अंततः एक शक्तिशाली फ्लिक के साथ श्रीजेश को चकमा दे दिया।

नीरज चोपड़ा जून में पावो नूरमी गेम्स में हिस्सा लेंगे

■ बीएनटी न्यूज

मौजूदा भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी गेम्स 2024 में उच्च गुणवत्ता वाले प्रतियोगियों में वापसी करेंगे, आयोजकों ने यह घोषणा की।

पावो नूरमी गेम्स, जो फिनलैंड के लंबी दूरी के धावक पावो नूरमी के सम्मान में आयोजित किया जाता है, एक शीर्ष स्तरीय विश्व एथलेटिक्स कार्यक्रम है जिसे कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड कहा जाता है।

आयोजकों ने एक्स पर पोस्ट किया, "ओलंपिक चैंपियन @नीरज_चोपड़ा जून में तुर्कू लौटेंगे और उच्च गुणवत्ता वाले प्रतिस्पर्धियों का सामना करेंगे। लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले गर्मियों की सबसे प्रतिस्पर्धी भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी करना है।"

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी ने 2022 में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। वह पिछले साल चोट के कारण खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

तुर्कू में वार्षिक एथलेटिक्स मीट में हर साल दुनिया के शीर्ष भाला फेंक सितारे शामिल होते हैं। इस साल की लाइनअप में जर्मनी के मैक्स डेह्लिंग शामिल हैं, जो इस साल की शुरूआत में 90.20 मीटर थ्रो के साथ प्रतिष्ठित 90 मीटर के निशान को पार करने वाले सबसे कम उम्र के भाला फेंकने वाले खिलाड़ी बन गए, जो विश्व-अग्रणी निशान है। इसके अतिरिक्त, मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले जूलियन वेबर भी फिनलैंड में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे।

पावो नूरमी गेम्स चोपड़ा के लिए साल का दूसरा आयोजन होगा क्योंकि मौजूदा विश्व चैंपियन 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट के साथ अपने 2024 अभियान की शुरूआत करेंगे।

डीसी ने रोमांचक मुकाबले में जीटी को चार रन से हराया

■ बीएनटी न्यूज

कप्तान ऋषभ पंत के 43 गेंदों में नाबाद 88 रन और अक्षर पटेल के 43 गेंदों में 66 रन के बाद गेंदबाजी में रसिख सलाम के तीन विकेटों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया। आईपीएल से इस एडिशन में यह दिल्ली की चौथी जीत है।

डीसी ने निर्धारित 20 ओवरों में 224/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया। बी साई सुदर्शन के 65 और डेविड मिलर के 55 रनों की बदौलत जीटी ने तेजी से रन बनाए, लेकिन वे टीम को जीत नहीं दिला सके।

गुजरात की ओर से 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, शुभमन गिल अपने 100वें आईपीएल गेम में एनरिक नॉर्टजे की गेंद पर मिड-ऑन पर गलत तरीके से कैच थमा बैठे। रिद्धिमान साहा और सुदर्शन ने पावर-प्ले के शेष समय में आपस में दस चौके लगाए। दोनों ने तीसरे ओवर में खलील अहमद के खिलाफ 17 रन जोड़े।

रासिख की गेंद पर मिड-ऑन पर अक्षर को 17 रन पर जीवनदान मिला। जीटी ने पावर-प्ले 67/1 पर समाप्त किया। सुदर्शन लगातार चौके लगाते रहे। लेकिन कुलदीप यादव ने साहा को अक्षर के हाथों कैच करा दिया।

सुदर्शन ने 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। अक्षर ने ओमरजई को फ्रेजर-मैकगर्क के हाथों कैच करा दिया। सुदर्शन रसिख के खिलाफ लॉन्ग-ऑफ पर आउट हो गए।

रसिख ने इसके बाद शाहरुख खान को विकेट के पीछे कैच कराया। कुलदीप की आखिरी गेंद पर राहुल तेवतिया भी इसी तरह आउट हुए। दूसरे छोर पर मिलर ने 21 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 17वें ओवर में 24 रन आए।

18वें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक पोरेल ने राशिद का कैच छोड़ दिया। मिलर ने मुकेश की गेंद पर चौका लगाया, लेकिन वह भी 23 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हो गए।

अंतिम दो ओवर में 37 रनों की जरूरत थी। अंतिम ओवर में समीकरण 19 रन पर आ गया। राशिद ने मुकेश को लॉन्ग-ऑन और मिड-विकेट के बीच के अंतर में चौका लगाकर शुरूआत की। जब तेज गेंदबाज ने इसे वाइड पिच किया, तो राशिद ने चौका लगाने के लिए एक्स्ट्रा कवर पर तेजी से स्लैश किया।

दो डॉट गेंदों के बाद राशिद ने लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। आखिरी गेंद पर पांच रनों की जरूरत थी, लेकिन राशिद बाउंड्री नहीं लगा सके।

संक्षिप्त स्कोरः दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 224/4 (ऋषभ पंत 88 नाबाद; अक्षर पटेल 66; संदीप वारियर 3-15) ने गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में 220/8 (बी साई सुदर्शन 65, डेविड मिलर 55; रसिख सलाम 3-44, कुलदीप यादव 2-29) को चार रन से हराया।

'हैप्पी डेज' 'पैय्या' की दोबारा रिलीज तमन्ना के नाम नया रिकॉर्ड

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया साउथ इंडस्ट्री की एकमात्र ऐसी अभिनेत्री बन गई हैं जिनकी दो सफल फिल्में दोबारा रिलीज हुई हैं। तमन्ना ने एक बार फिर दर्शकों के दिल पर अमिट छाप छोड़ी है और इस बार, उन्होंने ऐसा अपनी सबसे लोकप्रिय तेलुगु फिल्म 'हैप्पी डेज' और तमिल फिल्म 'पैय्या' की दोबारा रिलीज के साथ किया, जो मूल रूप से 2007 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। और 2010, क्रमशः। जहां 'पैय्या' 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। वहीं 'हैप्पी डेज' 19 अप्रैल को दोबारा रिलीज हुई। पैन इंडिया स्टार एकमात्र दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं जिनकी दो बार दोबारा रिलीज हुई, जिन्हें दर्शकों से भारी प्रतिक्रिया मिली।

प्रशंसकों ने सोशल मीडिया हैंडल पर यह व्यक्त किया कि कैसे फिल्में समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और स्क्रीन पर उसी तरह का जादू बुनती रहती हैं। इन पुनः रिलीजों की सफलता अभिनेत्री की उद्योग में सबसे प्रिय सितारों में से एक की स्थिति की पुष्टि करती है।अभिनेत्री की सिनेमाई यात्रा उनकी बहुमुंखी प्रतिभा और अपनी कला के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनकी फिल्में उनके स्थायी आकर्षण और कालातीत अपील के प्रमाण के रूप में काम करती हैं। काम के मोर्चे पर, तमन्ना अपनी तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। वह बॉलीवुड फिल्म 'वेदा' और तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' में भी नजर आएंगी।

सिद्धार्थ से मिलने से पहले मैंने कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था : विद्या बालन

■ बीएनटी न्यूज

फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक आदर्श रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलने से पहले कभी शादी के बारे में नहीं सोचा था।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस में से एक विद्या बालन ने 2012 में फिल्म निमार्ता सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी की थी।

यह पूछे जाने पर कि उनके अनुसार, एक आदर्श रिश्ते का मंत्र क्या है, विद्या ने बीएनटी न्यूज को बताया, मुझे नहीं लगता कि कोई मंत्र है। कम से कम मुझे तो यह पता नहीं चला... मंत्र हर रिश्ते के लिए अनोखा होता है। कोई आपके कान में ये मंत्र नहीं बताएगा। हर रिश्ते का अपना एक अनोखा मंत्र होता है।

रिश्तों को लेकर विद्या की समझ विकसित हुई है। उन्होंने कहा, "शादी के 12 साल और डेटिंग के वर्षों के दौरान रिश्तों के बारे में मेरी समझ बदल गई है। शादी के बारे में मेरी समझ बढ़ी है। मैं उनमें से नहीं हूं जिसने शादी से पहले उसके बारे में सोचा हो।" उन्होंने आगे कहा, "इन सालों ने मुझे सिखाया है, और मुझे यकीन है कि गुजरते समय के साथ मैं रिश्ते को समझना और विकसित करना जारी रखूंगी।"

हालांकि, विद्या ने रिश्ते को स्वस्थ रखने के लिए एक बात शेयर की।

विद्या ने कहा, "एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं वह यह है कि किसी जोड़े के बीच रिश्ते में, चाहे वह विषमलैंगिक हो या समान-लिंग वाला हो, आप किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल नहीं कर सकते।

उन्होंने आगे कहा, "मेरा मतलब सिर्फ अफेयर से नहीं है, बल्कि किसी अन्य रिश्तेदार या दोस्त से भी है। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों के बीच का है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने वर्षों से समझा है। विद्या अब अपनी आगामी फिल्म 'दो और दो प्यार' की तैयारी कर रही हैं, जो 19 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सोहिला राममूर्ति भी हैं।

जेंडया ने 'चैलेंजर्स' में अपने काम के अनुभव को साझा किया

■ बीएनटी न्यूज

अमेरिकी अभिनेता और गायिका जेंडाया ने लुका गुआडागिनो के निर्देशन में बनी फिल्म 'चैलेंजर्स' में अपने काम के अनुभव को साझा किया। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, उन्होंने अपने सह-कलाकारों, माइक फैस्ट और जोश ओ'कॉनर के साथ सेट से तस्वीरों और वीडियो की एक श्रृंखला साझा की। उन्होंने बताया कि वह कितनी "घबराई हुई" थीं, उन्होंने कहा, "कुछ दिनों में आने वाली @challengersmovie के सम्मान में एक छोटा सा बीटीएस डंप। मैं पहली बार इस तरह से एक फिल्म का नेतृत्व कर रही हूं, इसलिए लड़कियां घबराई हुई थीं, लेकिन हर किसी का उत्साह और प्रोत्साहन बढ़ा है।" मेरे लिए यही दुनिया है," उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट को कैप्शन दिया। "मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मुझे इन अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली, शानदार (और प्रफुल्लित करने वाले) लोगों के साथ ऐसा करने का मौका मिला और हम सभी की ओर से, हम आशा करते हैं कि आप फिल्म का आनंद लेंगे और फिर से... पात्रों को बहुत अधिक आंकने की कोशिश न करें हाहा, लेकिन #teamtashi भी। वीडियो में जेंडया को उछालभरी गेंद के साथ वर्कआउट करते और टेनिस कोर्ट पर प्रशिक्षण लेते देखा जा सकता है, ओ'कॉनर एक प्लास्टिक की बोतल को पलटने की कोशिश करते हैं ताकि वह सीधी जमीन पर गिरे, और फिस्ट को बाल और मेकअप में देखा जा सकता है। आखिरी वीडियो में, ओ'कॉनर और फैस्ट फिल्म के जेंडया के विग के साथ एक टेनिस रैकेट को चूमते हैं, जो ट्रेलर के उस दृश्य का संदर्भ देता है जो वायरल हो गया था जिसमें उनके पात्र दोनों उसे चूम रहे थे।

ओवरड्रेस्ड! बेहद भारी, बड़ा गाउन पहने टेम्पो से उतरीं उर्फी जावेद

■ बीएनटी न्यूज

अपने अजीब फैशन सेंस के लिए विख्यात सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद ने एक बेहद भारी बड़े घेरेदार गाउन में सामने आकर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

एक वीडियो में एक्ट्रेस को मुंबई में नीले रंग का गाउन पहने हुए एक टेम्पो से उतरते देखा गया।

उर्फी जल्द ही आगामी फिल्म 'लव सेक्स और धोखा 2' में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि पूरे आउटफिट को बनाने में दो-तीन महीने लगे और इसे 10-11 लोगों ने मिलकर बनाया है। उनकी टीम के सदस्य उन्हें टेम्पो से उतरने में मदद करते दिखे।

इस बीच, अभिनेत्री ने कुछ हफ्ते पहले अपने नए शीर्षक 'फॉलो कर लो यार' की घोषणा की। यह शो, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा, उनके जीवन पर आधारित है और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित है।

मुंबई में लॉन्च इवेंट में, उर्फी ने कहा, "बहुत से लोग बहुत सी चीजें सुझा रहे थे। कोई कह रहा था, एक फिल्म करो, अन्य कह रहे थे, 'डेटिंग शो करो।'

मुझे फिल्मों के लिए कोई प्रस्ताव नहीं मिल रहा था, हालांकि मैं कोरियोग्राफर नहीं हूं, मैं अपने अगले कदम की योजना बना रही थी, आपको कई शैलियां मिल सकती हैं - नाटक, आघात, प्रेम, मसाला और हिंसा। तो मैंने सोचा कि 'मुझे अपने जीवन पर एक रियलिटी शो करना चाहिए'।"

अग्रणी महिला बनने के लिए नियमों का पालन नहीं करूंगी : भूमि पेडनेकर

■ बीएनटी न्यूज

एक अधिक वजन वाली लड़की के रूप में डेब्यू करने से लेकर स्क्रीन पर एक समलैंगिक लड़की की भूमिका निभाने तक, अभिनेता भूमि पेडनेकर ने एक अपरंपरागत और बहुंमुखी अभिनेता के रूप में अपनी क्षमता को लगातार साबित किया है। पिछले कुछ वर्षों में, उनकी प्रतिभा और बहुंमुखी प्रतिभा ने उन्हें कुछ बेहतरीन भूमिकाएँ हासिल करने में मदद की है। वह इस बात के अनुरूप नहीं है कि अभिनेत्रियाँ पर्दे पर कैसी दिखती हैं, न ही वह उन फिल्म विकल्पों के अनुरूप होती हैं जो प्रमुख महिलाओं ने बनाई हैं। उन्होंने 'दम लगा के हईशा' में एक अधिक वजन वाली लड़की के रूप में शुरूआत की।

लोगों द्वारा उसे यह बताने के बावजूद कि यह करियर को खत्म करने वाला कदम हो सकता है, उसने सर्वसम्मत प्यार जीता। भूमि ने पर्दे पर एक समलैंगिक लड़की की भूमिका भी निभाई । उनकी सभी फिल्म पसंद अलग और बेहद विविध हैं और यही उन्हें एक विशेष प्रतिभा बनाती है। इस बारे में बात करते हुए भूमि ने कहा, "मैं इस उद्योग में एक अग्रणी महिला होने के मानदंड का पालन करने के चक्कर में कभी नहीं पड़ूंगी। मुझे पता है कि मैं इस नियम से विचलित हूं कि पर्दे पर अग्रणी महिलाएं कैसे रही हैं। और मुझे वह पसंद है। लोग मुझे केवल उस काम के लिए याद रखेंगे जो मैं स्क्रीन पर करता हूं। इसलिए, मेरे लिए उन फिल्मों को चुनना बहुत महत्वपूर्ण है जो मुझे लगता है कि मेरी आंख कुछ नया कहने की कोशिश कर रही है या कुछ बेहद विघटनकारी करने का लक्ष्य रखती है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में राज कुंद्रा के खिलाफ ईडी का एक्शन, 97.79 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच

■ बीएनटी न्यूज

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ रुपये की अचल और चल संपत्ति गुरुवार को अटैच कर ली है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत यह एक्शन लिया है।

कुर्क की गई संपत्तियों में जुहू में स्थित एक फ्लैट भी शामिल है, जो वर्तमान में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के नाम पर है।

इसके अलावा जांच एजेंसी ने पुणे स्थित एक बंगला और बिजनेसमैन राज कुंद्रा के नाम पर इक्विटी शेयर भी अटैच की है।

बता दें कि साल 2021 में राज कुंद्रा का नाम पोर्नोग्राफी केस में भी सामने आया था। इसके बाद उनकी गिरफ्तार भी हुई थी। हालांकि बाद में राज कुंद्रा को जमानत मिल गई थी।

महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच एजेंसी ने वेरिएबल टेक पीटीई लिमिटेड के दिवंगत अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज और कई एमएलएम एजेंटों के खिलाफ जांच शुरू की थी। आरोप लगाया गया कि उन्होंने

बिटकॉइन के रूप में प्रतिमाह 10 प्रतिशत रिटर्न के झूठे वादे के साथ लोगों से बिटकॉइन (2017 में ही 6600 करोड़ रुपये मूल्य) के रूप में भारी मात्रा में धन इकट्ठा किया था।

इसके जरिए बिटकॉइन लोगों से भारी मात्रा में लिया गया, जिस पर निवेशकों को क्रिप्टो करेंसी में भारी रिटर्न मिलना था।

ईडी ने जारी एक बयान में कहा कि प्रमोटरों ने निवेशकों को धोखा दिया और गलत तरीके से प्राप्त बिटकॉइन को ऑनलाइन वॉलेट में छुपा दिया। जांच में यह भी पता चला कि राज कुंद्रा को यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फॉर्म स्थापित करने के लिए गेन बिटकॉइन पोंजी घोटाले के मास्टरमाइंड और प्रमोटर अमित भारद्वाज से 285 बिटकॉइन प्राप्त हुए थे। ये बिटकॉइन अमित भारद्वाज ने निवेशकों से एकत्र किए गए आय से प्राप्त किए थे।

ईडी अधिकारी ने बताया कि इसको लेकर सौदा सफल नहीं हुआ, ऐसे में राज कुंद्रा के पास अभी भी 285 बिटकॉइन हैं, जिनकी कीमत वर्तमान में 150 करोड़ रुपये से अधिक है।

जांच के दौरान इस मामले में कई सर्च ऑपरेशन चलाए गए और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा, "सिम्पी भारद्वाज को 17 दिसंबर 2023 को नितिन गौड़ को 29 दिसंबर 2023 को और निखिल महाजन को 16 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया गया था। ये सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। हालांकि इस मामले में मुख्य आरोपी अजय भारद्वाज और महेंद्र भारद्वाज अभी भी फरार हैं।"

इससे पहले ईडी ने इस मामले में 69 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी।

मैं खुद को किसी एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहता: रणदीप हुड्डा

■ बीएनटी न्यूज

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने कहा है कि वह खुद को एक थीम तक सीमित नहीं रखना चाहते। वह अलग-अलग शैलियों में काम करना चाहते हैं।

अभिनेता ने एक फिल्म निमार्ता के रूप में अपने अगले प्रोजेक्ट एक्शन फिल्म का भी संकेत दिया। अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर रणदीप ने बीएनटी न्यूज से कहा, "एक एक्टर के तौर पर, मैंने कई छलांग लगाई है, कई तरह के किरदार निभाए हैं। इसी तरह, एक फिल्म निमार्ता के रूप में, मैं अलग-अलग शैलियों पर काम करूंगा। शायद अगली बार मैं एक एक्शन फिल्म बनाऊंगा।"

रणदीप ने 2001 में 'मॉनसून वेडिंग' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई शानदार फिल्में दी, जिनमें 'साहेब बीवी और गैंगस्टर', 'मर्डर 3', 'हाईवे' और 'सरबजीत' शामिल हैं।

एक अन्य सवाल के जवाब में एक्टर ने कहा, "इंडस्ट्री कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह नहीं है। यह अलग-अलग द्वीप हैं जो अपना काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे मैं एक हूं।

कई कहानियों को चुनौती देने वाली फिल्म के साथ... सात साल बाद बड़े पर्दे पर सफल वापसी के साथ, एक एक्टर और निर्देशक के रूप में मुझे दर्शकों से जो प्यार मिला है, उसने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया है। आखिरकार दर्शक ही हैं जो किसी के टैलेंट को बेहतर तरीके से आंकते हैं।"

अभिनेता ने आगे कहा, "मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो इस बात का रोना रोते हैं कि मुझे क्या मिलना चाहिए था। इसके बजाय, मैं दर्शकों का प्यार जीतते रहने के लिए कड़ी मेहनत करने में विश्वास रखता हूं।"

रणदीप ने 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर सात साल बाद सोलो लीड के रूप में कमबैक किया, जो उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी। इस किरदार के लिए उन्होंने लगभग 32 किलो वजन कम किया।

हीरामंडी के सेट का कॉन्सेप्ट तैयार करने में लगे 18 साल

वेब सीरीज हीरामंडी के निमार्ता संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी के सेट्स के बारे में दिलचस्प डिटेल्स शेयर कीं। भंसाली ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि इस सेट का कॉन्सेप्ट तैयार करने में उन्हें ऑलमोस्ट 18 साल लगे हैं। इस सेट में मल्लिकाजान (मनीषा कोइराला) का शाही पैलेस भी शामिल है, जो हीरामंडी की सबसे पावरफुल तवायफ हैं। उनकी टक्कर लेने जा रहीं फरीदन (सोनाक्षी सिन्हा) का ग्रैंड क्वार्टर भी इसी में शामिल है। सेट पर एक बड़ी सफेद मस्जिद, एक बहुत बड़ा सा अहाता और एक हॉल भी हैं जिसमें कई खूबसूरत फव्वारे हैं।रिपोर्ट में बताया गया कि इस सेट को करीब 700 कारीगरों ने तैयार किया है, जिसमें दुकानें कोठे और हमाम भी शामिल हैं। भंसाली की सुपरविजन में बने इस सेट पर लगे झूमर और लकड़ी के दरवाजे भी हैंडमेड हैं। सेट पर 1930-40 के दौर का टीक वुड फर्नीचर भी है, इसे अहमदाबाद के एक एंटीक स्टोर से खरीदा गया है। बताया गया कि भंसाली ने अपने कलेक्शन के लिए खुद इसे खरीदा है। इस विशाल सेट के बारे में बात करते हुए भंसाली ने बताया, जब किरदार ऐसे होते हैं जिन्हें मैं बहुत प्यार करता हूं। तो मैं उनके लिए खास जगह तैयार करता हूं। मेरे आर्ट डायरेक्टर घबराए हुए होते हैं जब मैं उन्हें कॉल करता हूं। जबतक चीजें एकदम सही नहीं होतीं मैं उनका दिमाग खा जाता हूं। अच्छा सेट बनाने के लिए बहुत प्यार और जिम्मेदारी की जरूरत पड़ती है।

'महारानी' वेब सीरीज की कहानी को बिहार की राजनीति से जोड़कर देखा जाना असल में हमारी सफलता : उमाशंकर सिंह

■ बीएनटी न्यूज

ओटीटी पर बिहार की पृष्ठभूमि पर बनी दो वेब सीरीज 'महारानी' और 'खाकी : द बिहार चैप्टर' ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। दोनों ही वेब सीरीज की कहानी को उमाशंकर सिंह ने लिखा है। उमाशंकर इससे पहले एक हिंदी फिल्म 'डॉली की डोली' भी लिख चुके हैं। तब, अरबाज खान प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को भी क्रिटिक ने खूब सराहा था।

ऐसे में फिल्म राइटर उमाशंकर सिंह से बीएनटी न्यूज से बातचीत में अपने दिल्ली से मुंबई तक के सफर और पत्रकारिता से फिल्म इंडस्ट्री तक की अपनी जर्नी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने राजनीति और सिनेमा के बीच की समानता और अंतर पर भी अपनी राय रखी।

उमाशंकर सिंह ने बीएनटी न्यूज के साथ बातचीत में कहा कि राजनीति और सिनेमा दोनों बिजनेस है, पर दोनों बहुत अलग किस्म का बिजनेस है। उन्होंने साफ कहा कि राजनीति तिकड़मी लोग चलाते हैं और सिनेमा क्रिएटिव लोग बनाते हैं।

वेब सीरीज 'महारानी' की कहानी बिहार की राजनीति से प्रेरित होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सब कुछ कहीं न कहीं से प्रेरित होता है या कहीं न कहीं से प्रेरित लगता है। हमारी 'महारानी' बिहार की राजनीति से प्रेरित नहीं है, प्रेरित लग रही है। उसकी एक तो ये वाजिब वजह है कि हमारी नायिका रानी भारती बिहार की एक्सीडेंटल सीएम बनती है। बिहार में अब तक एक ही महिला सीएम बनीं हैं। वो भी एक्सीडेंटल सीएम थीं। तो तुलना का आधार बनता है। पर इसके अलावा दोनों में कोई समानता नहीं है। दोनों की अलग-अलग जर्नी है। इसके बावजूद भी लोग यदि इसे बिहार या देश की राजनीति से जोड़ के देखते हैं तो असल में यह हमारी सफलता है।

उनसे जब सवाल किया गया कि 'महारानी' वेब सीरीज के अंतिम दो सीजन का जब-जब टीजर या ट्रेलर आया बिहार में सरकार बदल गई, क्या यह महज इत्तेफाक था या कुछ और? तो, उन्होंने कहा कि ये इत्तेफाक ही है, मगर ये थोड़ा विचित्र इत्तेफाक है और ये इतनी बार हो गया कि हम पर लोग इसे आरोप की तरह चस्पा भी करने

लगे हैं। इसके बदले उन्हें अपने नेताओं से पूछना चाहिए कि क्यों 'महारानी' आने से पहले वे इतना उल्टासन करके हमारी मार्केटिंग करते हैं? वैसे सवाल तो ये होना चाहिए कि कभी भी क्यों करते हैं? हमारी राजनीति में सरेआम कुछ भी बोलकर सरपट पलट जाना इतना आसान क्यों हो गया है? हमारी राजनीति का आलम ये है कि ड्रामा में जो दिखाते हुए हमें अजीब लगता है उससे कई गुना ज्यादा वे रियल में करने से नहीं झिझकते।

अपनी आगामी फिल्म या वेब सीरीज के बारे में बीएनटी न्यूज को उमाशंकर सिंह ने बताया कि मेरी आने वाली फिल्में उन विषयों पर है, जिसे यहां कभी छुआ नहीं गया है। अभी हम कास्टिंग के प्रोसेस में हैं। एक बार जब ये ऑफिसियल हो जाए तब इसके बारे में विस्तार से बात की जा सकती है।

पहली फिल्म 'डॉली की डोली' के बाद बड़े पर्दे से उनके गायब रहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसके पीछे की वजह मैं ही हूं। असल में 'डॉली की डोली' मुझे मुंबई आते ही मिल गई थी। अरबाज खान इसे 'दबंग' और 'दबंग 2' के बाद बना रहे थे। मैं तब इंडस्ट्री को ज्यादा समझता नहीं था। मुझे नहीं पता कि इसे आगे कैसे परश्यू करूं। इंडस्ट्री मुझे उस वक्त कुछ खास तरह के काम ही दे रही थी, जबकि मैं अपने लिए कुछ अलहदा चाहता था। मुझे समझना चाहिए था कि ये प्रयोग करने का नहीं, टिकने का समय है तो मैंने उन दिनों कुछ गलत फैसले लिए। कई फिल्में करने से इनकार कर दिया। कई बन रही थी जो अटक गई और मैं घेरे से बाहर हो गया। घेरे में फिर से घुसने में समय लगा। सिनेमा का दरवाजा बंद तो बहुत आसानी से हो जाता है पर खुलता मुश्किल से है। उसी दरवाजे को धक्का देने में, दोबारा खोलने में वक्त लग गया। पर उस वक्त ने और उस जद्दोजहद ने काफी कुछ सिखाया।

उनसे जब पूछा गया कि दिल्ली में पत्रकारिता से सीधे मायानगरी में कदम रखने पर उनको कैसा महसूस हुआ तो उन्होंने कहा कि यह सफर मजेदार, रोमांचक, तूफानी रहा। एक तो अपने को बचाए और टिकाए रखने की जद्दोजहद और दूसरा फिल्मों के बनने का टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता और उसके खट्टे-मीठे अनुभव। एक तो मुंबई की बाहरी दुनिया से तालमेल, द्वंद्व-प्यार का संबंध और दूसरा आपके भीतर आपके कहानियों के किरदारों से सजी पूरी दुनिया। ये सिर्फ इसी पेशे में हो सकता है। फिर देखते-देखते ओटीटी, डिजिटल की नई दुनिया खुल गई। नए माध्यम और नए हथियार मिल गए। तो नए हथियारों से करतब भी नए दिखाने होंगे। पुराना खेला चलेगा नहीं। इस सबके बीच नौ दिन में चले ढाई कोस वाला सफर रहा है मेरा।

'खाकी द बिहार चैप्टर' के क्रिएटर नीरज पांडे के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में उमाशंकर सिंह ने बीएनटी न्यूज को बताया कि नीरज पांडेय के साथ काम करने का मौका मिलना बड़ी बात थी। मैं इस मौके को जाया नहीं करना चाहता था। खाकी के लिए मुझसे पहले वह कई लेखक से मिल चुके थे, पर कोई उन्हें जंच नहीं रहा था। तब उन्हें डायरेक्टर शिवम नायर ने मेरा नाम सुझाया था। पहली ही मुलाकात में उन्होंने मुझे गो अहेड तो कह दिया। पर उनकी आंखों में हल्का सा अविश्वास मुझे दिखा था। कुछ दिन बाद जब मैंने उन्हें पहला एपिसोड मेल किया उसके बाद हमारे बीच सब बदल गया।

उन्होंने अपनी आगामी फिल्म को लेकर बताया कि उनकी दो स्क्रिप्ट तैयार है। उसकी कास्टिंग हो रही है। दोनों फिल्में 2025 में दर्शकों के बीच आ सकती है।

महारानी वेब सीरीज के चौथे सीजन को लेकर पूछे गए सवाल पर उमाशंकर सिंह ने कहा कि, 'महारानी 4' के लिए चैनल से बहुत प्रेशर है। पर मेरे को-राइटर और क्रिएटर सुभाष कपूर सर और हम सब की थोड़ी अपनी-अपनी व्यस्तताएं हैं। जितनी जल्दी हो पाए हम लोग उसे समेट कर महारानी 4 के बारे में सोचना शुरू करेंगे।

'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' में मनीषा का किरदार तैयार करना दिलचस्प था : लारा दत्ता

■ बीएनटी न्यूज

एक्ट्रेस लारा दत्ता ने 2020 में एक्शन-कॉमेडी सीरीज 'हंड्रेड' के साथ स्ट्रीमिंग की शुरूआत की। चार साल बाद, आज एक्ट्रेस का एक और शो 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहा है।

स्ट्रीमिंग मीडियम में लगभग आधा दशक बिताने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि आज ओटीटी काफी बढ़ रहा है, कई प्लेटफार्म सामने आ रहे हैं। कई प्लेटफार्म उपलब्ध होने से अलग-अलग कैरेक्टर को एक्सप्लोर करने के ज्यादा अवसर उपलब्ध हैं।

बीएनटी न्यूज से बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, "ओटीटी के बारे में अद्भुत बात यह है कि इसमें बहुत सारे प्लेटफॉर्म हैं, आप ऑडियंस के अलग-अलग सेगमेंट को टारगेट कर रहे हैं। आपको ऐसे कटेंट बनाने होंगे, जो उन सभी से जुड़े हों।"

लारा ने 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' में अपने किरदार के बारे में भी बात की।

एक्ट्रेस ने कहा, "मनीषा सहगल कैरेक्टर का कोई मिलिट्री बैकग्राउंड नहीं है, लेकिन हमारे बीच काफी कुछ समानताएं हैं। मुझे लगता है कि किसी कैरेक्टर के लिए स्क्रिप्ट ही आपका शुरूआती प्वाइंट है। मनीषा अकेले रहती हैं, और वह बहुत सीधी हैं। मेरे लिए इस तरह का किरदार बनाना दिलचस्प और आकर्षक था। वह लोगों और चीजों के प्रति थोड़ी लापरवाह है, लेकिन जब देश की बात आती है, तो वह सब कुछ देने के लिए तैयार रहती है।"

उन्होंने कहा, "मनीषा सहगल जैसा किरदार बनाने के लिए मैंने शुरू से तैयारी की। मुझे यकीन है कि जब दर्शक इस सीरीज को देखेंगे, तो उन्हें यह काफी पसंद आएगी।"

'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' द सिनेमा पर स्ट्रीम हो रही है।

खुशहाल नहीं था मेरा बचपन, शुरू से किया सफलता पर फोकस : सामंथा

■ बीएनटी न्यूज

मशहूर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपने पॉडकास्ट 'टेक 20' पर अपने लाइफ एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मेरा फोकस सफलता पर था।

पॉडकास्ट 'टेक 20' के एक एपिसोड में, सामंथा ने वेलनेस कोच और न्यूट्रिशनिस्ट अलकेश शारोत्री के साथ कुछ परिस्थितियों में शरीर में आने वाले बदलाव या परेशानियों पर बात की।

एक्ट्रेस ने कहा, "मेरा मानना था कि थकावट और आराम की जरूरत कमजोरी के लक्षण हैं। मुझे केवल छह घंटे की नींद और पूरे दिन असाधारण रूप से प्रोडक्टिव होने पर गर्व है।"

"थकावट महसूस करने के बावजूद, मैंने 13 सालों तक बिना रुके जमकर मेहनत की।"

एक्ट्रेस ने आगे कहा, "मेरा बचपन लग्जरियस नहीं था, इसलिए कम उम्र से ही मैंने सफलता पर फोकस करना शुरू कर दिया। मुझे जीवन में 'कुछ कर दिखाने' की उम्मीद का दबाव महसूस हुआ, लेकिन लगातार यह धारणा बनी रही कि मैं उतनी अच्छी नहीं हूं, इसलिए यह मेरे लिए सफल होने के लिए मोटिवेशन का कारण बन गया।"

'पुष्पाः द राइज' के सॉन्ग 'ऊ अंतावा' में अपने शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाली सामंथा ने कहा कि लोग अक्सर एक्टिंग को ग्लैमरस मानते हैं, जो कि पूरा सच नहीं है।

उन्होंने कहा, "यह बहुत कड़ी मेहनत वाला काम है, खासकर तब जब आप लगातार सुर्खियों में हों और आपको आंका जा रहा हो। मैंने इस इंडस्ट्री में तब शुरूआत की जब मैं सिर्फ 22-23 साल की थी, और कुछ लड़कियां इससे भी कम उम्र में शुरूआत करती हैं।"

अपनी जर्नी पर बात करते हुए, सामंथा ने कहा, "मैं बचपन से ही दूसरों को खुद को परिभाषित करने देती रही हूं। यह एक ऐसा पैटर्न है, जहां मैंने दूसरों को खुश करने और उनकी मंजूरी लेने के लिए अथक प्रयास किया। मेरे अपने विचार, भावनाएं और इच्छाएं महत्वपूर्ण हैं।"

सफलता हासिल करने के बाद डर उभर कर सामने आया।

उन्होंने कहा, "जब मैंने सफलता हासिल की, तो मुझे इसे खोने का डर था, मैं तुरंत अगली बड़ी उपलब्धि की तलाश में लग गई। इसलिए, मेरा मानना है कि मैं अपने पूरे करियर में फ्लाइट या फ्लाइट मोड में रही हूं।"

सामंथा जल्द ही ओटीटी सीरीज 'सिटाडेलः हनी बन्नी' में वरुण धवन के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

अपने करियर में मैं 'अनदेखी 3' जैसा प्रोजेक्ट करना चाहती थी : हेली दारूवाला

■ बीएनटी न्यूज

एक्ट्रेस हेली दारूवाला, जो अपनी अगली सीरीज 'अनदेखी 3' की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने कहानी को रोमांचकारी बताया है।

शो में हेली महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं, हालांकि उन्होंने भूमिका के बारे में जानकारी को गुप्त रखा है।

जिस चीज ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया वह थी शो की स्क्रिप्ट और कहानी।

हेली ने कहा, "'अनदेखी' एक बेहद लोकप्रिय शो है और मुझे सीजन 3 का हिस्सा बनकर

खुशी हो रही है। टीम ने कहानी को रोमांचकारी बनाए रखने का शानदार काम किया है और यह उस तरह का प्रोजेक्ट है जिसकी मैं तलाश कर रही थी।"

एक्ट्रेस ने आगे कहा, "जिस तरह से मेरे ट्रैक ने आकार लिया है, उससे मैं बेहद खुश हूं और मैं 10 मई को दर्शकों द्वारा इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती।"

'अनदेखी 3' 10 मई को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

डर को स्वीकार करना ही साहस हैः सुष्मिता सेन

■ बीएनटी न्यूज

'आर्या 3' में अपने दमदार अभिनय से प्रशंसा हासिल करने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने डर से निपटने के तरीके पर बात की है।

एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में कैमरे में देखते हुए अपनी एक डी-ग्लैम फोटो शेयर की है। सुष्मिता ने तस्वीर पर लिखा, साहस भय का अभाव नहीं है, दरअसल इसकी शुरूआत डर को स्वीकार करने से होती है।

विपरीत परिस्थितियों में भी खड़े रहने के सुष्मिता सेन के हौसले की अक्सर तारीफ की जाती है। इससे पहले अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शेयर किया था कि वह किसी चीज का पीछा नहीं करती बल्कि उसे अपनी ओर आकर्षित करती है और संभावनाओं, आशा, दया, प्रेम, कृतज्ञता और प्रचुरता को चुनती है।

एक्ट्रेस ने इससे पहले इंस्टाग्राम पर काले रंग के टैंक टॉप और गुलाबी रंग के बड़े धूप के चश्मे के साथ अपनी एक फोटो शेयर की थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "मैं पीछा नहीं करती, मैं आकर्षित करती हूं... मेरा गुलाबी रंग का चश्मा अक्सर मुझे याद दिलाता है... यह 'वहां क्या है' के बारे में नहीं है, यह 'मैं क्या देखना चुनती हूं' के बारे में है... मैं संभावनाओं, आशा, दया, प्रेम, कृतज्ञता, एकता और प्रचुरता को देखना चुनती हूं... मैं जो चुनती हूं, मैं उसे आकर्षित करती हूं।" एक्ट्रेस को स्ट्रीमिंग सीरीज 'आर्या 3' की शूटिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन वह पूरी तरह से ठीक होकर शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर लौट आई थी।

मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित होने पर बिग बी ने कहा, 'आभार और मेरा परम सौभाग्य'

मेगास्टार अमिताभ बच्चन को सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने इस सम्मान के लिए आभार जताया। अमिताभ ने एक्स पर दिवंगत महान सिंगर लता मंगेशकर की बहन उषा मंगेशकर से अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "आभार और मेरा परम सौभाग्य।" एक्टर रणदीप हुडा, एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे और म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान को भी अमिताभ के साथ स्टेज शेयर करते देखा गया, जिन्हें थिएटर-म्यूजिक के दिग्गज और मंगेशकर भाई-बहनों के पिता दीनानाथ मंगेशकर के स्मृति दिवस पर सम्मान मिला। रहमान को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए ये अवार्ड दिया गया। साथ ही रणदीप, अशोक सराफ और प्ले बैक सिंगर रूपकुमार राठौड़ को भी लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

जैकलीन फर्नांडीज ने पालतू जानवरों को खरीदने के बजाय गोद लेने का किया आग्रह

एक्ट्रेस व एनिमल लवर जैकलीन फर्नांडीज ने पालतू जानवरों को खरीदने के बजाय इन्हें गोद लेने का आग्रह किया। जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर अपने स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में दो पोमेरेनियन, एक हस्की और एक पूडल सहित कई कुत्तों को बीमार अवस्था में देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन दियाः "खरीददारी न करने और गोद लेने का एक और कारण.. ब्रीडिंग इंडस्ट्री क्रूर और अक्सर अवैध है।" वर्कफ्रंट की बात करें तो, जैकलीन पिछली बार रोहित शेट्टी की 'सर्कस' में नजर आई थी। वह जल्द ही सोनू सूद स्टारर 'फतेह' में दिखाई देंगी। फिल्म में विजय राज भी हैं। इनके अलावा, एक्ट्रेस 'वेलकम फ्रेंचाइज' के तीसरी पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में भी नजर आएंगी, जो कथित तौर पर क्रिसमस पर रिलीज होगी

मेरी मां ही मेरी जिंदगी की 'सारथी' है : माधुरी दीक्षित

रियलिटी डांसिंग शो 'डांस दीवाने' में एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित नेने ने बताया कि उनका अपनी मां के साथ कैसा रिश्ता था। अपकमिंग एपिसोड में नए शो 'कृष्णा मोहिनी' का प्रमोशन किया गया। इस दौरान 'सारथी' के बारे में बात की गई, जिस पर माधुरी ने अपनी मां के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा, "मेरे अपनी जिंदगी में जो मेरा सारथी है, वो है मेरी मां। शुरूआत से मेरे करियर में उन्होंने हमेशा मुझे गाइड किया है, मेरा साथ दिया है।" माधुरी ने आगे कहा, "कभी अगर कोई कुछ बोल दे तो वो हमेशा कहती थी कि तुम जो हो वैसी ही रहो और मेहनत से काम करना, ईमानदारी से काम करना, एक दिन सफलता तुम्हें मिलेगी।" "उन्होंने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया है और मेरा समर्थन किया है। वो मेरी ताकत हैं।" माधुरी की मां का निधन 2023 में मुंबई में उनके आवास पर 91 वर्ष की आयु में हुआ।

कपिल शर्मा के शो में आमिर खान ने किया खुलासा, आखिर वह अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आएंगे। शो के मेकर्स ने नया प्रोमो जारी किया, जिसमें एक्टर को शो के कलाकारों के साथ मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। आमिर को पिछली बार 'लाल सिंह चड्ढा' में देखा गया था। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में आमिर ने कई किस्से भी सुनाए। यह पहली बार है जब आमिर इस शो में नजर आ रहे हैं। वह सीमित जगहों पर ही जाने के लिए जाने जाते हैं। एपिसोड के दौरान, आमिर ने यह खुलासा भी किया कि वह अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते। उन्होंने कहा कि समय बहुत कीमती है और इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने 'पीके' फिल्म के आइकोनिक रेडियो सीन के बारे में बात की, जहां वह रेलवे ट्रैक पर बिना कपड़ों के दौड़ते हैं। आमिर ने बताया कि वह शो में शॉर्ट्स पहनकर आना चाहते थे लेकिन उनकी टीम ने उन्हें जींस पहनने के लिए कहा। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम है।

Printed and Published by Mr. Rajendra Kumar Goel for and behalf of BNT Media & Entertainment Ltd. 339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.
Printed at Vivek Publisher, A16, Sector-7, Noida, UP.; Editor Rajendra Kumar Goel. Reproduction in any manner, form or part is prohibited